जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

अजमेर, रविवार 16 जुलाई, 2023

अब भी नहीं, तो कभी नहीं

5 महीने में 25 लाख
और पजेशन तक
50 लाख तक का रिटर्न

FIXED PRICE

NO MIDDLE-MEN
DIRECT TO CUSTOMER

KEDIA
सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL

1.5 गुना रिटर्न

युनिट टाइप कीमत (लाख में)	आज की रेट	अगस्त की रेट +5%	सितम्बर की रेट +10%	अक्टूबर की रेट +15%	नवम्बर की रेट +20%	दिसम्बर की रेट +25%	पजेशन की रेट +50%	POSSESSION DEC. 2025 पजेशन के बाद रैंटल
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	45 L	47.25 L	49.50 L	51.75 L	54 L	56.25 L	67.50 L	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	50 L	52.50 L	55 L	57.5 L	60 L	62.50 L	75 L	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	55 L	57.75 L	60.5 L	63.25 L	66 L	68.75 L	82.50 L	28,000
3 BHK BIG कोठी	60 L	63.00 L	66 L	69 L	72 L	75 L	90 L	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	70 L	73.50 L	77 L	80.50 L	84 L	87.50 L	105 L	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	100 L	105 L	110 L	115 L	120 L	125 L	150 L	50,000

KEDIA®

1800 120 2323

info@kedia.com www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

WALKTHROUGH QR CODE | DOWNLOAD BROCHURE | LOCATION QR CODE | ROUTE MAP | SITE TOUR 360 DEGREE

*T&C Apply

विचार बिन्दु

जो वस्तु आनंद प्रदान नहीं कर सकती, वह सुन्दर हो ही नहीं सकती। –प्रेमचंद

व्याधिक्षमत्व बढ़ाने के लिये वनानुभव

प्राचीन भारत के महर्षि-वैज्ञानिक पुनर्वसु आत्रेय को चिकित्सा व स्वास्थ्य-रक्षण के एक ऐसे सिद्धांत का जनक माना जाता है जिसे आज वनानुभव और प्रकृति-अनुभव (फ़ॉरेस्ट - एक्सपीरियंस, नेचर-एक्सपीरियंस) आदि नामों से जाना जाता है। स्वास्थ्य-रक्षण और रोगोपचार में प्राकृतिक स्थलों की भूमिका का आयुर्वेद में कम से कम 1000 साल ईसा पूर्व से वर्णन प्राप्त होता है। हाल ही में हुई शोध अब यह निर्विवाद सिद्ध करती है कि प्रकृति का सानिध्य हमारे संज्ञानात्मक, भावनात्मक, सामाजिक, शारीरिक, मानसिक और बायो फिज़ियोलॉजिकल स्वास्थ्य में सुधार करता है। परन्तु सबसे बडी बात यह है कि वर्ष 2022 तक की शोध अब यह निर्विवाद सिद्ध कर चुकी है कि वनानुभव से ह्यूमन नेचुरल किलर सेल्स की क्रियात्मकता बढने और इन्फ्लेमेशन कम होने सहित अनेक रास्तों के माध्यम से इम्म्यूनिटी बढती है।

लगभग 5000 वर्ष पूर्व की बात है। आत्रेय के शिष्य अग्निवेश ने अपने गुरु से एक प्रश्न किया: भगवन! देखने में आता है कि हितकारी आहार का उपयोग करते हुये भी कुछ लोग रोगी हो जाते हैं, जबकि अहितकारी आहार लेते हुये भी कुछ लोग निरोगी देखे जाते हैं। ऐसी स्थिति में क्या अच्छा है और क्या बुरा इसकी पहचान कैसे की जाये? इस प्रश्न का जो उत्तर आत्रेय ने दिया, वह आज भी यथावत विज्ञान-संगत है।

आत्रेय का उत्तर था: अग्निवेश! हितकारी आहार करने वाले लोगों में आहार के कारण होने वाले रोग उत्पन्न नहीं होते और हितकारी आहार लेने मात्र से समस्त रोगों का भय दूर नहीं हो जाता। हानिकारक भोजन के अलावा भी रोगों के तमाम कारण, जैसे ऋतुओं का विपरीत होना, प्रज्ञापराध या जानबूझकर गलती करना, शब्द, स्पर्श, रूप, रस, गंध का अतियोग, मिथ्या योग एवं विषम योग आदि ऐसे कारण हैं जो उचित भोजन लेने के बावजूद भी मनुष्य को बीमार कर देते हैं। इसीलिये हितकारी आहार लेने वाले रोगी हो जाते देखे जाते हैं। हानिकारक आहार का उपयोग करने वालों में पथ्य, आहार, व शरीर की स्थिति में भिन्नता होने से हानिकारक आहार तुरन्त हानि नहीं पहुंचा पाते। सभी अपथ्य बराबर दोष वाले नहीं होते, न ही सभी दोष बराबर बलवान होते, और न सभी शरीर व्याधिक्षमत्व या रोग प्रतिरोधक क्षमता से संपन्न होते (न च सर्वाणि शरीराणि व्याधिक्षमत्वे समर्थानि भवन्ति। च.सू.28.7)। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि एक ही अपथ्य आहार जगह, समय, संयोग, वीर्य, व मात्रा की भिन्नता के कारण या ज्यादा खा लेने से और अधिक अपथ्य हो जाता है। वही दोष विविध कारणों से, विरुद्ध चिकित्सा वाला, धातुओं में पहुंचा हुआ, शरीर के प्राणायतनों में उत्पन्न, मर्म पर चोट करने वाला, अत्यंत कष्टदायी अतिशय जल्दी रोगों को उत्पन्न करने वाला होता है। अंत में आत्रेय यह भी बताते हैं कि मूल रूप से शरीर की बनावट भी नैसर्गिक व्याधिक्षमत्व पर प्रभाव डालती है। बहुत मोटे या बहुत दुबले लोग, रक्त, मांस, व अस्थियों के सुसंगठित न होने के कारण बेडौल शरीर वाले लोग, दुर्बल, अल्पसत्त्व या कमजोर मनोबल वाले लोगों में रोगों को सहने की क्षमता नहीं होती। जबकि इनके उलट लक्षणों वाले लोगों में रोगों को सहने की क्षमता होती है। इन अपथ्य आहारों, दोषों व शरीर की भिन्नता के कारण बीमारियाँ भी कम या ज्यादा, जल्दी या देर से उत्पन्न होती हैं।

जिस व्यक्ति का सहज (इनेट) या युक्तिकृत (डेराइव्ड) व्याधिक्षमत्व मज़बूत है वह मुश्किल से ही बीमार पडता है। यदि बीमार पड भी जाये तो बीमारी अपना बल मुश्किल से ही दिखा पाती है। व्याधिक्षमत्व में दो शब्द निहित हैं, व्याधि एवं क्षमत्वाव्याधि का तात्पर्य शरीर की धातुओं (रस, रक्त, मांस, मेदा, अस्थि, मज्जा, शुक्र) में विषमता उत्पन्न होना है। क्षमत्व से तात्पर्य इस विषमता को न होने देने की क्षमता है। मानसिक बीमारियों के सन्दर्भ में सत्त्व गुण जितना अधिक होगा, व्याधिक्षमत्व उतना ही बेहतर होगा। शरीर में सहज व्याधिक्षमत्व के सन्दर्भ में यह बात महत्वपूर्ण है कि शरीर में दुरुस्त मांसपेशियों, संरचना, स्वरुप व मज़बूत इन्द्रियों वाला व्यक्ति रोगों के बल से कभी प्रभावित नहीं होता। भूख, प्यास, ठंडी, गर्मी, व्यायाम को ठीक से सहन करने वाला, सम अग्नि वाला, बुढ़ापे की उम्र में ही बूढ़ा होने वाला, मांसपेशियों के सही चय वाला व्यक्ति ही स्वस्थ है (च.सू.21.18): सममांसप्रमाणस्तु समसंहननो नरः। दृढेन्द्रियो विकाराणां न बलेनाभिभूयते॥ क्षुत्पिपासातपसहः शीतव्यायामसंसहः। समपक्ता समजरः सममांसचयो मतः॥

आधुनिक वैज्ञानिक संदर्भ में व्याधिक्षमत्व को इम्यूनिटी कहा जाता है। यह प्रतिरक्षा तंत्र संक्रमण, बीमारी या अन्य अवांछित तत्वों के आक्रमण से बचने के लिये शरीर को सुरक्षा प्रदान करता है। व्याधिक्षमत्व में कमी होने से शरीर इम्यूनो-कॉम्प्रोमाइज्ड स्थिति में आ जाता है। ऐसी स्थिति में शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता कम होने से रोगजनन आसानी से होता है। इम्यूनिटी किसी व्यक्ति के शरीर में विशिष्ट एन्टीबॉडी या श्वेतरक्त कौशिकाओं की क्रिया से किसी विशेष संक्रमण, विषाक्त पदार्थ या हानिकारी जीवन-शैली से होने वाले रोगों का प्रतिरोध करने की क्षमता के रूप में समझा जाता है।

एक साथ वनवास काटने की बात नहीं है बल्कि प्रतिदिन थोड़ा वनानुभव अवश्य लीजिये। प्रति सप्ताह कम से कम 168 मिनट वनों, उपवनों और हरियाली में बिताइये। इससे इम्म्यूनिटी बढ़ने के साथ प्रसन्नता, आत्म-सम्मान, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में धनात्मक सुधार होगा। यहशास्त्र-सिद्ध, शोध-सिद्ध और स्वानुभूत है।

आधुनिक वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार इम्यूनिटी मूलत: दो प्रकार से समझी जा सकती है: इनेट (जन्मजात) और एडाप्टिव (अनुकूलनीय)। इनेट-इम्यूनिटी प्रतिरक्षा की पहली पंक्ति है जो पैथोजेन को मारने वाली कोशिकाओं जैसे न्यूट्रोफिल और मैक्रोफेज द्वारा संपादित की जाती है। किसी विषाणु का संक्रमण होने पर ये किलर-सेल्स तेज गति से सबसे पहले अपना काम करती हैं। एडाप्टिव-इम्यूनिटी की क्रियात्मकता तुलनात्मक रूप से धीमी होती है। इस तंत्र में टी-कोशिकाओं, बी-कोशिकाओं और एंटीबॉडी जैसी व्यवस्था है जो विशिष्ट रोगजनकों पर प्रतिक्रिया देता है। यह तंत्र इम्यून-मेमोरी के लिये भी उत्तरदायी है जो मानव में पहले हुई कुछ बीमारियों को पहचानता है और दुबारा नहीं होने देता। मेमोरी बी-सेल नामक कोशिकायें पैथोजेन को पहचानती हैं, और दुबारा संक्रमण होने पर त्वरित-प्रतिक्रिया करते हुये संक्रमण को निष्फल करने का काम करती हैं। हालाँकि नवीन शोध यह बताती है नेचुरल-किलर कोशिकायें भी एडाप्टिव-इम्यूनिटी प्रतिक्रिया का प्रदर्शन कर सकती हैं। जो भी हो, गडबड तब होती है जब कुछ वायरस या माइक्रोब्स अपने पूर्व रूप से म्यूटेट या उत्परिवर्तित होकर इम्यून-मेमोरी (प्रतिरक्षा स्मृति) को गच्चा दे देते हैं।

व्याधिक्षमत्व को परिभाषित करते हुये चरकसंहिता के दिग्गज टीकाकार आचार्य चक्रपाणि ने लगभग 900 साल पहले लिखा (च.सू. 28.7 पर चक्रपाणि): व्याधिक्षमत्वं व्याधिबलविरोधित्वं व्याध्युत्पादप्रतिबन्धकत्वमिति यावत्। तात्पर्य यह है कि व्याधिबल की विरोधिता व व्याधि की उत्पत्ति में प्रतिबंधक होना व्याधिक्षमत्व है। अभिप्राय यह है कि शरीर में उत्पन्न बीमारी के बल या तीक्ष्णता को रोकने और बीमारी की उत्पत्ति को रोकने वाली क्षमता को व्याधिक्षमत्व कहा जाता है।

व्याधिक्षमत्व को बल, ओज और प्राकृत श्लेष्मा के रूप में भी जाना जाता है। बल वह शक्ति है जिसके द्वारा शरीर विभिन्न चेष्टाओं से कार्य संपन्न करता है। इस कार्योत्पादक शक्ति को व्यायाम-शक्ति से जाना देखा जाता है। बल के तीन प्रकार हैं (च.सू.11.36):त्रिविधं बलमिति- सहजं, कालजं, युक्तिकृतं च। सहजं यच्छरीरसत्त्वयो: प्राकृतं, कालकृतमृतुविभागजं वय:कृतं च, युक्तिकृतं पुनस्तद्यदाहारचेष्टायोगजम्। बल तीन प्रकार के होते हैं। सहज बल शरीर और मन पर आधारित होता है। उम्र के साथ शरीर की वृद्धि से प्राप्त बल को कालज बल कहा जाता है। खान-पान, जीवन-शैली और व्यायाम आदि की युक्ति से प्राप्त बल को युक्तिकृत बल कहा जाता है। रोग से रक्षा करने वाले को बल कहा जाता है। व्याधिक्षमत्व को ओज और ओज को बल के रूप में भी समझा जाता है (सु.सू.15.19)रसादीनां शुक्रान्तानां धातूनां यत् परं तेजस्तत् खल्वोजस्तदेव बलमित्युच्यते स्वशास्त्रसिद्धान्तात्। रसादिक तथा शुक्रान्त धातुओं के उत्कृष्ट सार भाग को ओज कहते हैं तथा आयुर्वेद के अनुसार उसी का दूसरा नाम बल है। यही बल व्याधियों से शरीर की रक्षा करता है। यहाँ एक बात समझना आवश्यक है ओज और बल हालाँकि एक कहे गये हैं किन्तु ओज को कारण और बल को कार्य माना जाता है। ओज का रूप, रस और वर्ण होने से द्रव्य है जबकि बल इसका कार्य है। यहाँ व्याधिक्षमत्व के सन्दर्भ में बल (कार्य) और कारण (ओज) को एक मान लिया जाता है। इसी सन्दर्भ में प्राकृत कफ को बल या व्याधिक्षमत्व का कारण माना जाता है (च.सू.17.117): प्राकृतस्तु बलं श्लेष्मा विकृतो मल उच्यते। स चैवौज: स्मृत: काये स च पाप्मोपदिश्यते॥ यही कारण है कि कफज प्रकृति में उत्तम बल, पित्तज प्रकृति के व्यक्तियों में मध्यम बल तथा वातज प्रकृति के व्यक्तियों में अवर बल होता है।

इस प्रकार व्याधिक्षमत्व का तात्पर्य व्याधि-बल का विरोध शरीरगत बल द्वारा किया जाता है। व्याधिक्षमत्व को प्रभावित करने वाले विभिन्न भावों को दशविधि रोगी परीक्षा के भावों में भी देखा जाता है। उदाहरण के लिये व्यक्ति की मूल प्रकृति का बल से सीधा सम्बन्ध होता है। सबसे उत्तम सम प्रकृति (वात-पित्त-कफज) है, परन्तु किसी जनसंख्या में समप्रकृति वाले बहुत कम होते हैं। अत: व्यवहार में कफ प्रकृति वालों को बेहतर बल वाला माना जाता है। इसके साथ ही सार भी बल को प्रभावित करता है। सारयुक्त से तात्पर्य यह है कि व्यक्ति में साररूप धातुओं का नियमित निर्माण होता है। सार धातुओं के सम्यक प्रकार से उत्पन्न होते रहने पर शरीर में व्याधिक्षमत्व बढ़िया बना रहता है। जैसा कि पूर्व में चर्चा की गयी है, बल का मुख्य कारक ओज है जो सभी धातुओं का सार है। साररूप में यह सभी धातुओं में व्याप्त होकर धातुओं की रक्षा करता है। व्याधिक्षमत्व को प्रभावित करने वाले अन्य भावों में सात्म्य, सत्त्व, अग्नि, शारीरिक-शक्ति व वय हैं। अग्निबल को आहार करने की क्षमता से परखा जा सकता है। आहार-शक्ति (आहार की मात्रा) अग्निबल पर आश्रित है। यदि व्यक्ति की आहार शक्ति मज़बूत है तो भोजन का पाचन और धातुओं की पुष्टि यथोचित होने से शरीर मज़बूत रहता है। व्यायाम-शक्ति या शारीरिक रूप से श्रम करने की शक्ति भी बल का संकेतक है। व्यक्ति की वय या उम्र का भी बल से संबंध होता है। युवावस्था में उत्तम बल और जरा या बुढ़ापा आने पर बल कम रहता है।

व्याधिक्षमत्व बढ़ाने के लिये बल व ओज की वृद्धि में सहायक द्रव्यों और क्रियाओं का इस प्रकार युक्तिपूर्वक नियमित सेवन करना चाहिये, जिससे व्याधिक्षमत्व का संरक्षण व वृद्धि हो किन्तु प्रकृति, अग्नि, धातुओं व मलक्रिया का समत्व तथा आत्मा, इन्द्रियों व मन की प्रसन्नता यथावत बनी रहे। संक्षेप में व्याधिक्षमत्व बढ़ाने के लियेसात रक्षा-दीवारों की निरंतर और सम्यक सार-सम्हाल करना आवश्यक है। इनमें आहार या खानपान, विहार या जीवनशैली, स्वस्थवृत्त या व्यक्तिगत स्वास्थ्य विषयक क्रियायें, सद्वृत्त या व्यक्तिगत सदाचरण, पंचकर्म या शारीरिक विषाक्तता को बाहर करने के लिये आयुर्वेद की पांच प्रक्रियायें, रसायन या उम्र-आधारित रोगजनन को रोकने हेतु कायाकल्प उपाय, और अंतत: औषधि या चिकित्सा शामिल हैं। परन्तु वनानुभव इन सबसे ऊपर है। एक साथ वनवास काटने की बात नहीं है बल्कि प्रतिदिन थोड़ा वनानुभव अवश्य लीजिये। प्रति सप्ताह कम से कम 168 मिनट वनों, उपवनों और हरियाली में बिताइये। इससे इम्म्यूनिटी बढ़ने के साथ प्रसन्नता, आत्म-सम्मान, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में धनात्मक सुधार होगा। यहशास्त्र-सिद्ध, शोध-सिद्ध और स्वानुभूत है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंगप्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

आठ करोड़ रुपए की लागत से बनी सड़क पर गहरे गढ्डे होने लगे

विधायक द्वारा एक माह पहले ही विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया था

देवली, (निसं)। लोकार्पण को एक महीना भी हुआ नहीं कि आठ करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए रोड पर अभी से ही गहरे गड्ढे होना शुरू हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि एक माह पहले क्षेत्रीय विधायक हरीश चंद्र मीणा के द्वारा नगर पालिका की ओर से बनाए गए विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया था। विधायक द्वारा एक माह पहले लोकार्पण किए गए करोड़ों की लागत से बनाए गए डामरीकरण और सीसी रोड की मामूली सी बारिश में ही दुर्दशा होना शुरू हो गई है।

■ **'पांच साल की गारंटी की योजना पर रोड का निर्माण कराया गया है। रोड पर कहां गहरे गड्ढे हुए इसकी जांच करवा लेते हैं'**

गौरतलब है कि नगर पालिका ने लगभग साढ़े 16 करोड़ रुपए की लागत से ढाई-ढाई किलोमीटर के दो रोड का पूर्ण निर्माण करवाया और करवाया जा रहा है। इसमें से देवली से जयपुर की ओर जाने वाले रोड का निर्माण कार्य पूरा हो गया जिसे नगर पालिका द्वारा लोकार्पण करवा दिया गया है। उक्त रोड निर्माण में शुरू से ही भ्रष्टाचार की परत दर परत चढ़ती जा रही थी जिसे पालिका देख कर भी नजर अंदाज करती रही। रोड निर्माण में भ्रष्टाचार होने के चलते जयपुर टोंक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के आला अधिकारियों ने यहां उक्त रोड निर्माण की जांच की और तो पीडब्ल्यूडी सहायक अभियंता के सहयोग से रोड निर्माण कार्य में इस्तेमाल किए गए मैटेरियल के सैंपल भी जांच किए जाने के लिए रोड से एकत्रित किए और पीडब्ल्यूडी टोंक के माध्यम से जांच हेतु क्वालिटी कंट्रोल विभाग को भेज दिए गए थे।

दो माह पहले उक्त रोड निर्माण कार्य में हो चुके भ्रष्टाचार की रिपोर्ट में मामला क्या रहा, जांच एजेंसी ने अब तक उक्त मामले की पारदर्शिता नहीं दिखाई है। यहां देखने वाली बात तो यह है कि उक्त रोड निर्माण कार्य में हुए भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए ठेकेदार द्वारा सीसी रोड पर उखड़ चुकी गिट्टीओं पर केमिकल डाला जा रहा है। परंतु भ्रष्टाचार की भेंट चढ़े रोड निर्माण कार्य ने ठेकेदार और अधिकारियों के बीच हुई सांठगांठ की पोल खोल कर रख दी है। जिसकी जानकारी भ्रष्टाचार ब्यूरो निरोधक विभाग को बखूबी प्राप्त है इसलिए कि दो माह पहले भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के आला अधिकारी उक्त रोड निर्माण में हुई धांधली जांच करने पहुंचे थे। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार लगभग 8 करोड रुपए की लागत से बनाए गए उक्त रोड निर्माण पर पालिका प्रशासन ने ठेकेदार को अब तक सात से साढ़े सात करोड रुपए तक का भुगतान कर दिया है।

सुरेश कुमार मीणा, अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका देवली का कहना है कि पांच साल की गारंटी की योजना पर रोड का निर्माण कराया गया है। रोड पर कहां गहरे गड्ढे हुए इसकी जांच करवा लेते हैं। अगर ऐसा मामला है तो ठेकेदार का 5000000 रुपए का भुगतान अभी बाकी है। जिसे रोक दिया जाएगा।

देवली से जयपुर की ओर जाने वाली सड़क कई जगह से क्षतिग्रस्त हो गई है।

पौधारोपण से भी जरूरी पौधों की सुरक्षा है : नगर परिषद आयुक्त

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर को हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से संगम उद्योग समूह द्वारा सोनी हॉस्पीटल में चलाये जा रहे एक लाख पौधे व पांच हजार ट्री गार्ड वितरण अभियान के तीसरे दिन अतिथि के रूप में नगर परिषद आयुक्त हेमाराम चौधरी ने अभियान की सराहना करते हुए उपस्थित आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि संगम समूह से निशुल्क पौधे प्राप्त कर पौधारोपण के पश्चात उनकी नियमित रूप से देखभाल करें, क्योंकि पौधारोपण से भी जरूरी पौधों की सुरक्षा है।

■ **पौधा वितरण अभियान में उमड़ी लोगों की भीड़**

पौधा वितरण प्रभारी बाबूलाल जाजू ने बताया कि अभियान के प्रथम चरण का समापन 21 जुलाई को होगा। उन्होंने आमजन से प्रतिदिन प्रात: आठ से 10 तक अशोक, चंपा, मोगरा, तुलसी, मीठा नीम, अमरूद, अनार, करंज, नीम, कनेर, गुड़हल, चांदनी, बिल्वपत्र, गुलमोहर, बरगद सहित 35 प्रजातियों के पौधे निशुल्क प्राप्त करने की अपील की।

समूह के चेयरमैन रामपाल सोनी ने बताया कि आज 7250 पौधों का वितरण प्रभात जैन, महेश मोदानी, सत्यनारायण बिरला, भैरूसिंह, नंदू, राधा कुम्हार, बबली, रेखा कुम्हार सहित सैकड़ों लोगों को किया गया। समूह के प्रबंध निदेशक अनुराग सोनी ने बताया कि ट्री गार्ड हेतु रतनलाल सामरिया एवं हिम्मत पारीक से आवेदन पत्र प्राप्त कर ट्री गार्ड ले सकते हैं।

भीलवाड़ा शहर को हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से पौधों का वितरण किया गया।

जोधपुर में सेना दो लाख वृक्ष लगाएगी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में दो लाख से अधिक पेड़ लगाने के लक्ष्य के साथ वृक्षारोपण अभियान का उद्घाटन जीओसी कोणार्क कोर द्वारा किया गया। इस प्रयास में, भारतीय सेना ने स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक और भूमि एनजीओ के साथ मिलकर पूरे जोधपुर में जल वाटिका, शेखोजी तालाब, शिकारगढ़ और बनाड में पौधे लगाए।

जानकारी के अनुसार इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के पेड़ लगाने और फलों के जंगल लगाने के लिए जापानी मियावाकी तकनीक का उपयोग शामिल है। सेना ने अतिरिक्त जल आपूर्ति बिंदुओं के निर्माण के साथ जल निकायों की बहाली की भी योजना बनाई है।

यह उद्यम भारत सरकार के "अमृत सरोवर" के दृष्टिकोण से जुड़ा है जो प्रत्येक जिले में 75 जल निकायों के कायाकल्प और विकास की योजना बना रहा है। जल निकायों के कायाकल्प की दिशा में, तालाबों को गहरा करने की योजना बनाई गई है, जिससे क्षमता बढ़ेगी और पानी की कमी से बचा जा सकेगा।

गंगोत्री से 750 किमी पैदल सफर तय कर किशनगढ़ बास पहुंचे कावड़ियों का सम्मान

किशनगढ़ बास, (निसं)। गंगोत्री से जल भरकर 20 दिन में 750 किलोमीटर का पैदल सफर तय कर किशनगढ़ बास के प्राचीन पुराना बाजार स्थित मोटेश्वर महादेव पर जल चढ़ाने पहुंचे शिवभक्त कांवाडियों हरिओम गुप्ता, पीयूष शर्मा व पवन उर्फ विक्की सोनी का पूर्व विधायक रामहेत यादव सहित शहर के गणमान्य लोगों की ओर से दुपट्टा व माला पहनाकर सम्मान किया गया। वहीं पंडित नरेश शर्मा ने विधि विधान व मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना कराकर जल अभिषेक कराया एवं श्रद्धालुओं में खीर का प्रसाद वितरण किया गया।

1998 से निरंतर गंगोत्री गोमुख हरिद्वार से सावन मास के माह में कावड़ लेकर आ रहे हरिओम गुप्ता हरिद्वार 7 गोमुख से 4 और गंगोत्री से 13 बार जल लाकर शहर के विभिन्न मंदिरों में जल अभिषेक कर चुके हैं। गुप्ता ने बताया 750 किलोमीटर की 20 दिन में पैदल यात्रा कर गंगोत्री से जल लेकर पहुंचे हरिओम गुप्ता ने बताया कि 17 जून को पीयूष पुत्र अशोक शर्मा, पवन उर्फ विक्की पुत्र स्व. सुभाष सोनी, रवि शर्मा, ललित राणा 5 सदस्यों का जत्था गंगोत्री के लिए रवाना हुआ। 24 जून को गंगोत्री से जल लेकर जत्था गंगोत्री से अरावली पर्वतमाला की चढ़ाई चढ़ते हुए हरिद्वार दिल्ली होते हुए 14 जुलाई को किशनगढ़ बास शिव कावड़ संघ के कैंप पहुंचने पर शिव कावड़ संघ समिति की ओर से स्वागत किया गया। इस मौके पर व्यापार महासंघ अध्यक्ष परमानंद लखयाणी भाजपा युवा नेता विश्वास यादव पार्षद मनोज मित्तल शिव हरि गुर्जर किराना अध्यक्ष मदन अग्रवाल पत्रकार मुकेश सोनी लघु उद्योग संघ अध्यक्ष हरमेश खुराना विनय गोयल मनीष पंजाबी जनेश भूटानी सतीश शर्मा हीरु हरवानी अशोक शर्मा राधा रानी मंदिर पुजारी यादराम शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इसके अलावा किला ऊपर रेणी मोहल्ला,जोहड़ समीप सहित अनेक मंदिरों के शिवालयों पर कावड़ियों ने पहुंचकर जल चढ़ाया।

किशनगढ़ बास में गंगोत्री से पैदल जल लेकर आए कावड़ियों का पूर्व विधायक रामहेत यादव ने सम्मान किया।

राशिफल रविवार 16 जुलाई, 2023

पंडित अनिल शर्मा

प्रथम सावन मास (शुद्ध), कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2080, आर्द्रा नक्षत्र रात्रि 2:34 तक, ध्रुव्र योग प्रात: 8:32 तक, विष्टि करण प्रात: 9:21 तक, चन्द्रमा मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरू-मेष, शुक्र-सिंह, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज भद्रा प्रात: 9:21 तक रहेगी। आज सावन संक्रांति है। सूर्य कर्क राशि में सोमवार प्रात: 5:07 पर प्रवेश करेगा। पुण्य काल रविवार को रहेगा।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:23 से 9:10 तक, लाभ-अमृत 9:10 से 12:33 तक, शुभ 2:14 से 3:56 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:47, सूर्यास्त 7:19

मेष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

सिंह

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। आवश्यक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

धनु

घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

वृष

मित्रों/रिश्तेदारों से संबंध खराब हो सकते हैं और समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

कन्या

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

मकर

परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। परिवार में आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

तुला

परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कुंभ

नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिजनों के सहयोग से महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृश्चिक

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

मीन

अपने आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 27 संख्याः 346 प्रभात अजमेर, रविवार 16 जुलाई, 2023 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

दुर्लभ झक सफेद एल्बीनो पाण्डा एक बार फिर चीन में दिखा है। यह अपनी तरह का एक मात्र पांडा है। वर्ष 2019 में यह शिन्चुआन प्रांत के नेचर रिज़र्व में देखा गया था और विश्व में अपनी तरह का एकमात्र पाण्डा होने की वजह से जल्दी ही इसकी लोकप्रियता विश्वभर में फैल गई थी। हाल ही में यह पुनः दिखा है। माना जाता है कि, इसकी उम्र 5-6 साल है। देखने में स्वस्थ लग रहे इस पाण्डा का फर अब हल्का सा भूरा होने लगा है और कार्टून किरदार ''विनी द पूह'' की याद दिलाता है। शुरु में आशंका थी कि, इस प्रजाति के अन्य सदस्य इसको बहिष्कृत कर सकते हैं, पर, वोलाँग नेचर रिज़र्व से प्राप्त तस्वीरों और वीडियो में यह अन्य सामान्य पाण्डा के साथ सहजता से घुलता-मिलता नज़र आ रहा है। जानवरों में एल्बीनिज़्म पाया जाता है, पर बहुत कम। यह एक जैनेटिक म्यूटेशन की वजह से होता है, इसमें त्वचा में मैलनिन नहीं बनता। ऐसे जीव प्रकाश के प्रति बेहद संवेदनशील होते हैं, लेकिन अन्य शारीरिक क्षमताओं पर इस स्थिति का कोई प्रभाव नहीं पड़ता। वर्ष 2019 में जब यह पाण्डा पहली बार दिखा था, तब नेचर रिज़र्व ने कहा था कि, तस्वीरों में इसके रोएं, पंजे एकदम सफेद दिख रहे हैं और आँखें लाल हैं।

विपक्ष की बैंगलोर बैठक में क्षेत्रीय संयोजक नियुक्त होंगे

नीतीश कुमार को हिन्दी भाषी यू.पी. व बिहार का संयोजक बनाया जायेगा

- ममता बनर्जी को पूर्वी राज्यों का संयोजक, तथा दिल्ली के मु.मंत्री को दिल्ली, पंजाब व हरियाणा का संयोजक नियुक्त किया जा सकता है।
- यह संयोजकों की नियुक्ति की यह प्रक्रिया बिना बहस व मतभेदों के पूरी होने की संभावना है, क्योंकि सभी दलों को इन नियुक्तियों में अपना भला दिख रहा है।
- कांग्रेस को इस प्रक्रिया में यह लाभ नज़र आ रहा है कि, 188 संसदीय सीटों पर, उसका सीधा मुकाबला भाजपा से होगा। गत चुनाव में भाजपा ने कांग्रेस को इन सीटों पर भारी शिकस्त दी थी, क्योंकि भाजपा विरोधी वोट, विपक्ष के वोट का भारी विभाजन हुआ था, विपक्ष की पार्टियों में।
- कांग्रेस इस बात पर भी दबाव बना रही थी कि, इस स्कीम की शुरुआत आगामी विधानसभा चुनावों से लागू कर देनी चाहिए। क्योंकि, मध्य प्रदेश, राजस्थान व छत्तीसगढ़ में भाजपा की मुख्य प्रतिद्वंदी कांग्रेस पार्टी ही है।

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 जुलाई। 2024 के चुनावों के लिये प्रचार के मुद्दे चिन्हित करना तथा विभिन्न क्षेत्रों के लिये क्षेत्रीय समन्वयकों के नाम तय करना 17-18 जुलाई को बैंगलुरू में होने वाली विपक्षी नेताओं की निर्धारित मीटिंग के एजेंडा का हिस्सा होंगे।

जहाँ हर बार के लोकसभा चुनावों से पहले विपक्षी नेताओं की मीटिंगें होना एक आम बात रही है, वहीं विपक्षी खेमा इस बार इस विचार के इर्द-गिर्द घूमता प्रतीत हो रहा है कि इस प्रकार के प्रयासों की तरफ लोगों का ध्यान तब तक नहीं जायेगा, जब तक इसके बाद एक कॉमन मिनिमम प्रोग्राम (सी.एम.पी.) विधिवत रूप से तैयार न हो तथा सरकार के वैकल्पिक स्वरूप पर कोई संयुक्त नीतिगत वक्तव्य जारी नहीं किया जाये।

जहाँ इस मीटिंग में विपक्षी खेमे के प्रधान मंत्री पद के उम्मीदवार पर चर्चा होने की कोई सम्भावना नहीं है वहीं ऐसी सम्भावना है कि बिहार के मुख्यमंत्री, जिन्होंने पटना में विपक्षी दलों की पहली मीटिंग आयोजित की थी, को बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे हिन्दी भाषी राज्यों के क्षेत्रीय समन्वयक की महत्वपूर्ण भूमिका दी जावें। जहाँ कुर्मी समुदाय, जो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की भी जाति है, करीब 12 राज्यों में फैला हुआ है, वहीं विपक्षी खेमा ऐसी उम्मीद सँजोये हुये है कि एक एक्स्ट्रीमली बैकवर्ड कास्ट (ई बी सी) के प्रमुख नेता तथा एक दक्ष प्रशासक के रूप बडी सावधानी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फ्लाईट में दुर्व्यवहार

नई दिल्ली, 15 जुलाई। एयर इंडिया मैनेजमेंट के एक वरिष्ठ अधिकारी के साथ यात्री द्वारा दुर्व्यवहार की बात सामने आई है। यह घटना नौ जुलाई को सिडनी से नई दिल्ली लौट रहे विमान में हुई। एक अधिकारी ने बताया कि एयरलाइन के इनफ्लाइट सर्विसेज डिपार्टमेंट के हेड संदीप वर्मा ए.आई. 301 से सिडनी से दिल्ली आ रहे थे, तभी दिल्ली के एक यात्री ने उन्हें टक्कर मार दी। हालांकि, उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई।

दुष्कर्म व हत्या के आरोपी किशोर को आजीवन कारावास

जयपुर, 15 जुलाई (का.सं.)। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नौ साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म और अप्राकृतिक कृत्य करने के बाद उसकी हत्या करने के मामले में 17 साल 7 माह और 25 दिन के किशोर को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने किशोर पर 63 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने कहा कि, किशोर को 21 साल की उम्र तक सुरक्षित गृह में रखा जाए और फिर शेष सजा भुगतने के लिए जेल भेज दिया जाए। बताया जा रहा है कि, यह प्रदेश का संभवतः पहला ऐसा मामला है, जहां 18 साल से कम के किशोर को आजीवन कारावास की सजा दी गई है।

अदालत ने कहा कि, किशोर न्याय अधिनियम में प्रावधान है कि, किसी बालक को मृत्युदंड या छोड़े जाने की संभावना के बगैर आजीवन कारावास से दंडित नहीं किया जा सकता। इस अधिनियम में हर आजीवन कारावास को प्रतिबंधित नहीं किया गया है। पॉक्सो एक्ट में दुष्कर्म के कुछ अपराधों के लिए आजीवन कारावास की प्रावधान किया गया है। बशर्ते कि उसमें सी.आर.पी.सी. की धारा 432 व धारा 433 के तहत रैमिशन या सजा लघुकरण करने की शक्ति राज्य सरकार के पास हो।

- यह संभवतया पहला ऐसा केस है जिसमें किसी किशोर को आजीवन कारावास की सजा मिली है। किशोर पर 9 साल की बालिका से दुष्कर्म और अप्राकृतिक कृत्य करने के बाद उसकी हत्या करने का आरोप है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक महावीर किशनावत ने अदालत को बताया कि, नौ साल की पीड़िता अपने परिवार के साथ किशोर के मकान में किराए पर रहती थी। घटना के दिन, 4 जून, 2022 की सुबह 11 बजे बच्ची अपने पिता के पास बैठी थी। इतने में किशोर भी वहां आ गया और आधे घंटे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गांधी ने एक बार फिर प्र.मंत्री मोदी की चुप्पी पर कटाक्ष किया

'मणिपुर जल रहा है, तथा यूरोपीय संसद आतंरिक मामले पर प्रस्ताव पारित करती है, पर, दोनों मुद्दों पर प्र.मंत्री की रहस्यमय चुप्पी क्यों?

- तिलमिलाकर, भाजपा ने स्मृति ईरानी और प्रवक्ता गौरव भाटिया को उतारा राहुल गांधी को घेरने के लिये।
- कांग्रेस भी चुप नहीं रही, जयराम रमेश व वेणुगोपाल को झोंका, स्मृति ईरानी व गौरव भाटिया की टिप्पणियों को खारिज करने के लिए।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 जुलाई। यूरोपीय संसद में मणिपुर हिंसा पर चर्चा और मोदी सरकार की आलोचना किए जाने के मामले में राहुल गांधी के ट्वीट से बौखलाई भारतीय जनता पार्टी ने आज केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को उनके सामने उतारा, जिन्होंने उन्हें ''कुंठित राजवंशज'' कहा।

राहुल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आरोप लगाया कि राफेल सौदे ने उन्हें बैस्टिल डे परेड का टिकट दिलवा दिया, जबकि यूरोपीय संसद में चर्चा होने के बावजूद वे मणिपुर पर चुप रहे। राहुल ने ट्वीट कर कहा, ''मणिपुर जल रहा है। यूरोपीय संसद भारत के आंतरिक मुद्दों पर चर्चा कर रही है। प्रधानमंत्री ने किसी पर एक शब्द भी नहीं कहा। इस बीच राफेल सौदे ने उन्हें बैस्टिल डे परेड का टिकट दिलवा दिया।''

इससे पहले यूरोपीय संसद ने बुधवार को मणिपुर हिंसा पर एक प्रस्ताव पारित किया और कहा कि हम कड़े शब्दों में भाजपा सदस्यों द्वारा फैलाई गई राष्ट्रवाद की नारेबाजी का विरोध करते हैं। इस पर भारत सरकार ने प्रतिक्रिया दी कि यह पूरी तरह से आंतरिक मामला हैं।

काफी विचार-विमर्श के बाद सरकार के जन संपर्क एवं मीडिया रणनीतिकारों ने स्मृति ईरानी को आगे किया, जिन्होंने कहा, ''वे भारत के अंदरूनी मामलों में विदेशी दखल की मांग करते हैं, वे एक कुंठित राजवंशज हैं जो हमारे प्रधानमंत्री को राष्ट्रीय सम्मान मिलने पर ''मेक इन इंडिया'' का मजाक उड़ाते हैं। उन्हें जनता ने नकार दिया है और वे इसलिए खीजे है क्योंकि अब रक्षा सौदे खानदान के दरवाजे पर नहीं आते।

भाजपा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी घरेलू राजनैतिक हिसाब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल ने मानहानि केस में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की

- मोदी सरनेम पर की गई टिप्पणी के मामले में गुजरात हाई कोर्ट से राहत नहीं मिलने पर राहुल ने अब सुप्रीम कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 जुलाई। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने आज सर्वोच्च न्यायालय में आज एक याचिका दायर कर, गुजरात उच्च न्यायालय के उस निर्णय को चुनौती दी है, जिसमें ''मोदी सरनेम'' वाली उनकी टिप्पणी के जुड़े क्रिमिनल मानहानि केस में, उनकी सजा पर ''स्टे'' देने से इन्कार कर दिया गया था। ज्ञातव्य है कि इस केस में राहुल को दी गई सजा के फलस्वरूप, उन्हें इस साल के शुरू में डिस्क्वालिफाई कर दिया गया था।

आपको याद दिला दें कि 13 अप्रैल 2019 को राहुल गांधी कर्नाटक के कोलार नगर में आयोजित एक चुनावी रैली में ''सभी चोरों के सरनेम मोदी ही क्यों होते है? टिप्पणी कर दी थी। इस टिप्पणी को लेकर दायर किये गये क्रिमिनल मानहानि केस में, गुजरात की एक अदालत ने उन्हें दो वर्ष की जेल की सजा दी थी। इस अदालत के फैसले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'चुनाव पंचायत का था, पर, लक्ष्य नैशनल पॉलिटिक्स ही थी?'

बंगाल की 42 संसदीय सीटों में से तृणमूल के पास 35 हैं, पर, ममता इस आंकड़े से संतुष्ट नहीं, और किसी भी कीमत पर बढ़ोतरी चाहती हैं

- वे मानती हैं कि, यह बढ़ोतरी होने पर ही नैशनल पॉलिटिक्स में उन्हें सम्मानजनक स्थान मिल सकता है।
- अतः, पंचायत के चुनाव में पचास हत्याएं व हिंसा एक जायज़ कीमत है, जो, बंगाल दे सकता है, उनकी महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए।
- यह ही नहीं, चुनाव परिणाम घोषित हो जाने के बाद भी, कांग्रेस व विपक्ष के अन्य विजयी उम्मीदवारों पर, धन व बल से दबाव पूरा बनाया जा रहा है, तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने के लिये।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 जुलाई। पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सत्ता तथा राष्ट्रीय राजनीति में अपनी आगामी भूमिका पर अपनी पकड़ बनाये रखने के लिये बहुत ही दुष्टतापूर्ण खेल खेला है।

पंचायत तथा ग्रामीण चुनाव को छोटे स्तर की सत्ता के खेल नहीं थे। ये चुनाव भविष्य की राजनैतिक लड़ाइयों के प्रवेश द्वार होते हैं। ग्रामीण चुनावों की इस जीत के फलस्वरुप, विस्तृण ग्रामीण क्षेत्रों पर उनकी पकड़ बहुत मजबूत हो जायेगी, जहाँ के वोट उनके भविष्य का निर्धारण करेंगे। वे जानती हैं कि पंचायतों के माध्यम से दिये जाने वाले आश्वासन तथा दी जाने वाली चीजें वोटों को उनके पक्ष में बनाये रखने में उनकी मदद करेंगी।

उनका मुख्य उद्देश्य 2024 के चुनावों में अधिकतम लोकसभा सीटों पर कब्जा करना है। संसदीय चुनावों में उनकी निर्णायक जीत, 42 में से 35 से अधिक सीटें जीतने भर से राष्ट्रीय राजनीति में उनकी बात सुनी जायेगी। 2024 की चुनावी जीत से राष्ट्रीय सत्ता हथियाने के मामले में उनकी भूमिका सुनिश्चित हो जायेगी।

वस्तुतः वे एक ''लूजिंग विकेट'' पर खेल रही हैं। उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा खो चुकी है तथा एक क्षेत्रीय दल बनकर रह गई है। वे ऐसे आलोचनापूर्ण बयानों से पहले ही आहत हैं कि कोई भी क्षेत्रीय पार्टी, जैसी उनकी पार्टी है, किसी राष्ट्रीय गठबंधन के नेतृत्व का दावा नहीं कर सकती।

इस मामले में, कांग्रेस पार्टी उनकी दुश्मन नम्बर एक है तथा वे कांग्रेस पार्टी की जड़ें काटती आ रही हैं। अब, चूँकि कर्नाटक में कांग्रेस जीत चुकी है तो ममता बनर्जी और ज्यादा पीछे पहुँच गई है। राज्य कांग्रेस ममता बनर्जी को राष्ट्रीय गठबंधन में कोई भी जगह देने का विरोध कर रही है। लेकिन वे अपने दावे पर जोर देती आ रही हैं।

उनकी दृष्टि में, राष्ट्रीय राजनीति की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गूगल का अनुमान है, देश में 75 करोड़ सक्रिय उपभोक्ता (एक्टिव यूज़र्स) हैं इन्टरनेट के

इनमें से आधे से ज्यादा लोगों में ऑनलाइन न्यूज़ व्यूअरशिप, ज्यादा लोकप्रिय है, बनिस्पत परम्परागत टी.वी. चैनल के

- आगामी चुनावों में ''नैट सैवी'' युवा, वोट डालने का अधिकार पा लेंगे। अतः इस वर्ग का ध्यान आकर्षित करने के लिये, राजनीतिक पार्टियां ''सोशल इन्फ्लुएंसर्स'' को एम्प्लॉय कर रही हैं।
- सोशल इन्फ्लुएंसर्स भी इस सहयोगी ''पार्टनशिप'' से खुश हैं, क्योंकि राजनीतिज्ञों के जीवन व काम-काज की जानकारी उनके दर्शकों को रुचिकर लगती है, तथा सोशल इन्फ्लुएंसर्स के ''हिट्स'' बढ़ते हैं।
- पर, सोशल इन्फ्लुएंसर्स का उपयोग भी खतरे से खाली नहीं है। सोशल इन्फ्लुएंसर्स व उनके ''कन्टैंट प्रोड्यूसर'''' वाकई में पत्रकार नहीं हैं। उन्हें अपनी ''खबर'' या ''कन्टैंट'' की सच्चाई को पहचानने की न तो ट्रेनिंग है, और न ही अनुभव। और उनके लिये नैतिकता या विश्वसनीयता का कोई खास आयाम नहीं है। उनको मतलब हिट्स बढ़ाने व पैसा गिनने से है। अतः क्या, सोशल इन्फ्लुएंसर्स को बेलगाम ''न्यूज़'' कार्यक्रम चलाने व प्रोड्यूस करने की पूरी छूट होनी चाहिए?

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 जुलाई। 2024 के आम चुनाव से पहले जनता की राय को प्रभावित करने में सोशल मीडिया की शक्ति का राजनैतिक फायदा उठा रही है।

खबरों के अनुसार केन्द्र सरकार के कम से कम पांच मंत्री विगत सप्ताहों में यू-ट्यूब के कार्यक्रमों में आ चुके है। यह सरकार द्वारा संचालित जनता को प्रभावित करने वाले मंच ''माइ गव'' द्वारा आरंभ की गई ''कोलैबरेशन'' (सहयोग) कवायद का हिस्सा है।

इंटरनेट के व्यापक उपयोग से सोशल मीडिया के मंचों पर पहुंच बढ़ाई जा रही है। मार्केटिंग एवं डेटा एनेलिटिकल कंपनी गूगल एंड कांटार के अनुमान के अनुसार सक्रिय उपयोगकर्ता 75 करोड़ हैं।

इनमें से आधे से ज्यादा लोग खबरें ऑनलाइन देखते हैं और 45 प्रतिशत का तो यह भी कहना है कि ऑनलाइन खबरें देखना ज्यादा लोकप्रिय है बजाय परंपरागत टी.वी. चैनलों के।

इस समय नैट का उपयोग करने वाले युवाओं में से कई अगले वर्ष वोट डालेंगे। ये मतदाता टी.वी. की खबरों से नहीं जुड़े रहते और न ही सुबह के अखबार की परवाह करते हैं।

युवाओं के इस वर्ग को राजनैतिक पार्टियां ऑनलाइन माध्यमों से लुभाना चाहती हैं। सामाजिक प्रभाव डालने वाले भी इस तरह के संयुक्त कार्यक्रमों में ज्यादा रुचि रखते हैं क्योंकि राजनेताओं के जीवन और कामकाज में रुचि के कारण इनके दर्शक ज्यादा होते हैं।

खबरों के अनुसार विभिन्न ऑनलाइन चैनलों पर जो मंत्री आए है उनमें शामिल हैं विदेश मंत्री एस. जयशंकर तथा परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी। केवल भाजपा के नेता ही नहीं बल्कि कांग्रेस के राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेता भी सोशल मीडिया पर सक्रिय हो रहे हैं।

2023 में राजस्थान में चुनाव होने वाले हैं और 26 जून को वहां की सरकार ने औपचारिक रूप से सोशल मीडिया ''इन्फ्लुएंसर्स'' के साथ संबंध स्थापित किए है। सरकार ने घोषणा की है कि उनकी पहुंच के अनुसार उन्हें 10 हजार से 5 लाख रूपए तक के विज्ञापन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

489 दिन जेल में रहे बाल अपराधी को सुप्रीम कोर्ट से राहत

- राजस्थान के इस मामले में बाल अपराधी पर पोक्सो एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत बलात्कार व अपहरण का मामला दर्ज था और वह वयस्कों की तरह 489 दिनों से जेल में था।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 जुलाई। एक युवक, जिसने अपनी प्रेयसी से उस समय शादी कर ली थी, जबकि तब दोनों ही नाबालिग थे, को लड़की के परिवार द्वारा दायर अपहरण एवं बलात्कार के केस में जमानत दे दी गई है। इस मामले में चार्जशीट 85 दिन में दी गई थी।

इस लड़के को 16 वर्ष की उम्र में इस लड़की से प्रेम हो गया था। उस समय दोनों ही भाग गये थे तथा उनका कहना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हनुमानगढ़ में बाढ़ का खतरा बना, प्रशासन ने कई गांवों को खाली कराया

हरियाणा के ओटू हैड से छोड़े जा रहे 25 हजार क्यूसेक पानी से हनुमानगढ़ जिले में बाढ़ का खतरा बना हुआ है

- जिला कलेक्टर व एस.पी. ने किया बहाव क्षेत्र का निरीक्षण, ग्रामीणों से राहत शिविरों में शिफ्ट होने के लिए समझाइश की

हनुमानगढ़, (निसं)। हिमाचल प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में पिछले दिनों हुई भारी बारिश के बाद घग्घर नदी उफान पर है। हरियाणा के ओटू हैड से छोड़े जा रहे 25 हजार क्यूसेक पानी से हनुमानगढ़ जिले में बाढ़ का खतरा बना हुआ है। इसको लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है।

घग्घर नदी के बहाव क्षेत्र के आसपास के गांव और शहरों में बाढ़ नियंत्रण टीमें निगरानी में जुटी है। हालांकि बारिश नहीं होने और हरियाणा राज्य में जगह-जगह घग्घर नदी टूटने के कारण ओटू हैड पर पानी की आवक कुछ कम हुई है। डायवर्जन के जरिए भी घग्घर नदी में प्रवाहित हो रहा कुछ पानी इंदिरा गांधी नहर परियोजना में छोड़ा जाएगा। घग्घर में पानी की अधिक आवक को देखते हुए जिला कलेक्टर रुक्मणि रियार सिहाग के नेतृत्व में जिले का प्रशासन हाई अलर्ट मोड पर है। सुरक्षा की दृष्टि से शनिवार को हनुमानगढ़, टिब्बी व पीलीबंगा में स्कूलों की छुट्टी रही। ओबीसी वित्त विकास आयोग के अध्यक्ष पवन गोदारा ने इंदिरा गांधी नहर की 629 आरडी में घग्घर साइफन पर जाकर मौके पर चल रहे काम का निरीक्षण किया।

ओटू हैड से छोड़े जाने वाले पानी की मात्रा लगातार बढ़ाए जाने से जिला प्रशासन और सतर्क हो गया। शुक्रवार शाम को 25 हजार क्यूसेक पानी छोड़ने की सूचना मिलने के बाद से ही प्रशासन की ओर से घग्घर नदी के बहाव क्षेत्र के गांव पन्नीवाली, पीरकामडिया, शेरेकां, कमरानी, अमरपुरा थेहड़ी, मक्कासर, करणीसर, सहजीपुरा, बहलोलनगर, सात व तीन एसएनएम, 23, 26 व 29 एसटीजी व आसपास के चकों को खाली करने को लेकर आदेश जारी कर दिए गए थे। इसके बाद देर रात तक खुद कलेक्टर रुक्मणि रियार सिहाग और एसपी सुधीर चौधरी ने घग्घर बहाव क्षेत्र के कई गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों से बाढ़ की आशंका के मद्देनजर अपने रिश्तेदारों अथवा प्रशासन की ओर से बनाए गए राहत शिविरों में शिफ्ट होने के लिए समझाइश की। इसके बाद घग्घर के निचले इलाकों के ग्रामीण सुरक्षित जगह पर चले गए।

शनिवार को भी कलेक्टर और एसपी के नेतृत्व में पूरा प्रशासन बाढ़ के संभावित खतरे को देखते हुए घग्घर बहाव क्षेत्र में सक्रिय रहा। कलेक्टर रुक्मणि रियार सिहाग और एसपी सुधीर चौधरी ने टिब्बी के शेरेकां क्षेत्र का निरीक्षण कर अधिकारियों व ग्रामीणों को उचित दिशा-निर्देश दिए। हालांकि इस समय गुल्लाचिक्का हैड पर पानी की मात्रा घटने से हनुमानगढ़ में बाढ़ का खतरा कम हो गया है। नदी में बह रही केली पानी के बहाव को कम कर रही है, जिससे परेशानी बढ़ रही है। हालांकि एक्सक्वेटर मशीन के जरिए इसे हटाने का काम किया जा रहा है। राजस्थान क्षेत्र में इस बार करीब 30 हजार क्यूसेक पानी की आवक की संभावना है, जबकि राजस्थान सरकार के पास करीब 20 से 25 हजार हजार क्यूसेक पानी का प्रबंधन करने की व्यवस्था है। इस स्थिति में बाढ़ के खतरे महसूस किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन ने सेना के तीन दलों को बुला लिया है।

ओबीसी वित्त विकास आयोग के अध्यक्ष पवन गोदारा ने इंदिरा गांधी नहर की 629 आरडी में घग्घर साइफन पर जाकर मौके पर चल रहे काम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वहां मौजूद अधिकारियों से स्थिति को जाना और राज्य सरकार की तरफ से किसी प्रकार की डिमांड के लिए बिना संकोच बताने की बात कही। मीडिया से रूबरू होते हुए पवन गोदारा ने बताया कि राज्य सरकार का साफ उद्देश्य है कि आमजन को किसी प्रकार की कोई हानि नहीं हो। उसको लेकर भरकस प्रयास किया जा रहा है। जिला प्रशासन लगातार काम करते हुए संभावित बाढ़ को लेकर हर कदम उठा रहा है। उन्होंने बताया कि हमारा प्रयास है कि अगर पानी ज्यादा बढ़ा तो इसे घग्घर साइफन के जरिए इंदिरा गांधी नहर में डाला जाएगा, जिससे आगे बाढ़ का खतरा कम हो जाए। इसके अलावा उन्होंने संवेदनशील इलाकों का दौरा करते हुए यहां रहने वाले लोगों से मुलाकात की और उनको हर संभव मदद की बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार आपके साथ खड़ी है।

फ्यूल सरचार्ज बढ़ने से उद्योगों पर तलवार लटकी

जोधपुर में कई इकाइयों में तो प्रोडक्शन 30 से 40 प्रतिशत तक गिर चुका है

- फ्यूल सरचार्ज के विरोध में 20 जुलाई को सड़क पर उतरेंगे उद्यमी
- बेरोजगारी का संकट बढ़ा

जोधपुर, (कासं)। बढ़ी हुई बिजली फ्यूल सरचार्ज की दरों के खिलाफ उद्यिमयों द्वारा 20 जुलाई को सभी जिला मुख्यालय पर धरना दिया जाएगा। बिजली के बिलों में पिछले तीन महीने से जोड़कर आ रहा बढ़ा हुआ फ्यूल सरचार्ज व्यापारियों और उद्यिमयों की परेशानी का कारण बन चुका है। कई इकाइयों में तो प्रोडक्शन 30 से 40 प्रतिशत तक गिर चुका है। हालात यह है कि कुछ लोगों पर तो बेरोजगारी का संकट तक आ गया है। अब इन्ही बढ़ी हुई दरों के खिलाफ उद्यमी सड़क पर उतरने का मन बना चुके हैं।

45 पैसे प्रति यूनिट तक वसूली :- तीन महीने पहले तक जो फ्यूल सरचार्ज उद्योग और व्यापार जगत से वसूल किया जा रहा था उसकी दर 7 से 10 पैसे प्रति यूनिट तक आ रही थी। लेकिन अब मार्च से लेकर जून तक जो फ्यूल सरचार्ज जुड़ा है उसकी दर 40 से 45 पैसे प्रति यूनिट तक आ रही है। जिससे कि व्यापारियों और उद्योग जगत पर भारी संकट आ गया है। एक उद्यमी ने बताया कि उसकी स्टील उद्योग की फैक्ट्री है। जिसका 10 महीने पहले फ्यूल सरचार्ज हर महीने करीब 26 से 30 हजार के बीच आता था। मार्च से यह फ्यूल सरचार्ज की राशि बढ़नी शुरू हुई अब जून महीने में यह राशि 1 लाख 65 हजार तक आई है यानि 5 गुना तक भर बढ़ा है। एसआरएम एलॉयज नाम की एक और फैक्ट्री है। पिछले साल मई और जून माह में 37 से 40 हजार के बीच फ्यूल सरचार्ज भर रहे थे। इस महीने में 2 लाख 70 का फ्यूल सरचार्ज जुड़ा है। यानि करीब 6 गुना।

बेरोजगारी की तलवार लटकी :- स्टील, टैक्स्टाइल, ग्वार गम और प्लास्टिक जैसी इकाइयों में सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ा है। कई ऐसे लेबर है जो कि कॉन्ट्रैक्ट पर काम करते हैं और उनको हर दिन और घंटे के हिसाब से मजदूरी दी जाती है। कई फैक्ट्रियों में प्रोडक्शन कार्यकाल कम करने के कारण अब इन पर बेरोजगारी का खतरा भी मंडरा रहा है।

प्रांत अध्यक्ष महावीर चोपड़ा ने बताया कि राजस्थान के सभी 33 जिलों और जोधपुर प्रांत के सभी जिलों में 20 जुलाई को उद्यमी इन बढ़ी हुई फ्यूल सरचार्ज दरों के खिलाफ धरना देंगे। सरकार को चेताया जाएगा कि यदि इन दरों में कमी नहीं की गई तो आने वाले दिनों में बड़ा आंदोलन खड़ा किया जाएगा।

लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय महामंत्री घनश्याम ओझा ने बताया कि बढ़े हुए फ्यूल सरचार्ज के कारण बिजली के बिल कई गुना तक बढ़ गए हैं। इसी कारण कई छोटी इकाइयां बुरी तरह से प्रभावित हुई है। हालात यह है कि 30 से 40 प्रतिशत प्रोडक्शन कम हुआ है। टैक्स्टाइल उद्यमी वरुण बताते हैं कि कई घंटे तक कामकाज बंद रखना पड़ रहा है। कई उद्यिमयों की यह समस्या आ रही है।

स्मैक के आदी पुत्र ने पिता को मौत के घाट उतारा

पुलिस ने मौके पर जाकर जांच की।

मालपुरा, (निसं)। टोडारायसिंह कस्बा निवासी एक स्मैक के आदी युवक ने पशु चराने जा रहे पिता पर लाठी का वार कर मौत के घाट उतार दिया।

मिली जानकारी में सामने आया कि, टोडारायसिंह कस्बा जैन मौहल्ला निवासी मन्ना देवी पत्नी सरदार गुर्जर ने रिपोर्ट में बताया कि रोजमर्रा की तरह उनके पति सरदार गुर्जर पशुओं को चराने के लिए जंगल की ओर निकले थे। बीच रास्ते में उसके पुत्र खुशीराम गुर्जर व पिता के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी व झगड़ा हो गया। गुस्साए बेटे खुशीराम ने लाठी से वार कर पिता को मौत के घाट उतार दिया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे डीवाईएसपी सुशील मान, टोडारायसिंह थानाधिकारी ने शव को पुलिस सुरक्षा में ले अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। मृतक की पत्नी ने बताया कि उसका बेटा खुशीराम जो कि स्मैक का आदी था। आये दिन माता-पिता के साथ झगड़ा व मारपीट करता था। शनिवार को किसी बात को लेकर हुई कहासुनी में बेटे ने पिता की निर्मम हत्या कर दी। कलयुगी बेटे द्वारा किये गये इस जघन्य अपराध को लेकर शहर में कौतूहल मच गया। वारदात के बाद आरोपी बेटा मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मृतक की पत्नी की ओर से मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश करते हुए देर शाम तक आरोपी बेटे को डिटेन कर पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया।

विधायक देवनानी ने सड़क शिलान्यास कार्यक्रम का बहिष्कार कर धरना दिया

देवनानी के साथ धरने में सड़क हादसे में घायल हुए लोग भी शामिल हुए

अजमेर, (कासं)। पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री और अजमेर उत्तर विधायक वासुदेव देवनानी ने शनिवार को सभी निकाय क्षेत्रों में 1528 करोड़ के सड़क निर्माण कार्य के शिलान्यास कार्यक्रम का बहिष्कार करते हुए सरकार पर झूठे आश्वासन और दिखावटी बजट के सहारे जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। देवनानी ने रीट दफ्तर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल ना होकर पंचोली चौराहे पर टूटी सड़कों के खिलाफ स्थानीय पार्षद के साथ धरना दिया।

देवनानी ने आरोप लगाया कि सरकार पिछले दो वित्तीय वर्ष में स्वीकृत सड़क को तो बना नहीं सकी और अब इस वित्तीय वर्ष में सड़कों के शिलान्यास कर चुनावी फायदा लेना चाह रही है। देवनानी ने कहा कि इससे बेहतर होता मुख्यमंत्री पहले के बजट में स्वीकृत सड़कों के निर्माण कार्य का धरातल पर फीडबैक लेते। देवनानी ने आरोप लगाया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में पंचोली चौराहे से बाडी नदी पुलिया तक के सड़क निर्माण के लिए 24 लाख रुपए की वित्तीय स्वीकृति जारी होने के बाद भी काम शुरू नहीं हुआ जिसके कारण सड़क पर बड़े बड़े गड्डे हो गए। बारिश के मौसम में यह गड्डे जानलेवा साबित हो रहे हैं। इन गड्ढों के चलते सड़क हादसे में लोगों के हाथ और पैर फ्रैक्चर हो गए हैं। लेकिन नकारा अफसरों के झूठे आश्वासन के आगे जनता बेबस साबित हो रही है। उन्होंने ये भी बताया कि बजट घोषणा वर्ष 2021-22 सड़क झूलेलाल मंदिर से चौरसियावास तालाब तक बनने वाली 1.5 किमी सड़क जिसको अभी तक शुरू नहीं किया। वार्ड 65 पुलिस लाइन से चौराहे से शास्त्री नगर चुंगी चौकी तक पेवर सड़क निर्माण अभी तक अधूरा पड़ा है। फायसागर पुलिस चौकी से फायसागर तक पेवर सड़क जिसके लिए 3 करोड़ 80 लाख की राशि स्वीकृत हुई थी इस सड़क का भी 300 मीटर का टुकड़ा जो टेलीफोन एक्सचेंज चौराहे के पास आज तक अधूरा पड़ा है। सार्वजनिक विभाग के पास जो भी शहर की प्रमुख सड़के है वो सभी खुदी पड़ी और बड़े-बड़े गड़े हो रखे है ।

अजमेर उत्तर विधायक वासुदेव देवनानी ने स्थानीय पार्षद के साथ धरना दिया।

देवनानी ने मुख्यमंत्री गहलोत पर जनप्रतिनिधियों के हकों को भी मारने का आरोप लगाते हुए कहा कि सड़कों के शिलान्यास अमूमन स्थानीय जनप्रतिनिधि करते है क्योंकि उनकी अनुशंसा पर ही स्वीकृति मिलती है। लेकिन मुख्यमंत्री चुनावी साल में सामान्य परंपराओं को भी दरकिनार कर खुद ही श्रेय लेने की होड़ में ऐसे कार्यक्रम कर रहे है। देवनानी ने आरोप लगाया कि सरकार जनता के दुखो पर मरहम लगाने की बजाय इस तरह के बरगलाने वाले कार्यक्रमों के जरिए उल्टा नमक मिर्च लगा रही है। देवनानी के साथ धरने में सड़क हादसे में घायल हुए लोग भी शामिल हुए और स्थानीय पार्षद ज्ञान सारस्वत ने सड़क पर जहां-जहां गड्डे हैं वहां गमला रखकर विरोध प्रदर्शन किया और जल्द सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं होने पर आंदोलन को और तेज करने की चेतावनी दी है। देवनानी के साथ पार्षद ज्ञान चंद सारस्वत, दिनेश खटाना, तारा रावत आदि भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय निवासी सहभागी बने।

सहायक प्रशासनिक अधिकारी ने फांसी लगाई

भीलवाड़ा, (निसं)। विशिष्ट लोक अभियोजक (अनुसुचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण) ऑफिस के सहायक प्रशासनिक अधिकारी कुलदीप सिंह चुंडावत ने अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली।

चुंडावत ने यह कदम किन कारणों के चलते उठाया, इसकी जांच पुलिस कर रही है। प्रताप नगर थाना पुलिस ने बताया कि मूलतया दौलतगढ़ हाल मेड़तवाल भवन के पास जवाहरनगर निवासी कुलदीप सिंह पुत्र स्व. उदयसिंह चुंडावत (पुलिस अधिकारी) ने बीती रात अपने ही मकान के कमरे में गले में फंदा डाला और पंखे से झूल गया। कुलदीप सिंह, अपनी मां के साथ यहां रह रहा था।

शनिवार सुबह मां को घटना का पता चला तो चीत्कार फूट पड़ी। आस-पास के लोग वहां पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस ज़ाब्ता मौके पर पहुंचा और शव को फंदे से उतरवाकर कब्जे में लिया। पुलिस का कहना है कि अभी खुदकुशी के कारण सामने नहीं आये है। उधर, कुलदीप सिंह के नजदीकी लोगों के अनुसार, करीब दस साल पहले कुलदीप सिंह को पिता के निधन के बाद अनुकंपात्मक नौकरी मिली थी। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

मालगाड़ी के दो डिब्बे पटरी से उतरे

फुलेरा, (निसं)। जयपुर रेल मण्डल के जयपुर से अजमेर जाने वाले रेलवे रूट पर शनिवार को मालगाड़ी के दो डिब्बे पटरी से उतरने का मामला सामने आया है। पटरी से डिब्बे उतरने के बाद रेलवे विभाग हरकत में आ गया। आसलपुर जोबनेर और हिरनोदा स्टेशन के बीच यह घटना है। जयपुर से फुलेरा की तरफ शनिवार सुबह मालगाड़ी जा रही थी, तभी आसलपुर जोबनेर और हिरनोदा स्टेशन के बीच गुढ़ा फाटक के पास मालगाड़ी के डिब्बे पटरी से उतर गए। ये मालगाड़ी खाली थी इस पर कोई भी कंटेनर या डिब्बा मौजूद नहीं था। जोबनेर में आसलपुर स्टेशन पर हुई इस घटना के बाद इस रूट से गुजरने वाली 7 ट्रेनों को रद्द किया गया।

राज. वन सेवा के अधिकारी को कार्य मुक्त नहीं करने का आदेश

- उच्च न्यायालय की एकलपीठ के न्यायाधीश ने आदेश पारित किया

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय की एकलपीठ के न्यायाधीश अरूण भंसाली ने राजस्थान वन सेवा के अधिकारी का कार्यमुक्त नही करने का अंतरिम आदेश पारित किया।

ज्ञानचंद जो राजस्थान वन सेवा के अधिकारी है वर्तमान में वर्ष 2019 से वो उप वन सरंक्षक नागौर के पद पर पदस्थापित है। विभाग के आदेश दिनांक 4 को दिसंबर 2019 को ज्ञानचंद का पदस्थापन उप वन संरक्षक नागौर के पद पर हुआ व इसी क्रम में उन्होने दिनांक 9 दिसंबर 2019 को कार्यग्रहण कर लिया। इनके कार्यग्रहण के पश्चात् 20 जून 2023 के आदेश से उनके स्थान पर किसी अन्य भारतीय वन सेवा अधिकारी का स्थांनातरण कर दिया गया। मगर प्रार्थी को कहीं पर भी पदस्थापन नहीं किया गया। विभाग के इस कृत्य से व्यथित होकर प्रार्थी ने उच्च न्यायालय के समक्ष एक रिट याचिका प्रस्तुत की। प्रार्थी के अधिवक्ता प्रमेन्द्र बोहरा का न्यायालय के समक्ष यह तर्क था कि प्रथमतया प्रार्थी उप वन संरक्षक नागौर के पद पर वर्ष 2019 से निर्बाध रूप से कार्य कर रहा है। प्रार्थी का वर्तमान स्थान पर कार्यरत होने के बावजूद व प्रार्थी का कहीं भी स्थानांतरण नहीं करने के बावजूद अन्य का स्थानांतरण आदेश प्रार्थी के स्थान पर कर दिया गया। प्रार्थी के अधिवक्ता का आगे यह तर्क था कि मार्च 2024 में प्रार्थी सेवानिवृत भी होने वाला है तथा उसका कही भी स्थानान्तरण नहीं किया गया है।

प्रार्थी के अधिवक्ता के तर्कों से सहमत होते हुए उच्च न्यायालय ने प्रार्थी की रिट याचिका को अंतरिम रूप से ग्राहय करते हुये मुख्य वन संरक्षक व सचिव, वन विभाग तथा सह सचिव कार्मिक विभाग को नोटिस जारी करते हुए विभाग के आदेश 20 जून 2023 के अनुसरण मे प्रार्थी को कार्यमुक्त नहीं करने का आदेश पारित किया।

शराब सहित एक पकड़ा

कोटपूतली, (निसं)। पनियाला थाना पुलिस ने हरियाणा निर्मित अवैध देशी शराब के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। एसएचओ लक्ष्मीनारायण ने बताया कि पुलिस टीम ने कृष्ण कुमार को कंधे पर कट्टा रखकर पैदल आते देखा तो उसके पास कट्टे में नौ बोतल अवैध देशी शराब की पाई गई।

राजस्थान सरकार वन विभाग

कमांक प.1 (46) वन/2023 जयपुर दिनांक

प्रधान मुख्य वन संरक्षक (HoFF)
राजस्थान, जयपुर

विषय: Diversion of 0.1494 ha of forest land for permission for laying Underground OFC in ROW of existing road from Gudla to Karauli from Lat/ long point 26°33' 34.235" N 77°1' 25.772"E to 26°31' 29.409" N 77°1' 3.304" E, total length of 5.62 KM and total area 0.2531 ha (length and area in Forest is 03.32 KM & 0.1494 ha & Length & area in Non-Forest is 2.30 KM & 0.1037 ha) along PWD (Proposal No.: FP/RJ/OFC/44022/2020)

संदर्भ:- आपका पत्रांक एफ 14 (380/35) 2020/एफसीए/प्रमुवस/3460 दिनांक 18.10.2022 ऑन लाईन प्रस्ताव सख्यां FP/RJ/OFC/44022/2020

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत संदर्भित प्रस्ताव में जियो डिजिटल फाइबर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा वन संरक्षण अधिनियम 1980 के अन्तर्गत सामान्य स्वीकृति के तहत धारा-2 में जिला करौली Existing road from Gudla to Karauli हेतु भूमिगत ऑप्टिकल फाइबर केबल लाईन बिछाने बाबत कुल 0.1494 है. वन भूमि प्रत्यावर्तन की स्वीकृति चाही गई है। नोडल अधिकारी वन संरक्षण अधिनियम द्वारा प्रस्तुत किये गये प्रस्ताव पर विचारोपरान्त प्रस्ताव पर वन संरक्षक अधिनियम 1980 के अन्तर्गत धारा-2 में सामान्य स्वीकृति बाबत जारी दिशा निर्देशों के परिपेक्ष्य में Diversion of 0.1494 ha of forest land for permission for laying Underground OFC in ROW of existing road from Gudla to Karauli from Lat/ long point 26°33' 34.235" N 77°1' 25.772"E to 26°31' 29.409" N 77°1' 3.304" E, total length of 5.62 KM and total area 0.2531 ha (length and area in Forest is 03.32 KM & 0.1494 ha & Length & area in Non-Forest is 2.30 KM & 0.1037 ha) along PWD (Proposal No.: FP/RJ/OFC/44022/2020) की सैद्धान्तिक स्वीकृति बिना किसी वृक्ष के पातन सहित निम्न शर्तो के अध्यधीन प्रदान करती है:

1. वन भूमि की वैधानिक स्थिति में कोई परिवर्तन नही होगा।
2. प्रत्यावर्तित वन भूमि का उपयोग किसी अन्य प्रयोजन के लिये नही किया जावेगा।
3. याचक विभाग द्वारा परियोजना के निर्माण एवं रख रखाव के दौरान आस-पास के क्षेत्र की वनस्पतियों एवं जीव जन्तुओं को किसी प्रकार की क्षति नही पहुचाई जावेगी एवं उनकें संरक्षण हेतु समस्त उपाय किये जावेगें।
4. प्रत्यावर्तित क्षेत्र में रोपित किये जाने वाले को वृक्षों वनविभाग की बिना पुर्वानुमति के नही काटा जावे। उक्त क्षेत्र में रोपित पेड परिपक्व होने पर, वन विभाग के होगें।
5. प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा प्रस्तावित स्थल/वन क्षेत्र के आस-पास मजदुरों/स्टाफ के लिए किसी भी प्रकार का कैंप नहीं लगाया जावेगा।
6. प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा निर्माण कार्य के दौरान स्थल पर कार्यरत मजदूरों/स्टाफ को रसोई गैस/ केरोसिन तेल आपूर्ति की जावेगी, ताकि निकट वर्ती वनों को क्षति न हो।
7. प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा प्रस्तावित वनभूमि के अतिरिक्त आस-पास की वनभूमि से/पर निर्माण कार्य के दौरान मिट्टी/ पत्थर काटने या भरने का कार्य नहीं किया जावेगा।
8. प्रयोक्ता अभिकरण वर्तमान एवं भविष्य में योजना पर लागू सभी नियम, कानून तथा दिशा निर्देशो का पालन करेगा।
9. प्रयोक्ता अभिकरण, सैद्धान्तिक स्वीकृति की पालना के साथ एफ.आर.ए. सर्टिफिकेट प्रस्तुत करावेगा। तदोपरान्त ही विधिवत स्वीकृति पर विचार किया जावेगा।
10. राज्य सरकार द्वारा दी गई इस अनुमति का प्रबोधन संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय, वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया जा सकेगा।
11. भारत सरकार के पत्रांक 7-23/2012/एफसी दि.24.07.2013 से माननीय ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा दि.7.11.2012 को पारित निर्णय की पालना प्रकरण में सुनिश्चित की जावें तथा प्रकरण में जारी स्वीकृति को यूजर एजेंसी हिन्दी व अंग्रेजी में प्रकाशित होने वाले एक-एक समाचार पत्र में अक्षरश: प्रकाशित करावें एवं जारी स्वीकृति की प्रतियां स्थानीय निकाय पंचायत एवं नगर पालिका के राजकीय अधिकारीयों को स्वीकृति प्राप्ति के 30 दिन के अन्दर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
12. भारत सरकार के आदेश कमांक एफसी-11/165/2019-एफसी दिनांक 27.07.2020 में दिये गये दिशा-निर्देशों की अनुपालना करें।

भवदीया, (मोनाली सेन) विशेषाधिकारी, वन

प्रेमी ही निकला प्रेमिका का हत्यारा, आरोपी प्रेमी गिरफ्तार

राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा का धरना समाप्त, शव परिजनों को किया सुपुर्द, पिता को भी हिरासत में लिया

- भाजपा की ओर से पीड़िता के परिवार को 20 लाख की आर्थिक सहायता देने की घोषणा
- जिला कलेक्टर ने राज्य सरकार की ओर से आर्थिक सहायता का आश्वासन दिया

हिण्डौन सिटी/करौली, (निसं)। गत तीन दिन पहले कुएं में पड़ी मिली युवती के शव के मामले का पुलिस ने शनिवार को खुलासा कर दिया है। जिसमें प्रेमी ही अपनी प्रेमिका का हत्यारा निकला। पुलिस ने हत्यारे प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है और घटना को अंजाम देने में सहयोग करने का अंदेशा होने के चलते आरोपी के पिता को भी हिरासत में लिया है। पुलिस दोनों से कड़ी पूछताछ करने में जुटी है। जब पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया तो शनिवार शाम को धरना समाप्त हो गया और तीन दिन से मोर्चरी में रखे हुए युवती के शव को परिजनों को सुपुर्द कर दिया। पुलिस की सुरक्षा में मृतक युवती का अंतिम संस्कार करवाया गया।

जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता ने बताया कि मृतक युवती और आरोपी गोलू मीना एक दूसरे से प्रेम करते थे और दोनों में खूब बातचीत होती थी। 11 और 12 जुलाई की रात्रि करीब एक बजे गोलू मीणा युवती को उसके घर से भीलापाड़ा गांव में स्थित अपने पिता के एक मकान पर लेकर गया। जहां दोनों के बीच शादी को लेकर आपस में झगड़ा हुआ। बताया जाता है कि युवती की शादी परिजनों ने कहीं कर दी थी जिससे युवती खुश नहीं थी। वह गोलू से ही शादी करना चाहती थी, लेकिन शायद गोलू ऐसा नहीं चाहता था। जिसके बाद आरोपी गोलू मीणा ने देसी कट्टे से गोली चलाकर युवती की हत्या कर दी और शव को गांव के ही एक कुएं में फेंक दिया। आरोप लग रहे हैं कि इस दौरान युवती के साथ दुष्कर्म भी किया गया तथा उसके चेहरे पर पहचान छिपाने के लिए तेजाब भी डाल दिया। हालांकि इन दोनों मामलों का खुलासा एफएसएल की रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

आरोप है कि जब परिवार जनों को सुबह युवती घर में नहीं मिली तो परिजन थाने पहुंचे लेकिन पुलिस ने उनकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की। 12 जुलाई को ग्रामीणों ने को जब कुएं में शव पड़ा होने की जानकारी मिली तो इसकी सूचना नादौती थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने युवती के शव को बाहर निकलवा कर हिंडौन के जिला अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाया। मामले की जानकारी जब राज्यसभा सांसद डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा को लगी तो वह हिंडोन पहुंच गए तथा भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मोर्चरी के बाहर धरने पर बैठ गए। सांसद किरोड़ी मीणा ने आरोप लगाया कि दलित युवती को बदमाशों ने अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म किया तथा गोली मारकर हत्या करने के बाद उस पर एसिड फेंक दिया और शव को कुएं में डाल दिया। उन्होंने पुलिस पर पीड़ित परिवार की सुनवाई नहीं करने के भी आरोप लगाए। मामले में तब तक कोई भी गिरफ्तारी नहीं हुई थी। जिससे नाराज होकर सांसद किरोड़ी मीणा ने कार्यकर्ताओं के साथ धरना शुरू कर दिया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की सरकार पर भी खूब आरोप लगाए। दूसरे दिन राजनीति और तेज हुई तथा राजसमंद सांसद दीया कुमारी भरतपुर सांसद रंजीता कोली एवं राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा हिंडौन पहुंची तथा धरने में शामिल हुई। भाजपा के धरने को देखकर बहुजन समाज पार्टी के राजस्थान प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद रामजी गौतम बसपा प्रदेश अध्यक्ष भी हिंडोन पहुंचे तथा कार्यकर्ताओं के साथ अस्पताल परिसर में अलग टेंट लगाकर धरने पर बैठ गए। आम आदमी पार्टी के नेता भी अस्पताल परिसर में अलग टेंट लगाकर धरने पर बैठ गए तथा भाजपा कांग्रेस को कोसने लगे। सभी की एक ही मांग थी कि आरोपियों की गिरफ्तारी हो, पीड़ित परिवार को मुआवजा और नौकरी मिले तथा दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्यवाही हो। सहमति नहीं बनने के कारण बसपा और आम आदमी पार्टी के धरने शुक्रवार शाम को खत्म हो गए लेकिन भाजपा सांसद किरोड़ी लाल मीणा का धरना लगातार जारी रहा। शनिवार को सुबह टोडाभीम से कांग्रेस विधायक पी आर मीणा व अन्य कांग्रेस नेता सांसद किरोड़ी मीणा के धरने में पहुंचे तथा धरना समाप्त करने का अनुरोध किया। लेकिन सांसद किरोड़ी नहीं माने और उन्हें वापस भेज दिया। इसके बाद शनिवार दोपहर बारह बजे भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राजस्थान प्रभारी अरुण सिंह भी हिंडौन पहुंचे तथा घटना की जानकारी लेकर सांसद किरोड़ी मीणा के धरने में शामिल हुए। उन्होंने राजस्थान की कांग्रेस सरकार पर जमकर आरोप लगाए।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर पिता को हिरासत में लिया।

इसी दौरान खबर आई कि पुलिस ने घटना के मुख्य आरोपी गोलू मीणा को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में मुख्य आरोपी प्रभाकर चेन सिंह उर्फ गोलू मीना (20) और सहयोगी पिता अमर सिंह उर्फ नैहना मीना को गिरफ्तार किया है। एसपी ममता गुप्ता ने घटना का खुलासा किया तो मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा हुआ भी निकला। आरोपी की गिरफ्तारी होने के बाद पुलिस प्रशासन ने सांसद किरोड़ी लाल मीणा व मृतका के परिजनों से बातचीत कर समझाइश की तब कुछ सहमति बनी। भाजपा की ओर से की जा रही पहली मांग आरोपी की गिरफ्तारी पूरी हो गई। पीड़ित परिवार को सरकार की ओर से पांच लाख रुपए के मुआवजे की जिला कलेक्टर ने घोषणा कर दी तथा संविदा पर नौकरी वह अन्य मांग भी पूरी करने का आश्वासन दिया। भाजपा भी पीड़ित परिवार को 20 लाख रुपये की सहायता देगी। उसके बाद परिजन शव लेने को और सांसद किरोड़ी मीणा धरना समाप्त करने के लिए तैयार हुए। कड़ी सुरक्षा के बीच शव परिजनों को सुपुर्द कर गांव पहुंचाया गया। जहां उसका अंतिम संस्कार किया गया। जिसके बाद पुलिस और प्रशासन ने राहत की सांस ली।

सार-समाचार

कूरियर डिलीवरी बॉय माल लेकर फरार

अजमेर, (कासं)। ऑनलाइन शॉपिंग कूरियर कंपनी का डिलीवरी बॉय सात लाख रुपए का माल लेकर फरार होने का मामला सामने आया है। कंपनी के प्रतिनिधि ने गंज थाने में कूरियर डिलीवरी बॉय के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अजमेर के गंज थाना क्षेत्र में संचालित ऑनलाइन शॉपिंग कंपनी के ग्राहकों तक उनका सामान पहुंचाने वाली इंस्टाकार्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड फर्म का डीलिवरी बॉय करीब सात लाख रुपए कीमत का सामान लेकर फरार हो गया। कोरियर कंपनी के अधिकारी संदीप जायसवाल ने गंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपी अलवर निवासी चेतराम मीणा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गंज थाना पुलिस के अनुसार कंपनी अधिकारी संदीप जायसवाल ने बताया कि मेसर्स इंस्टाकार्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड एक लॉजिस्टिक कंपनी है, जो रसद भंडारण परिवहन और सभी प्रकार की परिवहन सेवाओं के संचालन और कूरियर के व्यवसाय में कार्यरत है। कंपनी ग्राहकों तक उनका माल पहुंचाती है। अभियुक्त डिलिवरी बॉय चेतराम मीणा को ग्राहकों तक सामान पहुंचाने का काम सौंपा गया था। उसने 21 जनवरी से 18 फरवरी तक काम किया। 18 फरवरी को चेतराम मीणा बैग पटक कर यह कहते हुए चला गया कि उसके भाई का एक्सीडेंट हुआ है। बाद में उसके बैग की सामग्री की जांच की गई तो पता चला कि वह 7 लाख 44 हजार 320 रुपए कीमत का सामान लेकर भाग गया। जांच के माध्यम से यह पता चला कि अभियुक्त चेतराम सामान की चोरी कर रहा था। उसने ने अपना मोबाइल फोन भी बंद कर दिया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

शिलालेख हटाने के निर्देश जारी

अजमेर, (कासं)। अजमेर स्थित रीट कार्यालय में राजस्थान के लोकप्रिय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा 1528 करोड़ की लागत से 2642 वी.सी द्वारा प्रदेश की नगरीय सड़कों का शिलान्यास किया गया, लेकिन गत दिनों द्रौपदी कोली नेता प्रतिपक्ष नगर निगम अजमेर व अजमेर दक्षिण विधायक का अनिता भदेल के बीच शिलालेख को लेकर तीखी नोकजोक हुईं थी, क्योंकि विधायक द्वारा स्वयं के नाम व भाजपा पदाधिकारियों के अंकित नाम का शिलालेख जबरदस्ती लगवाया था, जिसमें मुख्यमंत्री गहलोत का नाम तक नहीं लिखा गया और स्पष्ट कहा गया कि शिलालेख हमारे द्वारा लगना थो जो लगा दिया गया है, अब कोई हटाकर बताए। इसी के चलते द्रौपदी कोली का विरोध जायज था, इसे राज. सरकार ने माना और इस योजना के अंतर्गत पूर्व में बनी सडको जिनका पहले शिलान्यास किया जा चुका है, उन पर लगे शिलालेख को बदलने के लिए अधिकारियों को निर्देश जारी किए गये है। नगर निगम अजमेर में नेता प्रतिपक्ष द्रोपदी कोली की मेहनत रंग लाई- मुख्यमंत्री योजना के अंतर्गत बनने वाली सड़को पर अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल द्वारा सिर्फ अपने नाम का शिलालेख लगा कर वाह वाही लूटने मामले मे निगम मे नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस द्रोपदी कोली द्वारा जयपुर शिकायत के बाद पीडब्ल्यूडी अजमेर विभाग तुरंत हरकत में आया तथा अजमेर दक्षिण मे लगे कई बोर्ड पीडब्ल्यूडी के एईएन द्वारा पुलिस कर्मियों के साथ उतरवाए जा रहे है।

बालाजी मंदिर में कार्यक्रम आयोजित

शाहपुरा, (नि.सं.)। शनिवार को धाकड़ मोहल्ला सिंचाई विभाग के पास बालाजी मंदिर में भगवान शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा समारोह आयोजित हुआ। प्रातः गाजेबाजो के साथ भगवान की शोभायात्रा के साथ कलश यात्रा निकाली गई। मनोज भाटी ने जानकारी देते हुए बताया कि धाकड़ मोहल्लावासियों के सहयोग से पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चारण कर मंदिर में भगवान शिव, माता पार्वती, गणेश, कार्तिकेय एवं नन्दी की प्रतिमा स्थापित की। इस मौके पर हवन व विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान हुए। समारोह की पूर्व संध्या पर शाहपुरा श्याम भजन मंडली के भजन कलाकार भगवान गोस्वामी, मनोज भाटी, पंकज धूपड़, शंकर धाकड़, शुभम पोरवाल, लाल चंद पाराशर, अजय चितलांगिया, राघव प्रताप सिंह द्वारा भजन संध्या आयोजित हुई।इस मौके पर श्याम सुंदर भाटी, रमेश धाकड़, रामलाल धाकड़, निर्मल भाटी, रमेश सिंधी, परमानंद भाटी सहित मोहल्लेवासी उपस्थित थे।

प्रदोष पर सहस्त्र धारा महोत्सव

अजमेर, (कासं)। श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की प्रदोष और शिवरात्रि शनिवार के पावन अवसर पर आज अजमेर शहर के शिवालयों में शिव भक्तों ने उत्साह और उमंग के साथ भोले बाबा की विशेष पूजा अर्चना कर अभिषेक किया। श्री जागेश्वर महादेव मंदिर घी मंडी नया बाजार पर सहस्त्रधारा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिवपूजन सहस्त्र जलधारा श्रृंगार एवं आरती के बाद प्रसाद वितरित किया गया। विशेष पूजा अर्चना एवं सहस्त्रधारा आचार्य चंद्र स्वरूप एवं पंडित सुनील दाधीच के सानिध्य में की गई। इस अवसर पर महात्मा गांधी जीवन दर्शन समिति अजमेर के संयोजक एवं पूर्व विधायक डॉ श्री गोपाल बाहेती जवाहर फाउंडेशन के प्रभारी शिव कुमार बंसल, उमेश शर्मा, सुरेश सोनी, मंदिर समिति के राजेश मिश्रा, गोविंद नारायण कुचीलिया, ललित डीडवानिया, अजय अग्रवाल, विजय सोनी, संदीप गोयल, प्रेमचंद गर्ग सहित कई जने उपस्थित थे।

परबतसर क्षेत्र में सड़कों का शिलान्यास

परबतसर, (निस) मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा बजट घोषणा में स्वीकृत नगरपालिका क्षेत्र परबतसर की सड़कों का शिलान्यास कार्यक्रम विडियो कांफ्रेंस के माध्यम किया गया। कार्यक्रम के लाईव प्रसारण को लेकर पंचायत समिति सभागार में एलडी के माध्यम में शिलान्यास कार्यक्रम में परबतसर से एसडीएम बलवीर सिंह जाट , पीडब्ल्यूडी एक्सईएन आरसी भट्ट , पार्षद लोकेश कुमार मालाकार, मनोनित पार्षद अणदाराम चोयल, रईस खान तथा प्रधान प्रतिनिधि ओमप्रकाश मुण्डवाडिया सहित अन्य लोग शामिल हुए। इस दौरान कार्यक्रम में नगरपालिका से कनिष्ठ सहायक, गणपत आचरा , मूलचंद सहित अन्य जन मौजूद रहे, लेकिन मुख्यमंत्री बजट घोषणा के तहत विडियो कांफ्रेंस कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष ओमप्रकाश सेन तथा ईओ पिन्टु लाल जाट सहित कांग्रेस के अधिकतर पार्षद नदारद रहे।

नाबालिग को भगा ले जाने का मामला

परबतसर, (निस)। नाबालिग को बहला फुसलाकर भगा ले जाने का मामला स्थानीय थाने में दर्ज हुआ है । थानाधिकारी विनोदकुमार ने बताया कि थाना इलाके के एक गांव के व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि मेरी पुत्री जो नाबालिग है और कक्षा 12 में पढ़ाई करती है । शुक्रवार दोपहर 3 से 4 के बीच घर पर थी जिसे हुलढाणी निवासी जितेंद्र सिंह पुत्र रामसिंह बहला फुसलाकर शादी करने व दुष्कर्म करने की नियत से भगा ले गया । मेरी पुत्री घर से अपने पढ़ाई के कागजात सहित तीस हजार रुपये व गहने भी साथ ले गई । मुजरिम द्वारा मेरी नाबालिग पुत्री से शादी व दुष्कर्म करने की नियत से अपहरण कर लिया है । पुलिस ने एससी एसटी एक्ट सहित पोक्सो में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है । जांच मकराना पुलिस उप अधीक्षक भवानी सिंह शेखावत कर रहे हैं।

11 फीट रुद्राक्ष शिवलिंग बनाया

डीडवाना, (नि.सं.)। डीडवाना उपखंड में श्री सत्यानंद अर्चना सेवा ट्रस्ट द्वारा आज शिव दुर्गा मन्दिर में 11फीट रुद्राक्ष शिवलिंग का निर्माण करके 10 दिन तक रुद्राभिषेक का कार्यक्रम किया गया। आरती भागवत कथा का आयोजन रखा गया है। साथ ही महिलाओ द्वारा शोभायात्रा निकाली गई। यह कलश यात्रा भाटी बास काली माता मन्दिर से प्रारंभ होते हुए शहर के मुख्य बास टीबा बास मोहन दास बास सिंघी बास से शिव दुर्गा मन्दिर पहुंची। कलश यात्रा में महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। सत्यानंद स्वरूपानंद जी महाराज जी बताया की यह परिकल्पना मेरे गुरु अर्चना पुरी जी महाराज की प्रेरणा से आई। इसकी मुख्य भूमिका गुजरात के भाई पान चंदू भाई शुक्ल ने परियोजना बनाई। साथ ही समाज के लोगों द्वारा 11 फीट शिवलिंग का निर्माण करके 10 दिन रुद्राभिषेक का कार्यक्रम चलेगा। साथ ही भागवत कथा का आयोजन किया गया है।

उच्च मा. विद्यालय में अबेकस शिविर

मदनगंज-किशनगढ़, (निस)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में छात्र छात्राओं के लिए नयी तकनीकी से गणित को समझाने के लिए अबेकस शिविर लगाया। प्रधानाचार्य मीनाक्षी टाक व प्रशिक्षिका पल्लवी राहुल खंडेलवाल ने बताया कि मेघा अभिषेक बंसल के सौजन्य से आयोजित शिविर में कक्षा एक से पांच तक के बच्चों को प्रशिक्षण दिया गया। बेहतरीन तकनीक से सभी बच्चों ने गणित के सभी समाधान पलभर में हल करना सीख लिया। प्रशिक्षण सामग्री भी मेघा अभिषेक बंसल द्वारा उपलब्ध कराई गई। प्रत्येक शनिवार विभिन्न विद्यालयों में ऐसे शिविर निरंतर लगाये जायेंगे, ताकि स्कूली बच्चे परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त कर सके।

वैशालीनगर स्थानक में जैन रामायण का वाचन किया

अजमेर, (कासं)। युद्ध जीत लेने वाला विजेता नहीं होता है बल्कि वास्तविक विजेता तो वह होता है जो अपने कषायों व इन्द्रियों पर विजय प्राप्त कर लेता है। यदि हम अपना यह भव व आगे के भव सुधारना चाहते है तो हमारा लक्ष्य सांसारिक लड़ाईयां जीतना नहीं बल्कि अपने कषायों व इन्द्रियों पर विजय प्राप्त करना होना चाहिए। ये विचार शनिवार को अजमेर में श्री जैन श्वेताम्बर संस्था पार्श्वनाथ कॉलोनी, वैशालीनगर के तत्वावधान में आयोजित धर्मसभा में दादा गुरूदेव मरूधर केसरी मिश्रीमल म.सा., प्रवर्तक गुरूदेव सुकन मुनि म.सा. के आज्ञानुवर्ती सेवारत्न हरीश मुनि म.सा. ने जैन रामायण का वाचन करते हुए व्यक्त किए।

युवा तपस्वी मुकेश मुनिजी म.सा के सान्निध्य में आयोजित धर्मसभा में हरीशमुनि ने बताया कि किस तरह रावण, कुंभकर्ण व विभीषण लंका का राज पाने के लिए वहां के राजा वैश्रमण पर चढ़ाई कर देते है। इस युद्ध में भारी नरसंहार होता है। वैश्रमण देखता है तो उसे लगता है कि मेरे एक राज्य के कारण इतना बड़ा नरसंहार हो रहा है। इससे उसके भाव परिवर्तन हो जाते है और वह शस्त्र रख संयम की राह पर चलने की तैयारी करते है। ये देख रावण भी शस्त्र रख देता है व उसके पास आकर बोलता है कि आप हारकर भी जीत गए है।

कषायों व इन्द्रियों को जीत लेना ही सच्ची जीत है। धर्मसभा में मधुर व्याख्यानी श्री हितेश मुनिजी म.सा. ने जैन दर्शन के आधार 32 आगमों में से एक सुखविपाक सूत्र का वाचन करते हुए बताया किस तरह सुबाहुकुमार को पता चलता है कि उनके नगर के बाहर वाले बाग में वीर प्रभु महावीर पधारे है ओर पूरा नगर उनको सुनने जा रहा है। जिज्ञासावश सुबाहुकुमार भी वहां जाते है जहां परमात्मा प्रभु महावीर का समोवशरण लगा होता है।

धर्मसभा में युवा रत्न श्री नानेश मुनिजी म.सा. का भी सान्निध्य मिला। धर्मसभा में कई श्रावक-श्राविकाओं ने उपवास, एकासन, आयम्बिल आदि के प्रत्याख्यान भी लिए। धर्मसभा में पधारे अतिथि पत्रकार राजेन्द्र पोखरना का स्वागत श्रीसंघ द्वारा किया गया। संचालन श्रीसंघ के सचिव डॉ. पीएम जैन (डोसी) ने किया।

विश्व प्लास्टिक सर्जरी दिवस का समारोह आयोजित

अजमेर, (कासं)। प्लास्टिक सर्जरी विभाग एवं जनरल सर्जरी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय में विश्व प्लास्टिक सर्जरी दिवस का समारोह पूर्वक आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज के अतिरिक्त प्राचार्य डॉ. एस.के. भास्कर ने उपस्थित संकाय सदस्यों एवं छात्रो को बधाई देते हुये प्लास्टिक सर्जरी विषय की आवश्यक्ता एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला। प्राचार्य एवं पूर्व अधीक्षक डॉ. अनिल जैन ने विभागाध्यक्षा डॉ. मधु माहेश्वरी द्वारा किये जा रहे कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा कि पूर्व अतिरिक्त प्राचार्य डॉ. संजीव माहेश्वरी ने आदिकालीन प्लास्टिक सर्जन आचार्य सुश्रुत को नमन करते हुये प्राचीन भारत में उनके द्वारा की गई प्लास्टिक सर्जरी अनुक्रमों को उद्धत कियापूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. जे.सी. बैंद्य एवं डॉ. टी.पी. देवपुरा ने भी प्लास्टिक सर्जरी विभाग द्वारा की जा रही मरीज़ो की सतत् सेवायों की प्रशंसा की।

सर्जरी विभाग के वरिष्ठ आचार्य डॉ. यू.एस. परिहार ने भगवान शिव द्वारा भगवान गणेश पर हाथी के मस्तक का प्रत्यारोपण किया जाना प्लास्टिक सर्जरी का ही प्रारूप बताया।

विभागाध्यक्षा डॉ. मधु माहेश्वरी ने बताया कि वर्ष 2011 में डॉ. राजा सभापति द्वारा 15 जुलाई को राष्ट्रीय प्लास्टिक सर्जरी दिवस घोषित किया गया जिसे सम्पूर्ण विश्व में विश्व प्लास्टिक सर्जरी दिवस स्वीकार किया और इस प्रकार भारतवर्ष के प्रयासों को पुनः एक बार वैश्विक मान्यता मिली।

समारोह में एस.एम. एस. मेडिकल कॉलेज के प्लास्टिक सर्जरी विभाग पूर्व विभागाध्यक्षा डॉ. मालती गुप्ता द्वारा बनाये गये पोस्टर का विमोचन भी सभी उपस्थित वरिष्ठ चिकित्सकों द्वारा किया गया। इस समारोह में मेडिकल कॉलेज के अतिरिक्त प्राचार्य डॉ. गीता पचौरी, पूर्व डॉ. जे.सी. झंवर, एनेस्थिसिया की विभागाध्यक्षा डॉ. वीना माथुर, वरिष्ठ आचार्या डॉ. कविता जैन एवं वीना पटौदी, आचार्य डॉ. अरविन्द खरे शिशु रोग के वरिष्ठ आचार्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ. पुखराज गर्ग, रेडियेशन ऑकॉलोजी विभाग के आचार्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ. नरेन्द्र शाह आदि अन्य फैकल्ड़ी मेम्बर उपस्थित रहे।

सड़कों का शिलान्यास किया

डीडवाना, (नि.सं.)। मुख्यमंत्री ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से डीडवाना - कुचामन नवगठित जिले के नगरपरिषद और नगरपालिका क्षेत्र में सड़कों का शिलान्यास किया। नगरपरिषद मकराना में 27.90 किलोमीटर की 50 सड़कें, नगरपरिषद कुचामनसिटी में 16.55 किलोमीटर की 7 सड़कें, लाडनूं में 9.15 किलोमीटर की 9, डीडवाना में 6.61 किलोमीटर की 10, परबतसर में 18.70 किलोमीटर की 18, नावां में 7.54 किलोमीटर की 10 तथा बोरावड़ में 11.17 किलोमीटर के 19 सड़क कार्यो का शिलान्यास किया गया। डीडवाना नगरपालिका सभागार में वीसी के माध्यम से स्थानीय अधिकारी जुड़े जिसमे एडीएम श्योराम वर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष रचना होलानी, पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता जितेंद्र कुमार जांगिड़ मौजूद रहे।

अमरापुर सेवा घर में गोष्ठी आज

अजमेर, (कासं)। 'सिन्ध इतिहास एवं साहित्य शोध संस्थान' श्री अमरापुर सेवा घर, 423 प्रगति नगर, कोटड़ा, अजमेर के द्वितीय तल पर रविवार 16 जुलाई को दोपहर 2.30 बजे से आराध्यदेव झूलेलाल चालीहो के महत्व पर विचार गोष्ठी व विद्यार्थियों को सिन्धी भाषा जोडने के लिये आओ सिन्धी सीखें कक्षा का आयोजन किया जायेगा।

संस्थान के अध्यक्ष कंवल प्रकाश किशनानी ने बताया कि प्रत्येक सप्ताह रविवार को दोपहर 2.30 बजे संगोष्ठी 'अचो त सिन्धी सिखूं' आओ तो सिन्धी सिखें और जाने अपनी संस्कृति को जानने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसी क्रम में 16 जुलाई से 25 अगस्त झूलेलाल चालीहो के कार्यक्रम आयोजित किये जाने हैं जिस पर प्रकाश डालने पर विशेष वक्ताओं का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। सिन्धी सिखाने के लिये रीटा चंदीरामाणी व द्रोपदी गोपालाणी द्वारा अध्ययन कराया जायेगा।

राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय ने रैली निकाली

अजमेर, (कासं)। शिक्षक संघ राष्ट्रीय ने 11 सूत्री मांगों को लेकर अजयमेरू, अजमेर उपशाखा के संयुक्त तत्वाधान में ज्योतिबा फूले सर्किल से जिला परिषद तक रैली का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश पर्यवेक्षक एवं प्रदेश उपाध्यक्ष महिला सुषमा बिश्नोई उपस्थित रही। रैली द्वारा पदयात्रा कर जन जागरूकता का काम किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला अध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा ने बताया कि रैली में अनेकों की संख्या में शिक्षक उपस्थित थे उनके हाथों में अपनी मांगों को लेकर हाथो में तख्तियां थी।

जिसमें प्रमुख मांगे लिखी हुई थी नारे लगाते हुए शिक्षक, शिक्षिकाए चल रही थी।जिसमें प्रमुख मांगे खेमराज कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक करना, वेतन विसंगतियों का निराकरण, राज्य कर्मचारियों का 8,16,24 32 वर्ष में एसीपी का लाभ, स्थानांतरणसे प्रतिबंध हटाने, उपार्जित अवकाश की सीमा समाप्त करने, नियमित पेंशन वृद्धि, स्थानांतरण की स्पष्ट नीति बनाने, बीएलओ व अन्य गैर शैक्षणिक कार्यों से शिक्षकों मुक्त करने, आदि मांगे प्रमुख रूप से सरकार से की गई।

प्रदेश पर्यवेक्षक सुषमा विश्नोई ने संबोधित कियाद्ध उन्होंने मांगों का निराकरण नहीं होने तक आन्दोलन के चरण के बारे में जानकारी दी।

प्रदेश सचिव भंवर सिंह राठौड़ ने आंदोलन के बारे जानकारी दी । तथा जिला अध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा ने अगला चरण में जिला स्तर पर आंदोलन करना, 4 अगस्त को प्रदेश स्तर पर और उठा आंदोलन किया जाएगा।

भगवान सिंह गौड़ व सुरेंद्र पाल सिंह चौधरी ने रैली में आए हुए शिक्षक साथियों का आभार व्यक्त किया।

रैली में रामकंवर विजयवर्गीय, विष्णु सिंह राठौड़, रेखा बघेल, चन्द्र शेखर शर्मा, अमित शर्मा, मनीषा घारू, बंदना मिश्रा, भरत सिंह सुरेंद्र सिंह राठौड़ शंभू सिंह अजय शर्मा, मनीष कसाना, रोहिताश्व सारस्वत राजबाला, हेमचंद, दीपक, लालाराम, ओम प्रकाश शर्मा, राजेश वैष्णव, योगेश पारीक, प्रवीण शर्मा, राजेश वैष्णव, अजय पूनिया, वरुण सेन सुरेश वैष्णव, ललित शिवनानी, गोरधन कुमार, महेश शर्मा, रोहिणी, शकुंतला, मृदुला, हेमलता, मुकुंद, दीपक आदि अनेक संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

पीड़ित की सेवा लायंस की प्राथमिकता : गर्ग

अजमेर, (कासं)। लायंस क्लब अजमेर सिटी का पदस्थापना समारोह वैशालीनगर स्थित लायंस भवन में उपप्रांतपाल द्वितीय लायन रामकिशोर गर्ग के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया।

एडिशनल डिस्ट्रिक मीडिया कॉर्डिनेटर लायन राजेंद्र गांधी ने बताया कि समारोह की शुरुआत लायंस के जनक मेलविन जॉन्स की तस्वीर पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर की गई। निवर्तमान अध्यक्ष लायन ओ एस माथुर ने स्वागत भाषण दिया।

मुख्य अतिथि एवम् पदस्थापना अधिकारी उपप्रांतपाल लायन रामकिशोर गर्ग ने अध्यक्ष लायन अशोक गुप्ता, सचिव लायन संजय जैन, कोषाध्यक्ष लायन हरीश बंसल सहित नई कार्यकारिणी को पद का दायित्व समझाते हुए पदस्थापित कराया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि लायन सदस्यों की पहली प्राथमिकता पीड़ित मानव की सेवा करना हैं। इसी उद्देश्य को लेकर आज से 106 वर्ष पूर्व इसकी स्थापना हुई, जो आज विश्व के सबसे बड़े स्वयं सेवी संस्था के रूप में जानी जाती हैं। हमे गर्व हैं की हम ऐसी संस्था के सदस्य हैं ।

संभागीय अध्यक्ष लायन लोकेश अग्रवाल , क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन नयना सिंह भी मंचासीन थे।

कार्यक्रम में पूर्व प्रांतपाल लायन ओ एल दवे, लायन सतीश बंसल, लायन अमितप्रभा शुक्ला, लायन नंदलाल पोखरना, लायन अनुराग जैन, लायन विष्णुप्रकाश हेडा, लायन , लायन आभा गांधी, लायन अनिल छाजेड, लायन प्रमोद शर्मा, लायन राजकुमारी पांडे, लायन संदीप दोषी, लायन अजय गोयल सहित विभिन्न लायंस क्लब के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, पदाधिकारी, सदस्य एवं प्रतिष्ठित व्यक्ति भी उपस्थित थे। इस अवसर पर अतिथियों के हाथों विभिन्न सेवा कार्य भी संपन्न कराए गए।

शिलान्यास किया

बिजयनगर, (निसं)। मुख्यमंत्री के वर्चुअल शिलान्यास कार्यक्रम के तहत पालिका के सभा भवन में उपखंड अधिकारी भरत राज गुर्जर विधायक प्रतिनिधि अवधेश पारीक नगरपालिका चयन रामकरण शर्मापीडब्ल्यूडी के ए ई एन अमी चन्द मीणा की उपस्थिति में नगर पालिका विजयनगर क्षेत्र मेंकरीब 6 करोड़ की लागत से निर्मित होने वाले 17 किलोमीटर लम्बी सड़क का शिलान्यास किया गया। नगरपालिका के सभा भवन में आयोजित वर्चुअल शिलान्यास कार्यक्रम में पार्षद राजेंद्र गुर्जर, अमित जोशी, ओमप्रकाश मेघवाल, लादू लाल भील, ऋषि जांगिड़, दौलतराम, माणकचंदानी सिंह राठौड़, गोपाल रावत, भवानी सिखवाल व लक्ष्मीकांत छिपा सहित पार्षद नगरपालिका कर्मी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

अस्पताल के लिये भूमि आवंटित करने की मांग

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। राज्य कर्मचारी बीमा निगम स्थानीय समिति सदस्य तथा श्रमिक नेता वी.के.सक्सेना ने किशनगढ़ नगर परिषद को पत्र प्रेषित कर 100 बेडेड ईएसआई अस्पताल के लिए 12 बीघा भूमि आवंटन करने की मांग की है।

सक्सेना ने सभापति दिनेश सिंह राठौड़ व आयुक्त धर्मपाल जाट को पत्र प्रेषित कर अवगत कराया की किशनगढ एयरपोर्ट के पास अजमेर विकास प्राधिकरण के रकबे की भूमि को कलेक्टर द्वारा नगर परिषद के नाम नामांतरण किये जाने से विभाग को अस्पताल हेतु भूमि आवंटन का रास्ता प्रशस्त हो गया। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री भूपेंद्र यादव द्वारा फरवरी माह में 100 बेडेड ईएसआई अस्पताल स्वीकृत किये जाने से आसपास के क्षेत्र के पुरे श्रमिक जगत में खुशी की लहर दौड़ गई थी। सक्सेना के अनुसार नगर परिषद द्वारा भूमि आवंटन करते ही ई.एस.आई विभाग तत्काल अस्पताल का निर्माण कार्य शुरू कर देगा।

पर्यावरण जन चेतना यात्रा का शुभारंभ पांचलासिद्धा से

नागौर, (नि.सं.)। सम्पूर्ण विश्व में आज पर्यावरण संरक्षण को लेकर एक नई जागरूकता का संचार हुआ है। इस प्रकार की जागरूकता की आज अत्यधिक आवश्यकता है।

प्रकृति के प्रति आदर का भाव एवम् पेड़ पौधों के प्रति अपनत्व के भाव का जागरण करने के उद्देश्य से अमृता देवी पर्यावरण नागरिक (अपना) संस्थान, जोधपुर के मार्गदर्शन में आगामी 13 अगस्त से 27 अगस्त तक पर्यावरण जन चेतना यात्रा का आयोजन किया जाएगा। पर्यावरण की रक्षा में ही देश की सुरक्षा निहित है। इस पर्यावरण संरक्षण संबंधी जन चेतना यात्रा से पूर्व गांव गांव में युवाओं द्वारा सघन पौधरोपण, संगोष्ठी, रैली, बीज वितरण, वीडियो के माध्यम से डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शन, पर्यावरण प्रेमी सम्मान, लघु नाटिका,पर्यावरण विषयक भजन संध्या आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

पर्यावरण जन चेतना यात्रा का शुभारंभ नागौर जिले में 13 अगस्त को पांचला सिद्धा से होगा । जहां से यात्रा पांचौड़ी, गोगेलाव से अलाय पहुंचेगी जहां रात्रि विश्राम होगा ।

अलाय में रात्रि विश्राम के सभी कार्यक्रम यथा एकांकी, पर्यावरण प्रेमियों का सम्मान, विषय पर प्रबोधन, संकल्प आदि कार्यक्रम होंगे । 14 अगस्त को जोधियासी, अमरपुरा, डेह, खिंयाला, जायल से रात्रि कार्यक्रम के नाते रोल पहुंचेगी। 15 अगस्त को मूंडवा, कुचेरा, खुडी, सांजु कार्यक्रम के निमित्त पहुंचेगी।16 अगस्त को जाखेड़ा, गच्छीपुरा, रानीगांव, खाटू होते हुए निम्बीजोधा प्रवास रहेगा। 17 अगस्त को दुजार, जसवंतगढ़, मिठड़ी, दयालपुरा, दौलतपुरा कार्यक्रम रहेगा । 18 अगस्त को डीडवाना, कोलिया, तोषिना, मौलासर होते हुए लादड़िया पहुंचेगी। डीडवाना में सवेरे शोभायात्रा सहित अनेक कार्यक्रम होंगे।

इस दौरान 19 अगस्त को कुचामन, चितावा, मारोठ, लूनवा, पांचौता में कार्यक्रम होंगे । 20 अगस्त को यात्रा नावा, मिठड़ी, बुडसू, बोरावड़,जूसरी मंगलाना पहुंचेगी।

21 अगस्त को परबतसर, बडू, बागोट, पीपलाद, पीलवा में पौधारोपण सहित भाव जागरण के कार्यक्रम होंगे। 22 अगस्त को थांवला, भैरूंदा, हरसौर, जावला, कीतलसर में कार्यक्रम होंगे ।23 अगस्त को डेगाना, पादुकला, रियाबडी, जसनगर, गगराना, सतलावास,24 अगस्त को मेड़ता, लांपोलाई, इडवा, रेण होते हुए मेड़ता रोड़ रात्रि विश्राम करेगी।

25 अगस्त को यात्रा गोटन, हरसोलाव, खजवाना, संखवास में संत शक्ति के पावन सान्निध्य व पर्यावरण प्रेमियों की गरिमामय उपस्थिति में कार्यक्रम रहेगा। 26 अगस्त को नागौर, खरनाल, भाकरोद, टांकला होते हुए खींवसर पहुंचेगी जहां से 27अगस्त को खेजड़ली गांव पहुंचेगी जहां 28 अगस्त को यात्रा का स्वागत किया जायेगा।

सार-समाचार

पुष्कर में ए.सी.जे.एम. कोर्ट की मांग

पुष्कर, (निसं)। आरटीडीसी के चेयरमेन धर्मेन्द्र सिंह राठौड़ के पुष्कर आगमन पर मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन सौंपकर अधिवक्ताओं द्वारा पुष्कर में एसीजेएम कोर्ट खोले जाने की मांग रखी। बार एसोसिएशन पुष्कर के अध्यक्ष कुलदीप पाराशर ने बताया कि पुष्कर में सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय का संचालन 1993 से हो रहा है जो कि प्रथम श्रेणी का न्यायालय है। न्यायालय में दीवानी एवं फौजदारी प्रकृति के लगभग 3500 मामले विचाराधीन है। विचाराधीन मामले ज्यादा होने से पक्षकारों के मामलों की शीघ्र सुनवाई नहीं होने से पक्षकारों को न्याय प्राप्ति में काफी विलम्ब हो रहा है। न्यायालय का नया परिसर वर्ष 2008 में दो मंजिला बना हुआ है जिसके सतह परिसर में वर्तमान न्यायालय संचालित हो रहा है। प्रथम तल में बने एक कमरे में ग्राम न्यायालय पीसांगन का केम्प कोर्ट संचालित हो रहा है शेष कमरे व हॉल खाली है जिसमें एसीजेएम कोर्ट संचालन हेतु पर्याप्त जगह उपलब्ध है। समय की मांग को देखते हुए पक्षकारों को शीघ्र एवं सुलभ न्याय प्रदान करने की मंशा को दृष्टिगत रखते हुए अतिशीघ्र तीर्थराज पुष्कर में अतिरिक्त वरिष्ठ सिविल एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय (एसीजेएम) कोर्ट खोले जाने हेतु विधान सभा के वर्तमान सत्र में उच्च स्तरीय कार्यवाही कर स्वीकृत कराने की मांग रखी। इस अवसर पर बार के सचिव सन्दीप पाराशर, पुरूषोत्तम जाखेटिया, एसके चौधरी, रघु पारीक, अर्जुन सिंह राठौड़, मदन सांखला, मुकेश सुनारीवाल, फिरोज मोहम्मद, प्यारे मोहन गुप्ता, अमित गौतम, सुरेश खटीक, राजेश उदय, महेश जाचक आदि अधिवक्ता मौजूद थे।

16 किलो डोडा चूरा बरामद

अजमेर, (कासं)। जीआरपी पुलिस द्वारा मादक पदार्थ की रोकथाम के लिये चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत शनिवार को कार्यवाही करते हुए ट्रेन में अवैध मादक पदार्थ का परिवहन के मामले में एक तस्कर को गिरफ्तार किया है, जबकि एक नाबालिग को भी निरुद्ध किया। पुलिस ने तस्कर के कब्जे से 16 किलोग्राम डोडा चूरा बरामद किया है, जिसकी बाजार की कीमत करीब डेढ़ लाख रुपए बताई है। पुलिस गिरफ्तार के आरोपी से गहनता से पूछताछ में जुटी है। जीआरपी थाना प्रभारी फूलचंद बालोटिया ने बताया कि जीआरपी एसपी पूजा अवाना के आदेशों पर आबकारी और एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत थाने पर एक टीम का गठन किया गया और कार्रवाई के निर्देश दिए गए। टीम के द्वारा रेलवे स्टेशन पर गश्त की जा रही थी। दौरान प्लेटफार्म नंबर 6 पर दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोककर पूछताछ की गई। तलाशी ली तो उनके पास से 16 किलोग्राम डोडा चूरा बरामद हुआ। पूछताछ करने पर दोनों संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। थाना प्रभारी ने बताया कि जिसके बाद टीम ने कार्रवाई करते हुए जिला जोधपुर निवासी आरोपी तस्कर भैरा राम को गिरफ्तार किया गया। साथ ही एक नाबालिग को निरुद्ध किया गया है। वहीं 16 किलोग्राम डोडा चूरा को जप्त कर एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस पूछताछ में सामने आया की पूर्व में भी आरोपी मादक पदार्थ की तस्करी कर चुका है।

जैन मुनि की निर्मम हत्या से आक्रोश

बिजयनगर, (निसं)। कर्नाटक में जैन आचार्य काम कुमार नंदी मुनि की बर्बर हत्या को लेकर सकल जैन समाज में आक्रोश व्यक्त करते हुए तहसील कार्यालय पहुंचकर राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। श्री दिगंबर जैन समाज अध्यक्ष प्रभा चंद बड़जात्या, मंत्री टीकम चंद जैन, श्री जैन श्वेतांबर स्थानकवासी संघ अध्यक्ष प्रेम राजपुरा, मंत्री प्रकाश चंद्र डोला, मूर्तिपूजक संघ अध्यक्ष टीकमचंद गोखरू, मंत्री पुखराज मांडोत, पूर्व अध्यक्ष विमल कोठारी, तेरापंथ सभा अध्यक्ष बाबूलाल छाजेड़, मंत्री डी सी जैन व अजय कोठारी सहित समाज के लोगों ने तहसील कार्यालय पहुंचकर तहसीलदार सुभाष सुभाष स्वामी को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। उक्त प्रकरण की स्पेशल टास्क फोर्स के माध्यम से जांच करवा कर अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। साथ ही देशभर में जैन साधु संतों की सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम करने की आवश्यक कार्यवाही की मांग की है।

मसूदा क्षेत्र में ट्रांसफार्मरों का तेल चोरी

मसूदा, (निसं)। उपखंड क्षेत्र मसूदा में इन दिनों चोरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। मकानों, दुकानों व मोटरसाइकिल सहित पिछले दिनों कस्बे में चोरों ने आतंक मचाते हुए लाखो रुपए एवं गहनों पर हाथ साफ किया था। बीती रात चोरों ने 6 जगहों से ट्रांसफार्मर में से तेल की चोरी कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार शेरगढ़ में चोरों ने 6 मजरो के खेतो में लगे ट्रांसफार्मरों में से तेल निकाल लिया। जिसमे खाखल जी का खेड़ा में 1 ट्रांसफार्मर, नीतीनगर लांबा में 1 ट्रांसफार्मर, माताजी का खेड़ा के खेतों में से 2 ट्रांसफार्मर, किशनपुरा मरायला में 1 ट्रांसफार्मर, शेरगढ़ लंबा रोड पर 1 ट्रांसफार्मर में से तेल चुरा लिया। सहायक अभियंता त्रिलोक सिंह चौहान ने बताया कि ट्रांसफार्मर में से तेल चोरी की रिपोर्ट मसूदा थाने में दर्ज कराई जाएगी।

ट्रेन की चपेट से यात्री की मौत

मदनगंज-किशनगढ़, (निस)। रेल्वे स्टेशन पर ट्रेन में चढ़ने के दौरान प्लेट फार्म नं दो पर युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक युवक की शिनाख्त नहीं हो पाई। मृतक जयपुर से वापी जा रहा था। मृतक ने नीले रंग का ट्रैक सूट पहन रखा था और बाये हाथ पर प्रीति नाम लिखा हुआ है। जीआरपी थाना पुलिस मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भगवान शिव की पूजा

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर प्रदीप मिश्रा द्वारा कथा में बताई गई श्रावण की शिवरात्रि को लेकर भक्तों में जमकर क्रेज देखा गया। भक्त 15 जुलाई को सावन की शिवरात्रि होने के कारण आज सुबह से ही शमी पत्र एकत्रित करने और मिट्टी के शिवलिंग बनाने में व्यस्त नजर आए।

पंजाब नैशनल बैंक punjab national bank

विधि/वसूली विभाग, मंडल कार्यालय, उदयपुर
एलआईसी भवन, तीसरा तल, सबसिटी सेन्टर, रेती स्टेण्ड के पास, उदयपुर
फोन नंबर: 0294-2688008/09/22/26, ई-मेल: cs8328@pnb.co.in

प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002, परिशिष्ट IV [नियम 8(1) देखें]
कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)

जबकि

अधोहस्ताक्षरकर्ता **श्री हेमन्त डाका** ने **पंजाब नैशनल बैंक** के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 सपठित, प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में ऋणी **मैसर्स श्री देव इंटरप्राईजेज, प्रोपराईटर श्री ओम प्रकाश बैरवा पुत्र श्री गणेश लाल बैरवा एवं जमानतदार व बंधककर्ता श्रीमती एजी देवी पत्नी श्री गणेश लाल बैरवा** पर मांग सूचना दिनांक 21.04.2023 पर उस सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर **दिनांक 31.03.2023** को बकाया राशि रू. 8,30,146/- (रूपये आठ लाख तीस हजार एक सौ छ्यालिस मात्र) प्लस **दिनांक 01.04.2023 से ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों** का पुनर्भुगतान करने के लिए मांग सूचना जारी की गई।

ऋणी द्वारा राशि का पुनर्भुगतान करने में असफल होने पर एतद्वारा सूचना ऋणी और आम जनता को दी जाती है कि निम्नहस्ताक्षरकर्ता ने **दिनांक 10, माह जुलाई, वर्ष 2023** को उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत, उक्त अधिनियम की उपधारा 8 के साथ पठित उस पर प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्ति को कब्जे में ले लिया है।

कर्जदारों/जमानतदारों/बंधककर्ताओं का ध्यान, प्रतिभूत आस्तियों को छुडाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13(8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।

ऋणियों/जमानतदारों/बंधककर्ताओं को विशेष एवं आम जनता को एतद्वारा सम्पत्ति के साथ कोई संव्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ किया गया कोई भी संव्यवहार **दिनांक 04.07.2023 को बकाया राशि रू. 7,73,490/- (रूपये सात लाख तिहतर हजार चार सौ नब्बे मात्र) प्लस दिनांक 05.07.2023 से ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों** का पुनर्भुगतान करने के लिए **पंजाब नैशनल बैंक, शाखा कार्यालय- भीलवाड़ा पुर रोड** (466700) के प्रभार के अधीन होगा।

अचल सम्पत्ति का वर्णन

सम्पत्ति के सभी अभिन्न अंग गठित होते हैं जो कि श्रीमती एजी देवी पत्नी श्री गणेश लाल बैरवा के नाम साम्यिक बंधक आवासीय सम्पत्ति जो वार्ड नं. 42, राणा सांगा चौराहा के पास, सांगानेर, जिला भीलवाड़ा, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 95.86 वर्ग गज है। **सीमाएं**- उत्तर: श्रीमती लादू देवी एवं श्रीमती जस्सु देवी की सम्पत्ति, दक्षिण: श्री आजाद रंगरेज की सम्पत्ति, पूर्व: रोड़ 16' चौड़ी, पश्चिम: श्री पन्ना लाल जाट की सम्पत्ति

हस्ता.
(हेमन्त डाका)
प्राधिकृत अधिकारी एवं मुख्य प्रबंधक

स्थान: भीलवाड़ा
दिनांक: 10.07.2023

पंजाब नैशनल बैंक punjab national bank

विधि/वसूली विभाग, मंडल कार्यालय, उदयपुर
एलआईसी भवन, तीसरा तल, सबसिटी सेन्टर, रेती स्टेण्ड के पास, उदयपुर
फोन नंबर: 0294-2688008/09/22/26, ई-मेल: cs8328@pnb.co.in

प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002, परिशिष्ट IV [नियम 8(1) देखें]
कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)

जबकि

अधोहस्ताक्षरकर्ता **श्री हेमन्त डाका** ने **पंजाब नैशनल बैंक** के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 सपठित, प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में ऋणी **श्री विक्रम सैन प्रियदर्शी पुत्र श्री शंकर लाल सैन सह-ऋणी एवं बंधककर्ता श्रीमती सुमित्रा सैन पत्नी श्री विक्रम सैन प्रियदर्शी** पर मांग सूचना **दिनांक 27.04.2023** पर उस सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर **दिनांक 31.03.2023 को बकाया राशि रू. 21,50,734.43 (रूपये इकीस लाख पचास हजार सात सौ चौंतीस एवं पैसे तैतालीस मात्र) प्लस दिनांक 01.04.2023 से ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों** का पुनर्भुगतान करने के लिए मांग सूचना जारी की गई।

ऋणी द्वारा राशि का पुनर्भुगतान करने में असफल होने पर एतद्वारा सूचना ऋणी और आम जनता को दी जाती है कि निम्नहस्ताक्षरकर्ता ने **दिनांक 10, माह जुलाई, वर्ष 2023** को उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत, उक्त अधिनियम की उपधारा 8 के साथ पठित उस पर प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्ति को कब्जे में ले लिया है।

कर्जदारों/जमानतदारों/बंधककर्ताओं का ध्यान, प्रतिभूत आस्तियों को छुडाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13(8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।

ऋणियों/जमानतदारों/बंधककर्ताओं को विशेष एवं आम जनता को एतद्वारा सम्पत्ति के साथ कोई संव्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ किया गया कोई भी संव्यवहार **दिनांक 04.07.2023 को बकाया राशि रू. 22,03,439.43 (रूपये बाईस लाख तीन हजार चार सौ उनतालीस एवं पैसे तैतालीस मात्र) प्लस दिनांक 05.07.2023 से ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों** का पुनर्भुगतान करने के लिए **पंजाब नैशनल बैंक, शाखा कार्यालय- भीलवाड़ा नागौरी गार्डन** (357500) के प्रभार के अधीन होगा।

अचल सम्पत्ति का वर्णन

सम्पत्ति के सभी अभिन्न अंग गठित होते हैं जो कि श्रीमती सुमित्रा सैन पत्नी श्री विक्रम सैन प्रियदर्शी के नाम साम्यिक बंधक आवासीय सम्पत्ति जो प्लॉट नं. सी-131, आराजी नं. 1013/1, राजस्व गाँव मलाण, विवेकानन्द नगर, तहसील एवं जिला भीलवाड़ा, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 111.11 वर्ग गज है। **सीमाएं**- उत्तर: प्लॉट नं. 132-सी, दक्षिण: प्लॉट नं. 130-सी, पूर्व: रोड़ 20 फीट चौड़ी, पश्चिम: खुली भूमि

हस्ता.
(हेमन्त डाका)
प्राधिकृत अधिकारी एवं मुख्य प्रबंधक

स्थान: भीलवाड़ा
दिनांक: 10.07.2023

चोरी का राजफाश नहीं होने पर व्यापारियों ने बाजार बंद रखे

अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन में शहर के सभी वर्ग के व्यापारी उपस्थित रहे

पोकरण, (निसं)। पोकरण शहर के व्यापार मंडल के नेतृत्व में लगातार शहर में हो रही चोरी एवं डकैती की घटनाओं का पुलिस प्रशासन द्वारा उचित कार्रवाई नहीं करने एवं चोरी की घटनाओं का खुलासा नहीं होने के कारण व्यवसायियों एवंआम जनता में गहरा रोष है।

बुधवार की रात्रि को ड्राई फूड के होलसेल व्यापारी नरेंद्र गांधी की शहर के हृदय स्थली चौराहा की दुकान में तीस॰लाख समान की चोरी के घटना से व्यापारियों में भारी रोष है। जिसके बाद व्यापारियों अपनी मांगों को लेकर गुरुवार से अनिश्चितकालीन तक दुकानें बंद करने का निर्णय लिया। मांगों को लेकर शनिवार को दूसरे दिन भी व्यवसाई प्रतिष्ठान पूर्ण रूप से बंद रहे, भाजपा के वरिष्ठ नेता संत प्रतापपुरी महाराज अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन कर रहे व्यवसायियों के

पोकरण में चोरी की वारदात के राजफाश नहीं होने पर व्यापारियों का धरना प्रदर्शन जारी रहा।

बीच शनिवार को दोपहर में चोरी व डकैती की घटनाओं के बारे में विस्तार से चर्चा की। वहीं पुलिस प्रशासन की नाकामी एवं जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण आमजन में गहरा रोष एवं भय व्याप्त हो गया है। वहीं पालिका अध्यक्ष मनीष पुरोहित धरना स्थल पर पहुंचकर व्यापारियों का हौसला अफजाई करते हुए पुलिस प्रशासन की नाकामी के कारण आए दिन चोरी एवं डकैती की घटनाएं खुलेआम हो रही है।

जिसके कारण व्यापारियों में भय का वातावरण बना हुआ है। पोकरण शहर में दुकानों के अनिश्चितकाल दुसरे दिन बंद रखने के व्यापार मंडल के निर्णय के बाद शहर में दुकानें अनिश्चितकालीन के लिए सभी व्यवसायियों ने एकजुटता दिखाते हुए अपने अपने व्यवसाय बंद रखे। जरूरतमंद लोगो को जरूरी सामान लेने के लिए बाहर निकले तो सही लेकिन उन्हें बिना सामान लिए खाली हाथ लौटना पड़ा। अनिश्चितकाल तक दुकानें बंद रखने का व्यापार मंडल का फैसला सही होता दिखाई दे रहा है।

उपखंड कार्यालय के आगे अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन मे शहर के सभी वर्ग के व्यापारी उपस्थित रहे। शहर में लगातार चोरी व डकैती की घटनाएं दिन प्रतिदिन बढ रही है, वहीं पुलिस प्रशासन द्वारा उचित कार्रवाई नहीं करने के कारण चोरों के हौसले बुलंद है, शहर में हो रही चोरी की वारदातों को लेकर प्रार्थी गणों द्वारा ज्ञापन एवं धरना प्रदर्शन कई बार कर चुके हैं। वहीं जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी समझौता वार्ता के तहत कुछ दिनों की मौहलत लेकर चोरी एवं डकैती का खुलासे का आश्वासन देकर इतिश्री कर दी जाती है या इस ओर ठोस कदम पुलिस उठाती है।

आखिरी विधानसभा सत्र में सरकार को घेरने की पुख्ता रणनीति : देवनानी

सत्रावसान ना कर सरकार ने लोकतांत्रिक परंपराओं का गला घोंटा : देवनानी

अजमेर, (कासं)। पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री और अजमेर उत्तर विधायक वासुदेव देवनानी ने राज्य सरकार पर लोकतांत्रिक परंपराओं का गला घोंटने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार ने सत्रावसान नहीं कर जनता के मुद्दो से दूरी बनाने का प्रयास किया है। लेकिन भाजपा जनता की समस्याओं को विधानसभा में जोर शोर से उठाएगी और इसके लिए व्यापक रणनीति भी बनाई गई है।

सत्र छोटा रहने के कारण रोजाना जनता से जुड़ी एक बड़ी समस्या को भाजपा सदन में रखेगी और सरकार को घेरेगी। देवनानी ने बताया भाजपा कांग्रेस सरकार को सदन में महिला अत्याचार, पेपर लीक, किसान बेहाल, भ्रष्टाचार, हिंदू विरोधी एवं तुष्टीकरण की नीति, बेपटरी हुई कानून व्यवस्था जैसे मुद्दों पर घेरेगी। देवनानी ने कहा कि विधानसभा कार्य संचालन एवं प्रक्रिया के नियम 295 के अंतर्गत अजमेर से जुड़ी दो बड़ी समस्याएं भी उनके द्वारा उठाई जाएंगी। देवनानी ने शनिवार को प्रेस वार्ता कर सरकार को हर मोर्चे पर विफल बताते हुए कहा कि आज जनता हर मोर्चे पर खुद को ठगा हुआ सा महसूस कर रही है और सरकार सिर्फ चुनावी लोक लुभावन काम कर गुमराह कर रही है। देवनानी ने कहा कि सरकार ने पिछले सत्र का सत्रावसान नहीं कर विधायकों द्वारा जनता के मुद्दे उठाए जाने पर रोक लगा दी लेकिन भाजपा पीछे नहीं हटेगी और विधानसभा में जनता की आवाज को बुलंद करेगी। रोज एक मुद्दे को लेकर सरकार को घेरा जायेगा।

देवनानी ने कहा कि इन मुद्दों के अलावा अजमेर की दो बड़ी समस्याओं का भी वे सदन में जिक्र करने वाले है जिसमे शहर को 48 घंटे में पेयजल आपूर्ति करने और गंदे व असमान जल वितरण के दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही किए जाने के संबंध में है। देवनानी ने कहा कि भाजपा सरकार में अजमेर में 48 घण्टे में पेयजल आपूर्ति होती थी लेकिन आज बीसलपुर बांध भरा होने के बाद भी 72 से 96 घण्टे में पानी मिल रहा है। शहर में पेयजल का वितरण सिस्टम पूरी तरह चरमराया हुआ है। इंजिनियर्स की मिलीभगत के चलते कहीं 24 घण्टे में ही पानी मिल रहा है तो कहीं 96 घण्टे में भी पेयजल आपूर्ति नहीं हो रही है। पंचशील, वैशालीनगर, हरिभाउ उपाध्याय नगर, ज्ञानविहार, शांतिपुरा, आतेड, किशनगंज, यूआईटी कॉलोनी, कीर्ति नगर, राज कॉलोनी, स्वास्तिक नगर सहित सम्पूर्ण अजमेर क्षेत्र से प्रतिदिन पेयजल संबंधित शिकायतें मिल रही है। अजयसर, खरेकडी, हाथीखेडा, बोराज, लोहगल, माकडवाली इत्यादि गांवों के तो और भी बुरे हाल है। यहां 6 दिन में एक बार ही पानी नसीब हो रहा है। असमान पेयजल आपूर्ति एक बडी समस्या है। पानी का समान वितरण हेतु ब्लंक मीटर लगाए जाए ताकि जोन में कुल कितने पानी का वितरण हुआ, का मालूम हो सके। पेयजल लाइनें लीकेज एक बडी समस्या है। 30 प्रतिशत पानी लीकेज के चलते सडकों पर बह जाना निश्चित ही चिंता का विषय है। इसके साथ ही शहर के ड्रेनेज सिस्टम को स्थाई रूप से दुरूस्त करने एवं बदहाल सडकों की तत्काल मरम्मत कराए जाने का मुद्दा भी उठाया जाएगा।

छात्र की पिटाई को लेकर माली समाज में रोष

छात्र द्वारा तिलक लगाकर जाने पर स्कूल के फादर द्वारा अमर्यादित व्यवहार किया गया था

भीलवाड़ा, (नि.सं.)। भीलवाड़ा जिले की निजी स्कूल सैंट एंसेल्म स्कूल में अध्ययनरत छात्र किशन माली द्वारा स्कूल में तिलक लगाकर जाने पर स्कूल के फादर द्वारा तिलक लगाने को लेकर किशन माली के साथ मारपीट कर टी.सी. काटने की धमकी दी। इस घटना को लेकर माली समाज में जबरदस्त रोष व्याप्त है व स्कूल द्वारा किये गये अमर्यादित व्यवहार को लेकर समाज ने कड़ी निंदा व्यक्त की है।

माली (सैनी) महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष गोपाल लाल माली ने कहा कि सेंट एंसल्म स्कूल की कक्षा 10वी में पढ़ने वाले किशन माली अपने परिवार के साथ सावन माह के चलते भगवान शिव की पूजा अर्चना के बाद तिलक लगाकर स्कूल पहुंचा, जहां पर स्कूल के फादर अन्य अध्यापकों ने उसके साथ मारपीट कर बदसलूकी के साथ ही टीसी काटने की धमकी दी, जो कि एक निंदनीय व अशोभनीय कार्य है। यह सिर्फ एक छात्र का अपमान नहीं यह पूरे सनातन धर्म का अपमान है जो कतई बर्दाश्त करने लायक नहीं है। सनातन धर्म में धर्म पहले है व शिक्षा बाद में होती है। अब समय आ गया है कि सरकार हिंदू और अन्य धार्मिक छात्रों को स्कूल में तिलक, विभूति, मेहंदी, शिखा आदि खेलने की अनुमति देने के लिए विशेष सुरक्षा प्रदान करने वाले आदेश पारित करे। ये केवल प्रतीक नहीं हैं, बल्कि हमारी स्वदेशी धार्मिक-सांस्कृतिक परंपरा के अभिन्न अंग हैं। वे किसी अन्य समुदाय को नीचा नहीं दिखाते हैं, और उनका गहरा अर्थ है। स्कूल को शिक्षा के घर में इन प्रतीकों और परंपराओं को बनाए रखने और बढ़ावा देने के लिए कर्तव्यबद्ध होना चाहिए।

माली (सैनी) महासभा ने जिला प्रशासन से मांग की कि उक्त स्कूल के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही कर भविष्य में ऐसी घटनाएं न दोहराई जाये इसके लिए इनको पाबंद करना चाहिए। साथ ही स्कूल प्रशासन सनातन धर्म का पालन करते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगे और विश्वास दिलावे की भविष्य में इस तरह की घटनायें नहीं दोहराई जायेगी, जिससे किसी की भवना को आहत पहुंचे। निंदा करने वालों में महासभा के प्रदेश संगठन मंत्री कन्हैयालाल माली, महासभा के जिला कार्यकारी अध्यक्ष भैरूलाल माली, जिला महामंत्री सत्यनारायण माली, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष मदन माली, जिला मंत्री मुरली सैनी, माली (सैनी) कर्मचारी संस्था के अध्यक्ष तोताराम सांखला, सचिव कन्हैयालाल माली, माली युवा सेवा संस्थान के अध्यक्ष पुषालाल माली सहित समाज के कई लोग शामिल है।

डॉग स्क्वायड में शामिल डेल्टा की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की डॉग स्क्वायड में तैनात डेल्टा की शनिवार को बीमारी से मौत हो गई। डेल्टा पिछले एक साल से लीवर व किड़नी के इन्फेक्शन से बीमार था। शनिवार को उसकी मौत के बाद पुलिस प्रशासन द्वारा राजकीय सम्मान के साथ उसका अंतिम संस्कार किया गया। डेल्टा को सम्भालने वाले कांस्टेबल कुतुबुद्दीन डायर ने बताया कि डेल्टा आठ साल से पुलिस में तैनात था। 8 सालों में डेल्टा ने 120 से ज्यादा ड्यूटी की है। और जयपुर, सीकर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, कुम्भलढ़, झुझनु में हुई हत्या, लूट व चोरी जैसी 30 वारदातों के आरोपियों को पकड़ने में अहम भूमिका निभाई थी। एसआई जयसिंह ने बताया कि डेल्टा को भीलवाड़ा पुलिस में चार साल पहले 2018 में तैनता किया गया था। उसके तैनात होने के बाद डेल्टा द्वारा जहाजपुर मर्डर केस, प्रताप नगर मर्डर केस, बोराणा जगदीशपुरी मंदिर चोरी, कुम्भलगढ़ मर्डर सहित 15 केस में पुलिस की आरोपियों को पकड़ने में मदद की थी। इसी के चलते डेल्टा को डीजी डेस्क से भी सम्मानित किया जा चुका है।

सीमेंट कंपनी के खिलाफ धरना जारी

नवलगढ़, (निसं)। गोठड़ा में सीमेंट कंपनी के खिलाफ चल रहा धरना लगातार 177 रोज से जारी है। किसान जमीन के उचित मुआवजे की मांग को लेकर और युवा अपने रोजगार की मांग को लेकर सीमेंट कंपनी के गेट सामने डटे हुए हैं।

पंचायत समिति सदस्य प्रताप पूनियां ने बताया कि किसान अपनी जायज मांगों को लेकर पांच महीने से कंपनी प्रशासन के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। कड़ी धूप और बरसात के बावजूद किसानों का हौसला बुलंद है। राजनीतिक दवाब के चलते किसानों की सुनवाई नहीं की जा रही है। जिसको लेकर संघर्ष समिति के बैनर तले किसान मंगलवार को जयपुर विधानसभा का घेराव करेंगे। साथ ही

गोठड़ा में सीमेंट कंपनी के खिलाफ चल रहा धरना लगातार 177 रोज से जारी है।

धरना प्रदर्शन करके अपना विरोध दर्ज करवाएंगे। इस दौरान धरने पर बीरबल यादव, हरलाल महान, गोकुल सिंह शेखावत, राजकुमार खैरवा, महेश कालीरवाणा, सतीश योगी, कैप्टन नंदलाल यादव, सुरेश कालीरवाना, चिमन ओला, राजाराम खटकड़, रामदेव सिंह, दिलीप झाझड़िया, शीशराम, विद्याधर यादव, राजकुमार खैरवा, श्रीचंद कालीरावना, राजेश खेदड़, मुकेश खैरवा, रामदेव झाझड़िया, नरेंद्र खेदड़ आदि किसान मौजूद रहे।

मुक़दमा दर्ज करने की मांग

भीलवाड़ा, (निसं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के विरुद्ध अभद्र भाषा का प्रयोग करने का अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल पर आरोप लगाते हुये एनएसयूआई के पूर्व जिलाध्यक्ष ईश्वर खोईवाल ने पुलिस अधीक्षक को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। खोईवाल ने पुलिस अधीक्षक को दी शिकायत में बताया कि विधायक भदेल ने अपने विधानसभा क्षेत्र में सड़क शिलान्यास सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री जननायक अशोक गहलोत के विरूद्ध अभ्रद भाषा का प्रयोग व टिप्पणी कर आमजन मे मुख्यमंत्री की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया गया।

विधायक अनिता भदेल द्वारा की गयी टिप्पणी से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अपना आदर्श मानने वालों की भावनायें आहत हुई है। खोईवाल ने शिकायत में बताया कि विधायक अनिता भदेल द्वारा किया गया उक्त कृत्य राजद्रोह की परिधि में आता है। इस टिप्पणी से प्रदेश के निवासियों के बीच भाईचारा व सोहाद्र समाप्त करने का कुप्रयास कर प्रदेश के निवासियों के मध्य अशांति फैलाने का एक अपराधिक कृत्य किया है। उक्त टिप्पणी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

सिविल डिफेंस टीम ने पुष्कर सरोवर में गिरे युवक को बचाया

पुष्कर, (निसं)। शनिवार सुबह पुष्कर सरोवर में परिवार के साथ स्नान करने आए ग्राम निहाडी सीहोर मध्यप्रदेश निवासी बिशन गुर्जर उर्फ मंत्री सरोवर के गुर्जर घाट पर स्नान करने पहुंचे थे। इसी दौरान नहाते हुए युवक का पैर फिसलने से दाहिने हाथ में गहरी चोट लगने से कोहनी से हाथ उतर गया। वहीं पर तैनात सुरेंद्र गुर्जर एवम रघुवीर सिंह ने टीम के किशन गोपाल जाट को सूचना दी। सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंचकर अमरचंद सांखला के साथ अपनी बाइक से युवक को हॉस्पिटल पहुंचाया।

इसी तरह सुबह छह बजे सप्तऋषि घाट पर पुष्कर की एक स्थानीय महिला गृह कलेश से तंग आकर के आत्महत्या के मकसद से सरोवर में कूद जाती इसके पहले ही बचा लिया। होटल राधिका पैलेस के मालिक दिनेश पंडित की नजर महिला पर पड़ते ही महिला को पानी में कूदने से पहले ही पकड़ लिया और सिविल डिफेंस टीम के सपुर्द किया। टीम ने काफी देर तक महिला को सन सेट कैफे बैठाकर के उसके परिवार वालों को सूचित किया बाद में परिवार वालों ने महिला को अपने साथ ले गए।

पानी की किल्लत पर ग्रामीणों का प्रदर्शन

नवलगढ़, (निसं)। डूंडलोद ग्राम में वार्ड नंबर 19 में जलदाय विभाग की एक बड़ी टंकी बनी हुई है। जिसमें 2 ट्यूबवैल से पानी चढ़ाया जाता है। पूरी रात भर को टंकी को फुल किया जाता है। सुबह दो बार करके गांव के करीब 50 प्रतिशत सप्लाई किया जाता है। जो काफी समय से सही व्यवस्था चल रही थी। परंतु अभी दो-तीन महीने से नया कर्मचारी राजेंद्र सैनी पंप चालक की ड्यूटी लगा दी है।

उसके बाद से पानी की सप्लाई गड़बड़ होती है। अब बिल्कुल से बंद हो गई है। कभी मोटर जलने का बना तो कभी बिजली सप्लाई का बहाना बनाता रहता है। खुद ड्यूटी पर आता नहीं है। अपनी जगह अन्य आदमी से कार्य कर कराता है जो पूर्ण रूप से सही नहीं होता है। जिससे के लिए कनिष्ठ अभियंता जलदाय विभाग को शिकायत कर दी।

पानी की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने नारेबाजी की।

- सुबह दो बार करके गांव के करीब 50 प्रतिशत पानी सप्लाई किया जाता है

परंतु कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामवासियों काफी परेशानी होने के कारण वार्ड नंबर 19 के ग्रामीणों पर जाकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने कहाकि कोई हल नहीं निकला तो बड़ा आंदोलन करेंगे। ग्रामीणों में गोपीसिंह, प्यारेलाल, सीमा चौधरी, राजू सोनी, अमित पाराशर, राजेंद्र, कैलाश, चिरंजीलाल भार्गव, लीलाधर पाराशर व जीतू पाराशर आदि प्रमुख कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। यह जानकारी मनोज नाई ने दी। मनोज ने विभाग के सभी कर्मचारियों अधिकारियों को अवगत भी कराया है। वहीं ग्राम सरपंच अवगत कराया है। ग्रामीणों में जलदाय विभाग के प्रति काफी रोष है।

पत्नी की हत्या का आरोपी रिमाण्ड पर

सादुलपुर, (निसं)। ग्राम गोठ्या बडी में फिड गोदाम पर नौकरी करने वाले नेपाली द्वारा 10 जुलाई को अपनी पत्नी की हत्या कर फरार होने के बाद पुलिस द्वारा उसे शुक्रवार को हरियाणा से गिरफ्तार किया। शनिवार को न्यायालय में पेश कर 17 जुलाई तक पुलिस रिमाण्ड पर लिया गया है।

थानाधिकारी सुभाष चन्द्र ढील पुलिस निरीक्षक राजगढ़ ने बताया कि अपनी पत्नी की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार नेपाली आरोपी सुरज सुनार पुत्र कृष्ण बहादुर निवासी नेपाल को शुक्रवार को हरियाणा से गिरफ्तार किया है। गौरतलब है कि 10 जुलाई को राजगढ थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि गाँव गोठ्या बडी में फिड गोदाम पर नौकरी करने वाले सुरज नेपाली ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी है। जिसमें मौका निरीक्षण के दौरान राजगढ थाना पुलिस को मृतका की लाश गोठ्या बडी फिड गोदाम पर बने कमरे में पड़ी मिली थी तथा मृतका के शरीर पर काफी चोटों के निशान थे। वहीं मृतका की पहचान वनलालहरूआई कोलने पुत्री लालठानसियाना कोलने उम्र 41 साल निवासी कॉलचाव पूर्व जिला सैहा मिजोरम के रूप में हुई थी।

इसके संबन्ध में पुलिस को पता चला कि मृतका लगभग दो साल से आरोपी सुरज सुनार पुत्र कृष्ण बहादुर निवासी नेपाल के साथ रहती थी तथा दोनों ने दो वर्ष तक दिल्ली, रोहतक व हिसार में एक साथ ही रहकर काम किया था। इस संबन्ध में गोदाम पर देखरेख करने वालों ने बताया था कि रात्रि में दोनों पती पत्नी आपस में झगड़ा कर रहे थे। वहीं इस संबन्ध में सुरेश कुमार निवासी गौठ्या बडी ने लिखित रिपोर्ट पेश कर आरोपी सुरज सुनार निवासी गोराई नेपाल के खिलाफ राजगढ थाने में उसकी पत्नी की हत्या करने के आरोप का मामला दर्ज करवाया था तथा अपनी पत्नी ही हत्या करने के बाद आरोपी सूरज सुनार मौके से फरार हो गया था।

सफाईकर्मियों की मौत से वाल्मीकि समाज का प्रदर्शन

उदयपुर, (कासं)। शुक्रवार को सज्जनगढ़ रोड स्थित एक होटल के सेप्टिक टैंक की सफाई करते समय दम घुटने से दो सफाई कर्मचारियों की मौत के बाद सफाईकर्मी एवं मृतकों के परिजन आक्रोशित हैं। इसके विरोध में वाल्मीकि समाज ने शनिवार कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया और मुआवजे सहित अन्य मांगें पूरी करने की मांग की।

उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को अंबामाता माता थाना क्षेत्र के सज्जनगढ़ इलाके में स्थित होटल जस्ता के सेप्टिक टैंक की सफाई करने के दौरान हुए हादसे में दो सफाई कर्मचारियों की मौत हो गयी थी जबकि दो गंभीर घायल हो गए थे। हादसे के बाद लोगों ने सेप्टिक टैंक से सफाई कर्मचारियों को बाहर निकाला और एमबी हॉस्पिटल ले गएए जहां डॉक्टरों ने दो सफाई कर्मचारियों को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर दो घायल कर्मचारियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

- होटल के सेप्टिक टैंक की सफाई करते दम घुटने से दो कर्मचारियों की मौत का मामला

इसी मामले को लेकर शनिवार को वाल्मीकि समाज ने मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने, मृतक के आश्रित को सरकारी नौकरी देने और होटल जस्टा प्रबंधन के खिलाफ कडी कार्यवाही की मांग का। आक्रोशित वाल्मीकि समाज ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

इधर कार्यवाहक जिला कलेक्टर ओ पी बुनकर ने सीवरेज टैंक की साफ-सफाई को लेकर महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। उदयपुर जिले में पिछले 7 वर्षों में 5 घटनाएं होने से 10 से अधिक सफाई कर्मियों की अकाल मृत्यु हो चुकी है। ऐसे में मानव जीवन की क्षति को रोकने हेतु एवं कानून की पालना कडाई से कराना महत्वपूर्ण है। कार्यवाहक जिला कलेक्टर ओ पी बुनकर ने आदेश दिया है कि सीवरेज टैंक को सफाई कर्मियों साफ द्वारा करवाना उच्चतम न्यायालय एवं कानून द्वारा प्रतिबन्धित है। ऐसे में उदयपुर जिले में कोई भी निजी एवं राजकीय संस्थानए व्यावसायिक, औद्यौगिक प्रतिष्ठान, होटल्स, आवासीय संस्थान आदि में सीवरेज टैंक की सफाई बिना मशीन के नहीं करवाएंगे। अगर सीवरेज टैंकों की सफाई करवानी हो तो वे अपने स्थानीय निकाय जैसे नगर निगम एवं नगर पालिका से सम्पर्क कर निर्धारित शुल्क जमा करवाई जाकर मशीन से सीवरेज टैंक खाली कर सफाई करवा सकते हैं।

जारी आदेश अनुसार हर व्यक्ति इस आदेश की अनुपालना सुनिश्चित करेंगा। ऐसा नहीं होने पर भारतीय दण्ड संहिता तथा द प्रोहिबिशन ऑफ एम्प्लॉयमेंट एज मैन्यूल स्केवेंजर एंड देयर रिहैबिलिटेशन ऐक्ट, 2013 के प्रावधानों के तहत सख्त कार्यवाही की जाएगी।

राशन से भरे ट्रक ने स्कूली बालिका को कुचला

गुस्सायें लोगों ने तोडफोड़ के बाद ट्रक में लगाई आग

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के गोपालपुरा रोड़ स्थित गुम का जोड़ा से आगे खरकड़ी व खेडकी वीरभान मोड़ के पास शुक्रवार रात्रि करीब आठ बजे रामसिंहपुरा एफसीआई गोदाम से आ रहे एक राशन से भरे ट्रक द्वारा बाईक सवार मामा-भांजी को टक्कर मारकर बाईक पर पीछे बैठी स्कूली बालिका को कूचल देने के मामले में शुक्रवार रात्रि को ग्रामीणों का गुस्सा जमकर फूटा।

मौके पर एकत्रित हुए लोगों ने जहां ट्रक में तोडफोड़ के बाद आग लगा दी, वहीं आग बुझाने के लिए मौके पर पहुँची दमकल को भगाकर वहाँ खड़ी पुलिस की गाड़ी के शीशे भी तोड़ दिये। हालांकि घटनाक्रम में ग्रामीणों व पुलिस प्रशासन के बीच देर रात्रि करीब दो बजे सहमति बन गई। जिसके बाद ग्रामीण मृतक बालिका का शव उठाने पर सहमत हो गये। ग्रामीणों में गुस्सा इस बात को लेकर भी था कि सूचना दिये जाने के बावजुद भी एम्बुलेंस मौके पर काफी देरी से पहुँची। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम रामसिंहपुरा निवासी सुरेन्द्र जाट का जयपुर के किसी निजी अस्पताल में ऑपरेशन हुआ था। उसकी 9 वीं कक्षा में पढने वाली 12 वर्षिय

कोटपूतली में शव रखकर प्रदर्शन करते लोग।

बेटी खुशी अपने मामा के साथ बाईक से कोटपूतली आकर किसी रिश्तेदार को अपने पिता के लिए खाना व कपड़े देकर बाईक से घर वापस जा रही थी। इतनी ही देर में रामसिंहपुरा एफसीआई गोदाम से गेंहू भरकर आ रहे बेकाबु ट्रक ने बाईक को टक्कर मार दी। जिससे दोनों नीचे गिर गये, घटना में जहाँ बाईक चालक मामा गंभीर रूप से घायल हो गया।

वहीं ट्रक चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन को चलाते हुए पीछे के टायरों में बालिका को दूर तक घसीट कर ले गया। जिससे उसका सिर ट्रक के लिए नीचे कूचला गया एवं बालिका की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के तुरन्त बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। लोगों के आक्रोश को देखकर ट्रक चालक तो मौके से फरार हो गया। ग्रामीण मृतका के शव

- आग बुझाने पहुँची दमकल का रास्ता रोका, पुलिस की गाड़ी के तोड़े शीशे
- शव सड़क पर रखकर दिया धरना, देर रात्रि को बनी सहमति

को मौके पर ही रखकर धरना प्रदर्शन करने लगे। इतनी ही देर में एसडीएम सूर्यकान्त शर्मा, तहसीलदार अभिषेक सिंह, एएसपी विधा प्रकाश, डीएसपी मदन लाल जैफ, एसएचओ मांगे लाल यादव, पनियाला एसएचओ लक्ष्मीनारायण व सरूण्ड एसएचओ इन्द्राज सिंह समेत भारी मात्रा में पुलिस जाप्ता व प्रशासन भी मौके पर पहुंच गया। वहीं पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना, भाजपा नेता मुकेश गोयल आदि भी धरने पर पहुंचकर पीडित परिवार को सहायता, मुआवजा व सरकारी नौकरी की माँग करने लगे।

ग्रामीणों ने इस बात पर भी आक्रोश जताया कि घायल मामा को अस्पताल पहुंचाने के लिए एम्बुलेंस काफी देर से मौके पर पहुंची। कुछ ग्रामीणों ने यह भी बताया कि एफसीआई गोदाम से आने वाले ट्रक लापरवाहीपूर्वक तेजी से वाहन चलाते हुए बिना साईड छोड़े गाड़ी को लेकर जाते है। मामला बढ़ते हुए देख पूर्व संसदीय सचिव कसाना व भाजपा नेता गोयल ने ग्रामीणों से समझाईश कर आग को बुझवाया।

इस दौरान ग्रामीण 20 लाख रूपये, मुआवजा व सरकारी नौकरी देने की मांग करने लगे। ग्रामीणों का कहना था कि बालिका के पिता पहले ही बीमार है, वहीं परिवार में माँ के अलावा छोटा भाई बच गया है। इसके बाद देर रात्रि मुख्यमंत्री चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना के तहत मुआवजा राशि व अन्य उचित सहायता का आश्वासन दिये जाने के बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त किया एवं दुर्घटना क्लेम की सहायता राशि दिलाये जाने पर भी सहमति बनी। इसके बाद ग्रामीण शव उठाकर पोस्टमार्टम के लिए सहमत हुये।

सरकार आ सकती है और आएगी में, बड़ा अंतर होता है!

सरकार रिपीट के बड़े-बड़े दावों के बीच मुख्यमंत्री की बड़ी स्वीकारोक्ति

- **डोटासरा बोले, ''हमारे कुछ लोग आरएसएस, बीजेपी से दोस्ती निभाते हैं, उनके कहने से अफसर चेंज हो जाते हैं, कांग्रेस एमएलए के कहने पर नहीं''**
- **बेटे-बेटियों के लिए टिकट मांगने वाले नेताओं पर बोले रंधावा, ''कांग्रेस को बर्बाद नहीं होने देंगे''**
- **नए पदाधिकारियों को स्पष्ट संदेश, ''काम करना होगा, वरना शाम को ही धन्यवाद का संदेश मिल जाएगा''**

जयपुर (का.प्र.)। राजस्थान में कांग्रेस के तमाम नेता फीलगुड एहसास कर रहे हैं लेकिन खुद मुख्यमंत्री ने ही कह दिया है कि सरकार आ रही है और सरकार आएगी, में बहुत बड़ा अंतर होता है। मुख्यमंत्री गहलोत ने प्रदेश कार्यकारिणी और जिला अध्यक्षों की बैठक में वर्चुअल रूप से शामिल होते हुए कहा कि पहली बार ऐसा हुआ है कि एंटी इनकंबेंसी नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग कहने लगे हैं कि राजस्थान में सरकार आएगी। सरकार आ सकती है और आएगी में बहुत अंतर होता है। जब जनता कहने लगी है कि सरकार आ सकती है, जब आप पदाधिकारी मेहनत करोगे और जनता के बीच माहौल बना दोगे, तो वे यह भी कहने लगेगी कि सरकार आएगी। अगर जनता यह कहने लगेगी, तो राजस्थान का ये मेसेज पूरे देश में जाएगा। गहलोत ने कटाक्ष करते हुए कहा कि जब कार्यकारिणी बनती है, तो लोग सिफारिश करवाते हैं। हम काम कर रहे हैं, लेकिन बनने के बाद प्रदेश अध्यक्ष को 5 लोग भी काम करने वाले नही मिलते हैं। यह क्या तरीका होता है? जब कोई पदाधिकारी बना है, तो वह खुद प्रदेश अध्यक्ष को आकर कहे कि मैं क्या काम कर सकता हूं। बैठक में पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कुछ मंत्रियों पर बीजेपी से दोस्ती निभाने का तंज कसते हुए कहा कि हमारे कुछ लोग आरएसएस बीजेपी से दोस्ती निभाते हैं, मैं मानता हूं। मुझे पता है किसी बीजेपी के नेता के कहने से अफसर चेंज हो जाते हैं लेकिन कांग्रेस एमएलए और कार्यकर्ता के कहने पर नहीं होते।

प्रदेश प्रभारी सुखजिंद्र रंधावा ने कहा कि कोई यह न सोचे कि मैं जीत जाऊंगा और बाकी सब हार जाएंगे। सब मिलकर बिना भेदभाव के काम करेंगे तो कांग्रेस आएगी। कांग्रेस रहेगी तो हम रहेंगे। भगत सिंह खुद को बनना होगा। इस मौके पर प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने परिवार के लिए टिकट मांग रहे नेताओं पर तंज कसा। उन्होंने खुद का उदाहरण देते हुए कहा कि जब मुझे टिकट दी गई, उसके बाद मेरे पिता पंजाब कांग्रेस के प्रेसिडेंट नहीं रहे। उन्होंने एक्टिव पॉलिटिक्स यह कहते हुए छोड़ दी कि अब मेरा बेटा आ गया, अब यही पॉलिटिक्स करेगा, मैं नहीं करूंगा। उन्होंने कहा कि हम कहां से स्प्रिंट लेकर आएंगे। नेता यह कह देते हैं कि मेरे बेटे को टिकट दो नहीं, तो में जहर खा लूंगा। अगर लीडर ऐसा करेंगे, तो दूसरा वर्कर है, उसका टाइम कब आएगा? अगर किसी लीडर का बेटा कैपेबल है, तो आ जाए, लेकिन नहीं है, तो कांग्रेस को हम का बर्बाद नहीं होने देंगे।

डॉ. सत्यनारायण सिंह के निधन पर शोक जताया

जयपुर, (का.सं.)। पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इंडिया ने डॉ.सत्यनारायण सिंह के निधन पर गहरा शोक जताया तथा परमेश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने की प्रार्थना की। सचिव देवी सिंह नरूका ने बताया कि सिंह के निधन का समाचार जानकर गहरा दुख हुआ। तीन मुख्यमंत्रियों के कार्यकाल में दो बार उन्होंने सूचना एवं जनसंपर्क के निदेशक पद पर कार्य किया। विविध समाजापयोगी विषयों पर उनके लेख निरंतर समाचार पत्र, पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहे हैं।

सड़क कार्यों का किया शिलान्यास

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के 232 नगर निकायों में 4101 सड़क विकास कार्यों का शिलान्यास किया। 1528 करोड़ रुपए लागत के इन सड़क विकास कार्यों से राज्य में 2642 कि.मी. लम्बाई की सड़कों का निर्माण और विकास होगा।

गहलोत ने शिलान्यास समारोह में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से प्रदेशवासियों को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रदेश की प्रगति में मजबूत सड़क तंत्र का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

केंद्रीय संसदीय कार्य, कोयला व खनन मंत्री एवं भाजपा राजस्थान के चुनाव प्रभारी प्रहलाद जोशी के साथ राजस्थान विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान प्रदेश के राजनैतिक हालातों के बारे में विस्तार से चर्चा की।

गोपाल केसावत ने यूपीआई के जरिए भी लिए रुपए

- **आरपीएससी की अधिशासी अधिकारी भर्ती परीक्षा में पास करवाने के नाम पर साढ़े 18 लाख रुपए की रिश्वत लेने का मामला**

जयपुर,(कासं)। आरपीएससी की अधिशासी अधिकारी भर्ती परीक्षा में पास के नाम पर साढ़े 18 लाख रुपए की रिश्वत लेने के मामले गिरफ्तार राज्य घुमन्तु जाति कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष गोपाल केसावत ने यूपीआई के जरिए रुपए लिए थे।

आरोपियों ने परिवादी से 50 हजार रुपए गोपाल केसावत को यूपीआई के माध्यम से ऑनलाइन दिलवाए। दोनों आरोपियों ने बताया कि रुपए तो रवीन्द्र को पहुंचाने हैं। रात एक बजे बाद रवीन्द्र को रिश्वत की यह रकम लेते हुए पकड़ा। पूछताछ में उसने बताया कि रुपए ऊपर तक पहुंचाने हैं। उसने गोपाल केसावत का नाम लिया। इसके बाद अन्य रकम के लिए घर बुला लिया। यहां शनिवार दोपहर उसने प्रताप नगर स्थित कुभा मार्ग पर अपने घर पर रिश्वत में से 7.50 लाख रुपए ले लिए, जिसके बाद एसीबी ने उसे पकड़ लिया।

उधर आरोपियों ने रिश्वत के रूप में इतनी रकम मांगी कि परिवादी के सामने संकट खड़ा हो गया। इसके बाद एसीबी ने रिश्वत की रकम में डमी करेंसी को शामिल किया।

सत्यापन में सामने आया कि आरोपियों ने पहले 40 लाख रुपए मांगे। परिवादी ने कहा कि वह इतनी रकम देने में समर्थ नहीं है। इस पर मामला 25 लाख रुपए में तय हुआ। आरोपियों ने ओएमआर सीट में बदलाव का भी झांसा दिया। सत्यापन में रिश्वत मांगने की पुष्टि होने के बाद एसीबी ने ट्रेप की कार्रवाई की तैयारी की। शुक्रवार को परिवादी 18.50 लाख रुपए लेकर गया तो अनिल और ब्रह्मप्रकाश ने तत्काल ले लिए।

'रियायती दरों पर पौधे मिलेंगे'

जयपुर। मानसून के दौरान सघन वृक्षारोपण की इच्छुक संस्थाओं व विभागों को राज्य सरकार रियायती दरों पर पौधे उपलब्ध करवायेगी। वन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल ने बताया कि जो संस्था अथवा विभाग 50 हजार से 2 लाख तक पौधे लेंगे, उन्हें नियत दर की 50 प्रतिशत राशि का डिस्काउंट (छूट) दिया जायेगा। इसके अलावा 2 लाख से ज्यादा पौधे लेने वालों के लिए नियत दर का 75 फीसदी डिस्काउंट दिया जायेगा। अग्रवाल ने बताया कि 'ट्री आउट साइड फोरेस्ट इन राजस्थान' के तहत विभागों द्वारा पौधे लगाने की इच्छा जताई जा रही है।

बहन-बेटियों पर अत्याचार अपराध बेलगाम, नहीं सहेगा राजस्थान: दीया कुमारी

जयपुर। प्रदेश में हर दिन महिला उत्पीडन, हत्या और दुष्कर्म के बढते मामलों और दलित उत्पीड़न को लेकर भाजपा प्रदेश कार्यालय में शुक्रवार को सांसद एवं भाजपा महामंत्री दीया कुमारी और भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जितेंन्द्र गोठवाल ने प्रेसवार्ता को संबोधित किया।

सांसद दीया कुमारी ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि करौली के हिंडोन की घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया। जिसमें एक युवती की दुष्कर्म कर हत्या कर दी गई, युवती के मुंह में तेजाब डाला गया और शव को कुंए में डाल दिया गया। इस घटना के बाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करने में लापरवाही बरती। पुलिस और प्रशासन के खिलाफ हम धरने पर बैठे हमारी ओर से कलेक्टर और एसपी से पुलिस अधिकारियों और थाने के स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील की गई। परंतु किसी पुलिस अधिकारी और स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई। इससे राजस्थान की छवि पूरी तरह धूमिल हो रही है। इन सभी घटनाओं को लेकर भाजपा प्रदेशभर में ''नहीं सहेगा राजस्थान'' आंदोलन करेगी। दीया कुमारी ने कहा कि कांग्रेस की महासचिव और प्रियंका गांधी वोटबैंक के लिए हाथरस जा सकती हैं, राजस्थान में पिकनिक मनाने आ सकती हैं। लेकिन प्रदेश में डूंगरपुर, खाजूवाला, अलवर और चुरू सहित अन्य स्थानों पर नाबालिग और महिलाओं के खिलाफ 17 जघन्य दुष्कर्म और हत्या की घटनाओं में से किसी पीडित परिवार के यहां प्रियंका गांधी नहीं पहुंची।

अमेरिकी ओपन : लक्ष्य सेमीफाइनल में, सिंधू का सफर खत्म

वशिंगटन, 15 जुलाई। हाल ही में संपन्न कनाडा ओपन के विजेता और भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन हमवतन शंकर मुथुसामी को हरा कर अमेरिकी ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर गये हैं। शुक्रवार को खेले गये सेमीफाइनल में लक्ष्य का सामना चीनी शटलर ली शि फेंग से होगा। लक्ष्य ने चेन्नई के युवा शटलर शंकर को आसान मुकाबले में 21-10, 21-17 से मात दी। करीब 38 मिनट तक चले मैच में शंकर कभी भी लक्ष्य के सामने टिकते दिखायी नहीं दिये। उधर, महिला एकल में पीवी सिंधू को एक बार फिर महत्वपूर्ण मोड़ पर हार का सामना करना पड़ा। वर्ल्ड नंबर 12 सिंधू को चीन की गाओ फांस जि ने 22-20, 21-13 से हराया। सिंधू को चीनी बाला ने शुरू से ही परेशान किया। पहले गेम में सिंधू ने हालांकि कडी टक्कर दी मगर दूसरे गेम में वह प्रतिद्वंदी के सामने थकी नजर आयी जिसका भरपूर फायदा उठाते हुये फांस जि ने उन्हे उबरने का मौका नहीं दिया और अंतिम चार में अपनी जगह बना ली।

दलीप ट्रॉफी : पांचाल ने करायी पश्चिम क्षेत्र की वापसी, रोमांच बरकरार

बेंगलुरू 15 जुलाई। कप्तान प्रियांक पांचाल (92 नाबाद) और सरफराज खान (48) के बीच 98 रन की उपयोगी भागीदारी की बदौलत पश्चिम क्षेत्र ने दलीप ट्राफी के खिताबी मुकाबले में दक्षिण क्षेत्र के खिलाफ शनिवार को वापसी का जज्बा दिखाते हुये अपनी दूसरी पारी में पांच विकेट खोकर 182 रन बना लिये। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर मैच के चौथे दिन का खेल खत्म होने के समय पांचाल का साथ अतित सेठ दे रहे थे। मैच के पांचवें और अंतिम दिन पश्चिम को जीत के अभी भी 116 रनों की जरूरत है वहीं दक्षिण क्षेत्र के गेंदबाजों का लक्ष्य पांचाल के विकेट के साथ अन्य चार बल्लेबाजों को सस्ते में निपटाने का होगा। दक्षिण क्षेत्र ने पहले बल्लेबाजी करते हुये पहली पारी में 213 रन बनाये थे जिसके जवाब में पश्चिम की पहली पारी 146 रनों पर सिमट गयी थी। 67 रन की लीड के साथ दक्षिण के बल्लेबाजों ने दूसरी पारी शुरू की और 230 रन बना कर पश्चिम को जीत के लिये 298 रनो का लक्ष्य दिया।

अश्विन का करिश्मा, भारत ने विंडीज को पारी और 141 रन से हराया

डोमिनिका, 15 जुलाई। रविचंद्रन अश्विन (71 रन पर सात विकेट) के करिश्मायी प्रदर्शन के बूते भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट मैच तीसरे दिन शुक्रवार को पारी और 141 रन से जीत लिया। भारत की मिली यह जीत एशिया के बाहर के देश में मिली सबसे बड़ी जीत है।

इस जीत के हीरो रविचंद्रन अश्विन बने जिन्होने मैच की दोनो पारियों में 131 रन देकर 12 विकेट लिए और आठवीं बार 10 विकेट लेने के अनिल कुंबले के रिकॉर्ड की बराबरी की। विंडसर पार्क में मेजबान टीम ने पहली पारी में 150 रन बनाये थे जिसके जवाब में भारत ने अपनी पहली पारी पांच विकेट पर 421 रन बना कर समाप्त घोषित कर दी। 271 की बड़ी बढ़त लेने के बाद भारत ने वेस्टइंडीज को दूसरी पारी में 130 रन पर समेट दिया।

कप्तान रोहित शर्मा ने वेस्टइंडीज की दूसरी पारी मे शुरू में सिर्फ चार ओवर तेज गेंदबाजों से कराये और पिच के मिजाज के भांपते हुये रवीन्द्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन की जोडी को आगे कर दिया जिन्होने अपने कप्तान को निराश नहीं किया। वेस्ट इंडीज का स्कोर अभी आठ रन ही पहुंचा था कि जडेजा ने सलामी बल्लेबाज तैगेनारिन चंद्रपॉल (7) को पगबाधा आउट किया जबकि पारी के 17वें ओवर में कप्तान क्रैग ब्रैथवेट (7) का विकेट चटका कर अश्विन ने अपने कातिलाना स्पेल का आगाज किया।

जर्मेनी ब्लैकवुड (5) के दूसरे शिकार बने वहीं रेमन रीफर (11) जडेजा की गेंद पर विकेट के आगे पाये गये। इस बीच मोहम्मद सिराज ने जोशुआ दा सिल्वा (11) को पगबाधा आउट किया जबकि बाद के पांच विकेट अश्विन के खाते में गये। एलिक अथानाजे (28) वेस्टइंडीज की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने जबकि जेसन होल्डर 20 रन बना कर नाबाद पवेलियन लौटे। इससे पहले भारत ने अपनी पहली पारी पांच विकेट पर 421 रन बना कर समाप्त घोषित कर दी थी। भारत को मैच जिताऊ लीड दिलाने में यशस्वी जयसवाल (171),रोहित शर्मा (103) और विराट कोहली (72) की भूमिका उल्लेखनीय रही।

हार का कारण खराब बल्लेबाजी बनी : ब्रेथवेट

डोमिनिका, 15 जुलाई। भारत के खिलाफ शर्मनाक हार से झल्लाये वेस्टइंडीज के कप्तान क्रेग ब्रेथवेट ने कहा कि बल्लेबाजों का निराशाजनक प्रदर्शन हार के मुख्य कारक बना। ब्रेथवेट ने कहा हमने पहली पारी में सिर्फ 150 रन बनाये जो पर्याप्त नहीं थे, भारत की बैटिंग लाइनअप मजबूत है और उन्होने इसे साबित कर दिखाया। दूसरी पारी में हमारे पास 271 रन की लीड से पार पाने की चुनौती थी। हमारे बल्लेबाजों को दवाब को दूर रख कर संयम से बल्लेबाजी करनी चाहिये थी जो हम नहीं कर सके। मैं भी असफल रहा। कप्तान होने के नाते मुझे रन बनाने चाहिये थी ताकि टीम का हौसला बढ़ सके।

लाजवाब बल्लेबाज है यशस्वी : रोहित शर्मा

डोमिनिका, 15 जुलाई। वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली ऐतिहासिक जीत से प्रफुल्लित भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के जज्बे की तारीफ करते हुये कहा कि उनके गजब की प्रतिभा है और दूसरे छोर पर उनको बल्लेबाजी करते देखना सुखद अनुभव रहा। मैच के बाद रोहित ने कहा, हमें पता था कि वह (यशस्वी) अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार हैं। पिछले दो साल के उनके प्रदर्शन ने दिखाया था कि वह बड़े मंच के लिए तैयार हैं। उन्होंने धैर्य व संजीदगी के साथ बल्लेबाज़ी की और अपना टेंपरामेंट दिखाया। किसी भी क्षण ऐसा नहीं लगा कि वह तेज़ी में हैं या अपनी योजनाओं से दूर जा रहे हैं।

मार्केटा वोंद्रासोवा विंबलडन जीतने वाली पहली गैरवरीय खिलाड़ी बनी

लंदन, 15 जुलाई। मार्केटा वोंद्रोसोवा ने महिला एकल के फाइनल में ओन्स जाबेउर को सीधे सेटों में पराजित करके विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीतने वाली सबसे कम रैंकिंग की और पहली गैर वरीयता प्राप्त खिलाड़ी बन गई।

चेक गणराज्य की 24 वर्षीय खिलाड़ी वोंद्रोसोवा ने पिछले साल की उपविजेता और छठी वरीयता प्राप्त जाबेउर को 6-4, 6-4 से हराकर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल किया। बाएं हाथ से खेलने वाली वोंद्रोसोवा की विश्व रैंकिंग 42 है और वह पिछले 60 सालों में विंबलडन में फाइनल में खेलने वाली पहली गैर वरीयता प्राप्त खिलाड़ी बनी थी। वोंद्रोसोवा दोनों सेट में पिछड़ रही थी लेकिन पहले सेट में उन्होंने लगातार चार अंक बनाकर जीत दर्ज की जबकि दूसरे सेट में अंतिम तीन गेम जीतकर खिताब अपने नाम किया। यह उनका पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है। वह 2019 में फ्रेंच ओपन के फाइनल में हार गई थी। जाबेउर तीसरी बार ग्रैंड स्लैम फाइनल में हारी है। ट्यूनीशिया की यह 28 वर्षीय खिलाड़ी किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाली पहली अरब महिला और उत्तरी अफ्रीका की एकमात्र महिला खिलाड़ी है। वह पिछले साल ऑल इंग्लैंड क्लब में इलेना रायबाकिना से जबकि अमेरिकी ओपन में इगा स्वियातेक से हार गई थी। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले यह कल्पना करना भी मुश्किल था कि वोंद्रोसोवा चैंपियन बनेगी।

वर्तमान टूर्नामेंट से पहले विंबलडन में उनका रिकॉर्ड 1-4 था लेकिन इस बार उन्होंने लगातार सात मैच जीतकर खिताब अपने नाम किया। वह चोटिल होने के कारण पिछले साल विंबलडन में भाग नहीं ले पाई थी। वोंद्रोसोवा चोटिल होने के कारण पिछले साल अप्रैल से अक्टूबर तक बाहर रही थी और 2022 के आखिर में उनकी विश्व रैंकिंग 99 पहुंच गई थी।

पंजाब एफसी ने तीन विदेशी खिलाड़ियों की सेवाएं बढ़ाई

मोहाली, 15 जुलाई। राउंडग्लास स्पोर्ट्स के स्वामित्व वाली पंजाब एफसी ने आई-लीग विजेता टीम के तीन विदेशी खिलाड़ियों स्लोवेनियाई फॉरवर्ड लुका माजसेन, स्पेनिश मिडफील्डर जुआन मेरा और नेपाली कस्टोडियन किरण कुमार लिम्बु की सेवाओं को 2023-24 सत्र तक के लिये विस्तार दिया है। ये तीनों खिलाड़ी क्लब के ख़िताब जीतने वाले सीज़न में महत्वपूर्ण थे। लुका माजसेन शानदार गोल स्कोरिंग फॉर्म में थे। उन्होंने 16 गोल करके आई-लीग सीज़न को शीर्ष स्कोरर के रूप में समाप्त किया। उन्हें लीग का हीरो भी चुना गया। बाएं पैर के जादूगर, जुआन मेरा, टीम के लिए मिडफ़ील्ड के सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी थे। उन्हें लीग का सर्वश्रेष्ठ मिडफ़ील्डर चुना गया था। सीज़न को 10 गोल के साथ समाप्त करते हुए उन्होंने अग्रिम योगदान भी दिया। यह जुआन का भारत में सबसे अच्छा सीज़न भी था। नेपाली कस्टोडियन किरण कुमार लिम्बु को स्टिक के बीच शानदार प्रदर्शन के लिए लीग का सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुना गया। पंजाब एफसी के तकनीकी निदेशक निकोलाओस टोपोलियाटिस ने कहा, पंजाब एफसी के ऐतिहासिक आई-लीग खिताब जीतने वाले सीज़न में उनके शानदार प्रदर्शन के बाद हम लुका, जुआन और किरण की सेवाओं का विस्तार करने के लिए उत्साहित हैं।

फेडरर के आठ विंबलडन खिताब की बराबरी के लिए जोकोविच के सामने अलकराज की चुनौती

विंबलडन, 15 जुलाई। दूसरी वरीयता प्राप्त नोवाक जोकोविच विंबलडन के फाइनल मुकाबले के लिए रविवार को मैदान में उतरेंगे तो उनकी नजरें दिग्गज रोजर फेडरर के आठ खिताब के रिकॉर्ड पर बराबरी करने की होगी लेकिन इसके लिए उन्हें शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अलकराज की चुनौती से पार पाना होगा। रिकॉर्ड 23 ग्रैंड स्लैम जीत चुके जोकोविच ने सात बार विंबलडन पुरुष एकल का खिताब जीता है। रिकॉर्ड फेडरर के नाम है जो आठ बार इसके चैम्पियन बने हैं।

इस मैच में अनुभव और युवा जोश का मुकाबला देखने को मिलेगा। जोकोविच 36 साल के है जबकि अलकराज 20 बरस के है। किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में 1974 यह बाद यह उम्र का सबसे बड़ा फासला होगा। जोकोविच अगर चैम्पियन बनते हैं तो वह ओपन युग में विंबलडन का पुरुष एकल मुकाबला जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होंगे।

वह लगातार पांचवीं बार इस खिताब को जीतना चाहेंगे। मुकाबले से पहले जोकोविच ने स्पेन के युवा खिलाड़ी अलकराज की तुलना खुद से करते हुए तारीफ की। जोकोविच ने कहा, '' वह प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी के खिलाफ किसी भी सतह पर चुनौतियों के अनुकूल ढालने में अविश्वसनीय रूप से सफल रहा है। इस खेल में यह मेरा मजबूत पक्ष रहा है। मैंने अपने पूरे करियर में इसे अपनी सबसे बड़ी ताकत के रूप में महसूस किया। वह (अलकराज) अपने करियर की शुरुआत में ही अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।''

अलकराज से जब जोकोविच के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, '' उनकी कोई कमजोरी नहीं है। वह इस खेल की पूर्णता के करीब है। वह कमाल के खिलाड़ी हैं और मैच में कोई गलती नहीं करते हैं। वह शारीरिक और मानसिक तौर पर काफी मजबूत हैं।'' अलकराज रैंकिंग में शीर्ष पर हैं जबकि जोकोविच दूसरे स्थान पर हैं। जोकोविच हालांकि सबसे ज्यादा समय तक शीर्ष रैंकिंग पर रहे हैं। सेमीफाइनल में अलकराज ने तीसरी वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव की चुनौती को आसानी से 6-3 6-3 6-3 ध्वस्त कर दिया था।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत को वनडे के लिए बेहतर विकेट मिलने की उम्मीद

मीरपुर, 15 जुलाई। भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर को उम्मीद है कि बांग्लादेश के खिलाफ रविवार से यहां शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला बल्लेबाजी के लिए बेहतर विकेट पर खेली जाएगी। भारत ने टी20 श्रृंखला 2-1 से जीती लेकिन शेरे बांग्ला राष्ट्रीय स्टेडियम की धीमी पिच पर बल्लेबाजों को रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। भारतीय टीम ने दूसरे और तीसरे मैच में क्रमश: 95 और 102 रन बनाए जबकि बांग्लादेश ने पहले मैच में 114 रन बनाए थे।

हरमनप्रीत ने कहा कि वनडे टी20 की तुलना में अलग तरह का खेल है और उसमें बल्लेबाजों को मुश्किल परिस्थितियों में अच्छा स्कोर बनाने के लिए धैर्य बरतना होता है। हरमनप्रीत ने पहले वनडे की पूर्व संध्या पर कहा,'' हम जहां भी जाते हैं वहां अच्छे और दोनों टीम के लिए अनुकूल विकेट पर खेलना चाहते हैं लेकिन जितना मुझे पता है कल फिर से हमें उसी पिच पर खेलना होगा। उम्मीद है कि अंतिम दो मैचों में हमें बल्लेबाजी के लिए बेहतर विकेट मिलेगा।''

उन्होंने कहा,'' एशियाई परिस्थितियों में विकेट धीमा हो सकता है। बल्लेबाजी इकाई के रूप में हमें रन बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी और हम इसके लिए तैयार हैं।'' बांग्लादेश श्रृंखला जीत सकती थी लेकिन दूसरे टी20 मैच में उसकी टीम 96 रन के लक्ष्य तक भी नहीं पहुंच पाई थी। बांग्लादेश ने तीसरे मैच में जीत दर्ज की जिससे उसकी टीम का मनोबल बढ़ा होगा। हरमनप्रीत को छोड़कर भारतीय टीम में लंबे शॉट खेलने वाली कोई खिलाड़ी नहीं है जिसका उसे टी20 श्रृंखला में खामियाजा भुगतना पड़ा। स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स जैसे खिलाड़ियों को वनडे में अपनी पारी संवारने के लिए अधिक समय मिलेगा।

गेंदबाजों का कार्यभार प्रबंधन चिंता का सबब, बुमराह की कमी खल रही है : म्हाम्ब्रे

रोसीयू, 15 जुलाई। भारत के गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने स्वीकार किया है कि गेंदबाजों का कार्यभार प्रबंधन टीम प्रबंधन के लिये चिंता का सबब है , खासकर इस वर्ष के व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए। म्हाम्ब्रे ने कहा कि पिछले कुछ समय में तेज गेंदबाजों के लगातार चोटिल होने के बाद टीम प्रबंधन इस पर विशेष तौर पर काम कर रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत को जसप्रीत बुमराह की कमी खली है और टीम के भीतर गेंदबाजों के कार्यभार प्रबंधन पर लगातार बात होती रही है। उन्होंने कहा ,'' गेंदबाजों की चोटें और कार्यभार प्रबंधन चिंता का सबब है । पिछले डेढ़ साल में हमें बुमराह की कमी खूब खली। हमने यह तय नहीं किया है कि सफेद गेंद के प्रारूप में कौन खेलेगा और लाल गेंद में कौन लेकिन गेंदबाजों को विश्राम देने की जरूरत है।'' उन्होंने कहा ,'' इससे हमें बेंच स्ट्रेंथ तैयार करने का भी मौका मिलता है। हमें गेंदबाजों की फिटनेस और कार्यभार प्रबंधन का ख्याल रखना होगा।'' बुमराह सितंबर 2022 के बाद से कमर की चोट के कारण टीम से बाहर हैं। उन्होंने इस साल मार्च में आपरेशन कराया है।

राजस्थान घुमन्तु जाति कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष 18.50 लाख रू. की रिश्वत लेते गिरफ्तार

एसीबी ने पिछले दो दिन में जयपुर और सीकर में कार्रवाई कर पूर्व अध्यक्ष केसावत सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया

जयपुर, 15 जुलाई (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ए.सी.बी.) की टीम ने पिछले दो दिनों में सीकर और जयपुर में कार्रवाई करते हुये राजस्थान घुमन्तु जाति कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष गोपाल केसावत, अनिल कुमार धरेन्द्र, ब्रह्मप्रकाश, रविन्द्र शर्मा को 18 लाख 50 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

- आरोपियों ने आर.पी.एस.सी. की अधिशासी अधिकारी भर्ती परीक्षा में पास करवाने व ओ.एम.आर. शीट बदलवाने के लिए 25 लाख रुपए में सौदा किया था।
- आरोपियों के आवास एवं अन्य ठिकानों की तलाशी चल रही है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक हेमन्त प्रियदर्शी ने बताया कि ए.सी.बी. की सीकर इकाई को राजगढ़ निवासी परिवादी ने शिकायत दी थी। शिकायकर्ता ने ए.सी.बी. को बताया कि, राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित अधिशासी अधिकारी (ई.ओ.) भर्ती परीक्षा में पास करवाने तथा ओ.एम.आर. शीट बदलवाने के नाम पर राज्य घुमन्तु जाति कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष गोपाल केसावत तथा तीन प्राइवेट व्यक्ति अनिल कुमार धरेन्द्र, ब्रह्मप्रकाश, रविन्द्र शर्मा 40 लाख रुपये की रिश्वत मांग रहे हैं।

ए.सी.बी की टीम ने 18.5 लाख रुपये की रिश्वत के मामले में राजस्थान घुमंतु जाति कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष गोपाल केसावत सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

इस पर ए.सी.बी., जयपुर के पुलिस उप महानिरीक्षक कालूराम रावत के सुपरवीजन में ए.सी.बी. सीकर इकाई के पुलिस उपाधीक्षक राजेश जांगिड़ के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया गया। इस दौरान आरोपियों द्वारा 25 लाख रुपये रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। इस पर ए.सी.बी. की टीम ने शुक्रवार को सीकर में अनिल कुमार धरेन्द्र पुत्र सत्यनारायण निवासी हनुमानगढ़ टाउन एवं ब्रह्मप्रकाश पुत्र देवदा शर्मा निवासी दिल्ली को परिवादी से 18 लाख 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। ए.सी.बी. ने मामले और लोगों के लिप्त होने के मद्देनजर इस पूरी कार्रवाई को गोपनीय रखा। पूछताछ में सामने आया कि, यह रकम आगे जयपुर जानी है। उसी दिन देर रात एक बजे सीकर में रविन्द्र शर्मा पुत्र बलराम निवासी टिब्बी, हनुमानगढ़ को हाईवे पर 7 लाख 50 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया। वहीं इनसे पूछताछ के बाद शनिवार को जयपुर में आरोपी राज्य घुमन्तु जाति कल्याण बोर्ड का पूर्व अध्यक्ष गोपाल केसावत पुत्र हरचंदा निवासी कुंभा मार्ग, प्रतापनगर, जयपुर को परिवादी से 7 लाख 50 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया गया।

ए.सी.बी. के पुलिस महानिरीक्षक सवाई सिंह गोदारा के निर्देशन में आरोपियों से पूछताछ जारी है। प्रारम्भिक पूछताछ में पता चला कि आरोपियों में एक जयपुर सचिवालय का रिटायर्ड कर्मचारी है।

भारत और यू.ए.ई. अब अपनी मुद्रा, रुपया और दिरहम में आपसी कारोबार करेंगे

प्र.मंत्री मोदी व यू.ए.ई. के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की बैठक में दोनों देशों के बीच आपसी मुद्रा में कारोबार करने पर पूर्ण सहमति बनी

- इसके अलावा, आई.आई.टी. दिल्ली का एक कैम्पस अबू धाबी में खोलने के बारे में भी समझौता हुआ है।
- बैठक खत्म होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि, भारत और यू.ए.ई. के बीच व्यापार, पिछले साल मई में व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता लागू होने के बाद से करीब 20 प्रतिशत बढ़ चुका है।

नई दिल्ली, 15 जुलाई। प्रधानमंत्री मोदी के युनाइटेड अरब अमारेट्स (यू.ए.ई.) के दौरे पर कई अहम डील हुई हैं। इनमें कारोबारी लेन-देन अपनी मुद्राओं में शुरू करने और भारत की एकीकृत भुगतान प्रणाली यू.पी.आई. को यू.ए.ई. के तत्काल भुगतान मंच आई.पी.पी. से जोड़ने पर शनिवार को सहमति बनी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यहां यू.ए.ई. के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ हुई व्यापक बातचीत के दौरान इन दोनों मुद्दों पर सहमति जताई गई। इसके अलावा आई.आई.टी. दिल्ली का एक कैंपस अबू धाबी में खोलने के बारे में भी समझौता हुआ है।

बैठक खत्म होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और यू.ए.ई. के बीच व्यापार पिछले साल मई में व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता लागू होने के बाद से करीब 20 प्रतिशत बढ़ चुका है। उन्होंने कहा कि भारत और यू.ए.ई. के बीच स्थानीय मुद्राओं में कारोबारी लेन-देन शुरू करने का समझौता दोनों देशों के बीच मजबूत आर्थिक सहयोग और आपसी विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस समझौते से द्विपक्षीय कारोबार एवं निवेश को मजबूती मिलेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने एक ट्वीट में कहा कि महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मिलना हमेशा खुशी की बात है। विकास के लिए उनकी ऊर्जा और दृष्टिकोण सराहनीय है। हमने सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के तरीकों सहित भारत-यू.ए.ई. संबंधों से जुड़े सभी विषयों पर चर्चा की।

मोदी ने कहा कि उन्हें शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से हमेशा भाई का प्यार मिला। उन्होंने यू.ए.ई. के राष्ट्रपति से कहा कि जिस तरह से हमारे देशों के बीच संबंधों का विस्तार हुआ है, उसमें आपका बहुत बड़ा योगदान है। भारत का हर व्यक्ति आपको एक सच्चे दोस्त के रूप में देखता है। दोनों देशों के केंद्रीय बैंकों के बीच हुए समझौते के तहत दोनों देशों की मुद्राओं रुपये और यू.ए.ई. दिरहम में कारोबारी लेन-देन किए जा सकेंगे।

इस समझौते पर भारतीय रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.) के गवर्नर शक्तिकांत दास और यू.ए.ई. सेंट्रल बैंक के गवर्नर खालेद मोहम्मद बलामा ने दो समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। आधिकारिक वक्तव्य के मुताबिक, दोनों देशों के केंद्रीय बैंक रुपये और दिरहम का कारोबारी लेन-देन में इस्तेमाल बढ़ाने के लिए एक ढांचा खड़ा करेंगे।

इसके साथ ही वे दोनों देशों की भुगतान प्रणालियों यू.पी.आई. और आई.पी.पी. को एक-दूसरे से जोड़ने के लिए सहयोग करेंगे। इससे भारतीय रुपये और यू.ए.ई. दिरहम दोनों को लाभ होगा। आर.बी.आई. ने एक बयान में कहा कि समझौता ज्ञापन में चालू खातों के सारे लेन-देन और स्वीकृत पूंजी खाता लेन-देन भी शामिल हैं।

489 दिन जेल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है कि लड़के की माँ एवं मामा की मौजूदगी में एक मंदिर में उनकी शादी हो गई थी तथा वे पति-पत्नी के रुप में रहने लगे थे। लेकिन, उसके बाद प्रेम में कटुता आ गई। लड़के पर प्रीवेंशन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेन्सेज (पी.ओ.सी.एस.ओ.- पोक्सो) एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत अपहरण एवं बलात्कार के आरोप लगाये गये हैं।

उसे एक वयस्क के रुप में 489 दिन जेल में रखा गया तथा बाद में 242 दिन से अधिक समय तक किशोर अपराधी गृह में रखा गया। शुक्रवार (14 जुलाई) को सर्वोच्च न्यायालय ने उसकी करीब दो साल की कड़ी परीक्षा की समाप्त कर दी तथा उसे जमानत दे दी। यह जमानत ट्रायल कोर्ट द्वारा निर्धारित उचित शर्तों के तहत दी गई है। उसके परिवार ने एक सत्र न्यायालय में एक अर्जी लगाकर अनुरोध किया था कि उसे बाल-निरीक्षण गृह में रखा जाये। अन्त में, करीब एक साल बाद अदालत ने उसे किशोर अपराधी गृह में भेज दिया था। इस जगह वह करीब 8 महीने रहा। जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड तथा एक हाई कोर्ट ने उसकी रिहाई के लिये उसके परिवार द्वारा किये गये प्रयासों पर पानी फेर दिया था।

अन्त में यह लड़का, एडवोकेट नमित सक्सेना के माध्यम से सर्वोच्च न्यायालय पहुंचा तथा राजस्थान उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी, जिसने इस साल अप्रैल में इस लड़के का क्रिमिनल रिविजन पिटिशन खारिज कर दी थी सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस ए.एस. बोपन्ना और सुधांशू धूलिया की बैंच ने शुक्रवार को उसे जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए।

लड़ाकू विमानों के इंजन व स्कॉर्पिन पनडुब्बियां बनाने में मदद देगा फ्रांस

- फ्रांस लड़ाकू विमानों व हैलिकॉप्टरों के इंजन बनाने की टैक्नॉलजी भारत के साथ साझा करने व भारत में ही इनके निर्माण के लिए समग्र मदद करने के लिए तैयार हुआ।
- प्रधानमंत्री मोदी की ऐतिहासिक फ्रांस यात्रा सम्पन्न होने से पहले भारत और फ्रांस दोनों ने मिलकर आपसी संबंधों का, अगले 25 वर्षों का विज़न पेश किया।

पेरिस, 15 जुलाई (वार्ता)। भारत और फ्रांस ने अपनी रणनीतिक साझीदारी की 25वीं वर्षगांठ पर अपने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को अभूतपूर्व ऊंचाई देते हुए लड़ाकू विमानों के इंजन, स्कॉर्पीन पनडुब्बी एवं भारी मालवाहक हेलीकॉप्टर के इंजन के विकास एवं सह-उत्पादन के करार करने के साथ ही एक दीर्घकालिक रक्षा औद्योगिक सहयोग का रोडमैप बनाने की घोषणा की है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की फ्रांस की ऐतिहासिक यात्रा के संपन्न होने पर दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझीदारी को अगले 25 वर्षों तक विस्तार देने के रोडमैप क्षितिज 2047: भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी की 25वीं वर्षगांठ, भारत-फ्रांस संबंधों की एक सदी की ओर से यह घोषणा की गयी। इस संयुक्त दस्तावेज में कहा गया है कि भारत-फ्रांस साझीदारी की 25वीं वर्षगांठ के मौके पर दोनों देश 2047 तक द्विपक्षीय संबंधों की दिशा तय करने के लिए एक रोडमैप अपनाने पर सहमत हुए, जो भारत की स्वतंत्रता की शताब्दी, दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की शताब्दी और रणनीतिक साझीदारी की स्वर्ण जयंती वर्ष का जश्न मनाएगा।

भारत और फ्रांस अन्तर्राष्ट्रीय शांति और स्थिरता के हित में एक साथ काम करने का इरादा रखते हैं और भारत-प्रशांत और उससे आगे एक नियम-आधारित व्यवस्था के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। वे अपने-अपने संप्रभु और रणनीतिक हितों के अनुरूप, समान लोगों के बीच साझेदारी के ढांचे के भीतर काम करने के लिए सहमत हैं, जैसा उन्होंने 1998 से किया है।

इस संयुक्त दस्तावेज में 'सुरक्षा और संप्रभुता के लिए साझीदारी: संप्रभु रक्षा क्षमताओं का साझा निर्माण' विषय में सामरिक सहयोग को रेखांकित किया गया है। दस्तावेज में कहा गया, भारत में आत्मनिर्भर रक्षा औद्योगिक एवं तकनीकी आधार विकसित करने में फ्रांस भारत के प्रमुख भागीदारों में से एक है। भारत और फ्रांस तीसरे देशों के लाभ सहित उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकियों के सह-विकास और सह-उत्पादन में सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

दस्तावेज में कहा गया कि पांच दशकों से अधिक समय से सैन्य उड्डयन में अपने उत्कृष्ट सहयोग के अनुरूप, भारत और फ्रांस भारत द्वारा ऑर्डर किए गए 36 राफेल की समय पर डिलीवरी का स्वागत करते हैं। भविष्य में, भारत और फ्रांस लड़ाकू विमान इंजन को संयुक्त रूप से विकसित करके उन्नत वैधानिक प्रौद्योगिकियों में अपने रक्षा सहयोग का अभूतपूर्व विस्तार करेंगे। दोनों पक्ष भारतीय मल्टीरोल हेलीकॉप्टर (आई.एम.आर.एच.) कार्यक्रम के तहत भारी-लिफ्ट हेलीकॉप्टरों में मोटर लगाने के लिए सफ्रान हेलीकॉप्टर इंजन, फ्रांस के साथ औद्योगिक सहयोग के पक्षधर हैं। आई.एम.आर.एच. कार्यक्रम में इंजन विकास के लिए, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एच.ए.एल.) और सफ्रान हेलीकॉप्टर इंजन, फ्रांस के बीच साझीदारी का एक समझौता संपन्न हुआ है। दस्तावेज के अनुसार आपसी विश्वास पर आधारित इस रक्षा औद्योगिक साझीदारी के अन्य उदाहरणों में शक्ति इंजन के लिए फोर्जिंग और कास्टिंग की प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण के लिए भी सफ्रान हेलीकॉप्टर इंजन और एच.ए.एल. के बीच अनुबंध हुआ है।

अभिषेक बच्चन लोकसभा चुनाव लड़ेंगे?

नई दिल्ली, 15 जुलाई। बॉलीवुड अभिनेता और सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन के बेटे अभिषेक बच्चन को लेकर प्रयागराज में अचानक चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है।

ये चर्चाएं उनकी अगली पारी को लेकर हैं। कहा जा रहा है अभिषेक 2024 के चुनावी रण में प्रयागराज की धरती पर ताल ठोंक सकते हैं।

याद दिला दें कि 1984 में अमिताभ बच्चन ने भी इलाहाबाद लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा था। उस चुनाव में अमिताभ ने पूर्व मुख्यमंत्री और दिग्गज नेता हेमवती नंदन बहुगुणा को हराकर इतिहास रच दिया था।

विपक्ष की बैंगलोर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से गढी गई कुमार की छवि का पूरा पूरा लाभ लिया जाये। बिहार महागठबन्धन के नेताओं का कहना है कि उनके राजनीति प्रभाव में थोडी बहुत कमी आ जाने के बावजूद, नीतीश कुमार, भाजपा नेताओं की कार्यशैली की बेहतर समझ रखने के कारण, भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ सर्वाधिक उपयोगी नेता के रूप में हैं।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पूर्वी क्षेत्र में रीजनल कोऑडिनेटर और दिल्ली के मुख्यमंत्री को दिल्ली, हरियाणा और पंजाब की जिम्मेदारी दी जा सकती हैं।

एजेंडा में अगले वर्ष आम चुनावों में भाजपा के सामने एक साझा उम्मीदवार खड़ा करने की रणनीति का ब्लूप्रिन्ट तैयार करना भी शामिल है।

अगर यह योजना बन गई तो इससे सबसे ज्यादा कांग्रेस को फायदा होगा क्योंकि 188 सीटों पर भाजपा का कांग्रेस से सीधा मुकाबला है। वर्ष 2019 में विपक्ष के वोट बंटने की वजह से भाजपा ने इन सीटों पर कांग्रेस का हरा दिया था।

वन-टू-वन रणनीति का पहला टैस्ट करने के लिए कांग्रेस नेता राजस्थान मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ के विधान सभा चुनावों में यह नीति लागू करने पर जोर दे सकते हैं, जहां कांग्रेस भाजपा में सीधी टक्कर हैं।

पटना सम्मेलन की तुलना में इस सम्मेलन में के.डी.एम.के. तथा एम.डी.एम.के. सहित 8 अन्य क्षेत्रीय दलों को भी निमंत्रण दिया गया है।

ये दोनों पार्टियां वर्ष 2014 में एन.डी.ए. मं थी। बैंगलूर सम्मेलन में सोनिया गाधी की मौजूदगी से विपक्षी एकता को बल मिलेगा क्योंकि उनके विपक्ष के कई नेताओं से सौहाद्रपूर्ण सम्बन्ध हैं।

राहुल ने मानहानि ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के तुरन्त बाद, 24 मार्च, 2023 को उन्हें संसद की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। गांधी की सजा पर "स्टे" मिलने से उन्हें लोकसभा सांसद के रूप में उनकी बहाली का रास्ता साफ हो सकता है। लेकिन उन्हें न तो सत्र न्यायालय से कोई राहत मिली है और न गुजरात उच्च न्यायालय से। राहुल गांधी के खिलाफ कुल 10 केस विचाराधीन हैं। उनके खिलाफ पुणे की अदालत में वीर सावरकर के पौत्र ने भी एक केस दायर कर रखा है। यह केस राहुल गांधी द्वारा इंग्लैंड के केम्ब्रिज विश्वविद्यालय में वीर सावरकर के लिये प्रयुक्त शब्दों को लेकर किया गया है।

हाइटैंशन लाइन की चपेट में आए कांवड़िये, 5 की मौत

मेरठ, 15 जुलाई। यू.पी. के मेरठ में भावनपुर के राली चौहान गांव में शनिवार रात करीब 8.30 बजे दर्दनाक हादसे से कोहराम मच गया। कांवड़ और उसके साथ चल रहा साउंड सिस्टम 11 हजार के.वी. की बिजली लाइन की चपेट में आ गया और उसमें सवार तमाम लोग करंट से झुलस गए। 20 घायलों को आनन-फानन में आसपास के अस्पतालों और मेडिकल कॉलेज भेजा गया। हादसे में दो भाइयों समेत 5 लोगों की मौत हो गई। सूचना पर ए.डी.जी., आईजी और डीएम-एस.एस.पी. भी मौके पर पहुँचे। वहीं, इस घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने मौके पर हंगामा करते हुए जाम लगा दिया और बिजली विभाग के कर्मचारियों पर मुकदमे की मांग की। राली चौहान गांव निवासी संजू और प्रदीप अपने साथियों के साथ शनिवार रात कांवड़ लेकर हरिद्वार से गांव पहुंचे। गांव से बाहर मेरठ-किला मार्ग पर कांवड़ देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ जमा थी।

मोदी शासनकाल में इसरो के मिशनों की संख्या में भारी वृद्धि हुई

मोदी के कार्यकाल में 47 मिशन लॉन्च हो चुके हैं तथा मनमोहन सिंह सरकार में 24 मिशन लॉन्च हुये थे

- अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के दौरान छः और पी.वी. नरसिम्हा राव सरकार के दौरान पांच मिशन लॉन्च हुए थे। इस लिहाज से कहा जा सकता है कि, मोदी सरकार ने अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में काफी प्रगति की है।

नई दिल्ली, 15 जुलाई। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) ने शुक्रवार (14 जुलाई) को श्रीहरिकोटा से एल.वी.एम.3-एम 4 रॉकेट के जरिए अपने तीसरे चंद्र मिशन चंद्रयान 3 को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। 23 अगस्त को अगर इसकी सॉफ्ट लैंडिंग होती है तो संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत इसे हासिल करने वाला दुनिया का चौथा देश बन जाएगा। इसके साथ ही मोदी सरकार के नाम एक और नया रिकॉर्ड होगा।

मोदी सरकार की बात करें तो इसरो ने इस सरकार में अब 47 मिशनों को लॉन्च किया है। इसकी तुलना में इसरो ने मनमोहन सिंह की सरकार के दौरान 24, अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के दौरान छह और पी.वी. नरसिम्हा राव सरकार के दौरान पांच मिशन को लॉन्च किया था। इस लिहाज से कहा जा सकता है कि मोदी सरकार ने अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में काफी प्रगति की है।

भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम 1962 में जवाहरलाल नेहरू सरकार द्वारा अंतरिक्ष अनुसंधान के लिए भारतीय राष्ट्रीय समिति की स्थापना के साथ शुरू किया गया था, जो सात साल बाद इंदिरा गांधी शासन के दौरान इसरो बन गया। पिछले नौ वर्षों की बात करें तो इसरो द्वारा किए गए 47 लॉन्च मिशनों में से केवल तीन उपग्रह अपनी कक्षाओं में स्थापित नहीं होने में विफल रहे। जबकि 22 जुलाई, 2019 को लॉन्च किए गए चंद्रयान 2 मिशन ने सफलतापूर्वक उड़ान भरी और चंद्रमा के चारों ओर एक ऑर्बिटर स्थापित किया, लेकिन यह चंद्रमा की सतह पर नरम लैंडिंग के लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सका। अंतरिक्ष मिशनों की गति में तेजी का श्रेय अंतरिक्ष विभाग के केंद्रीय राज्य मंत्री, जितेंद्र सिंह मोदी सरकार को दिया है उन्होंने कहा है कि, मोदी सरकार ने अंतरिक्ष मिशन को लेकर अधिक संसाधन और एक मजबूत नीति, परिवेश प्रदान किया।

'चुनाव पंचायत का था...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बड़ी भूमिका की खातिर, कुछ लोगों के शव कोई मायने नहीं रखते हैं। इन ग्रामीण चुनावों में अब तक करीब 50 लोगों की बलि दी जा चुकी है और यह संख्या रोजाना बढ़ती जा रही है। अब भी, जबकि चुनाव समाप्त हो चुके हैं, पूरे राज्य से लोगों के मरने तथा उनकी हत्याओं की रिपोर्ट आ रही हैं। अपनी जीत को पार्टी की निर्णायक जीत के रुप में प्रस्तुत करते हुये, वे विपक्षी दलों के विजेताओं पर अपनी पार्टी छोड़कर, तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने के लिये दबाव बना रही हैं। बहुत से क्षेत्रों में, जीते हुये उम्मीदवारों तथा उनके परिवारों पर अपनी पार्टियाँ छोड़ने के लिये जबरदस्त दबाव डाला जा रहा है।

ऐसी रिपोर्ट चर्चा में हैं कि अन्य पार्टियों के विजेता उम्मीदवारों को तृणमूल में शामिल होने के लिये भारी-भरकम धनराशि की पेशकश की जा रही है। यही नहीं, भाजपा के कुछ पदाधिकारियों तक को रिश्वत दी जा रही है कि वे अपने लोगों का तृणमूल कांग्रेस में लायें। विपक्षी दलों के कुछ विजयी उम्मीदवार तो तृणमूल गाड़ी में सवार भी हो गये हैं।

एक मामला तो ऐसा बताया जा रहा है कि विजयी उम्मीदवार के बेटे का अपहरण कर लिया गया था। वह विजयी उम्मीदवार, जो किसी विपक्षी दल के सदस्य के रुप में मतगणना कक्ष के अंदर गया था, तृणमूल के विजेता के रुप में बाहर निकला था। विपक्षी दल अब अपने विजयी उम्मीदवारों को ऐसे सुरक्षित मकानों में रखने के लिये कड़ी मेहनत कर रहे हैं, जहाँ तक तृणमूल के कर्ताधर्ताओं के लम्बे हाथ नहीं पहुंच सकें।

ममता बनर्जी के व्यक्तित्व के कुछ मजबूत पक्ष भी हैं। वे दुर्दमनीय हैं तथा प्रतिकूल परिस्थिति में संघर्ष करना उन्हें प्रिय है। वे राष्ट्रीय राजनीति में अपना स्थान सुनिश्चित करने के लिये संघर्षरत रहेंगी। राष्ट्रीय राजनीति में अपनी जगह बनाना उनकी भूल एलं अपरिवर्तनीय आकांक्षा है। लेकिन क्या उनकी कोशिश सफल होगी?

दुष्कर्म व हत्या...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बैठा रहा। पिता के कहने पर बच्ची शोरूम के नल से पानी लेने चली गई तो किशोर भी वहां से निकल गया। काफी देर तक जब बच्ची वापस नहीं आई तो उसकी माँ उसे ढूंढने लगी, लेकिन वो नहीं मिली। इस दौरान किशोर भी वहां आ गया और बोला कि, बच्ची को बाड़ा बाड़ा में देखकर आओ। जब परिजनों ने वहां जाकर देखा तो बच्ची को निर्वस्त्र अवस्था में मृत पाया। उसका गला कटा हुआ था। बच्ची के पिता ने आमेर थाने में किशोर पर शक जाहिर करते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई।

जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने किशोर को निरुद्ध कर उसकी मानसिक व शारीरिक क्षमता की जांच करने के बाद बाल न्यायालय के समक्ष आरोप पत्र पेश किया। बाद में बाल न्यायालय ने किशोर न्याय अधिनियम, 2015 के प्रावधानों की परिधि में उसका वयस्क की तरह ट्रायल करने के लिए मामला सामान्य कोर्ट में भेज दिया। जहां अदालत ने किशोर को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

राहुल गांधी ने एक बार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बराबर करने के लिए अमेरिका से यूरोप तक विदेशी शक्तियों की ओर झुक रहे हैं और भारत के हितों का नाश करने वाले वैश्विक सिंडीकेटों से मिले हुए हैं।

भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि राफेल मुद्दा सुप्रीम कोर्ट ने बहुत पहले निपटा दिया था और राहुल को संवैधानिक संस्थाओं पर शक जताना बंद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राहुल ने कुछ गलत टिप्पणी के लिए सर्वोच्च न्यायालय से माफी मांगी थी। कोर्ट ने उन्हें जिम्मेवार रहने को कहा मगर वे और जिम्मेवारी साथ-साथ नहीं चल सकते।

भाटिया ने कहा, "यह शर्मनाक है कि जब प्रधानमंत्री का फ्रांस में सम्मान हो रहा है तो कुछ लोग छाती पीट रहे हैं।

भाजपा आई.टी. विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने हमला जारी रखते हुए यूरोपीय संसद की टिप्पणियों को राहुल की मणिपुर यात्रा से जोड़ा और कहा, "यह संयोग नहीं हो सकता कि राहुल की मणिपुर यात्रा के बाद ही यूरोपीय संसद ने मणिपुर हिंसा पर अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर चर्चा का प्रस्ताव रखा।" मालवीय ने राहुल पर आरोप लगाया कि वे मणिपुर के दुर्भाग्यपूर्ण विवाद का राजनीतिकरण कर रहे हैं।

मालवीय ने कहा, "यह स्पष्ट है कि राहुल गांधी घरेलू राजनैतिक हिसाब बराबर के लिए अमेरिका से यूरोप तक विदेशी शक्तियों का साहरा ले रहे हैं। वे भारत के रणनीतिक और भौगोलिक-राजनैतिक हितों को नुकसान पहुंचाने वाले वैश्विक सिंडीकेटों से मिले हुए हैं।

कांग्रेस के हमले की कमान जयराम रमेश ने संभाली, जिन्होंने मणिपुर मामले पर सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा, जनवरी 1977 में येल विश्वविद्यालय के विख्यात अर्थशास्त्री रिचर्ड नैल्सन ने एक प्रभावशाली लेख "द मून एण्ड द घेटो" प्रकाशित किया था जो छात्रों में बहुत लोकप्रिय हुआ। नैल्सन प्रश्न करते हैं कि तकनीकी रूप से अति सक्षम अमेरिका चंद्रमा पर इंसान भेज देता है लेकिन अपनी घरेलू समस्याएं हल नहीं कर सकता, विशेषकर भीतरी शहरों में। यह एक बहुत विचारणीय विश्लेषण हैं जिसका हमसे भी संबंध है।

रमेश ने कहा, "हम चांद पर जा सकते हैं लेकिन देश में लोगों की समस्याएं हल करने के इच्छुक नहीं हैं। नैल्सन के लेख का भारतीय संस्करण हो सकता है द मून एंड मणिपुर।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता के.सी. वेणुगोपाल ने स्मृति ईरानी पर वार करते हुए कहा, "मंत्री स्मृति ईरानी से कहा कि वे इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री से बुलवाएं। प्रधानमंत्री पूरी दुनिया में घूम रहे हैं लेकिन मणिपुर पर एक मिनट भी बात नहीं करते।

गूगल का अनुमान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिए जाएंगे।

लेकिन यह गठबंधन विवाद रहित नहीं है। इन "इन्फ्लुएंसर्स" की सार्वजनिक संवाद की घटिया संस्कृति है कि सरकार के साथ इनके गठबंधन के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। यह ज्यादा चिंताजनक है क्योंकि सामग्री तैयार करने वालों तथा ऑनलाइन पत्रकारों के बीच अंतर घटता जा रहा है।

जनवरी 2023 में सरकार न सोशल मीडिया "इन्फ्लुएंसर्स" के लिए अनिवार्य कर दिया था कि वे ब्रांड्स से मिलने वो भौतिक लाभों की घोषणा करे जैसे होटल में ठहरना आदि। मिलने वाले भौतिक लाभ घोषित करेंगे, होटल में ठहरने सहित। न्यूजलॉंड्री की कार्यकारी संपादक सुश्री मनीषा पांडे ने कहा, क्योंकि "यह किसी ब्रांड को प्रोत्साहित करने के समान है, केवल यहां ब्रांड सरकार है।"

हालांकि इन्फ्लुएंसर्स स्वयं को पूरी तरह पत्रकार न मानें लेकिन उनके द्वारा समाचार के नाम पर जो सामग्री परोसी जा रही है उसकी दर्शकों को ज्यादा पड़ताल करने की आवश्यकता है।

कुछ पत्रकारों को छोड़कर बाकी इन्फ्लुएंसर्स को पत्रकारिता का अनुभव नहीं है और ना ही वे प्रशिक्षित है।

सुश्री पांडे ने स्ट्रेट्स टाइम्स को कहा, "ये लोग हर चीज़ को केवल सामग्री के रूप में लिखते हैं और ज्यादा से ज्यादा दर्शक और विज्ञापन के पैसे के पीछे रहते हैं। राजनैतिक पार्टियों ने भी बहुत सावधानी से सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स से संपर्क साधा है जो उनके मत को मानते हैं और उनके नेताओं को ज्यादा से ज्यादा जनता के सामने आने का मौका देते हैं लेकिन मीडिया में प्रमुखता से आने वाले मुद्दों पर सवाल नहीं पूछते। सोशल मीडिया पर सक्रिय कई युवा पत्रकार के इंटरव्यू और जनसंपर्क के लिए ऑनलाइन लिखी गई सामग्री में फर्क ही नहीं समझते और इसे समझाना "जिम्मेवार मीडिया" का काम है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908